THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 326 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.4 2079 गुरुवार, 9 फरवरी 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

विपक्षी एकता पर पीएम मोदी का तंज

ईडी ने विपक्ष को एक कर दिया

नई दिल्ली , 8 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जवाब दिया। अपने 85 मिनट के भाषण में उन्होंने कहा- बहुत सारे विपक्षी मिले-सुर मेरा-तुम्हारा कर रहे थे। मुझे लगता था कि देश की जनता, देश के चुनाव के नतीजे ऐसे लोगों को जरूर एक मंच पर लाएंगे, वो तो हुआ नहीं। लेकिन इन लोगों को ईडी का धन्यवाद करना चाहिए उसके कारण ये एक मंच पर आ गए।

मोदी ने कहा- यूपीए के 10 साल में सबसे ज्यादा घोटाले हुए। इनकी निराशा का कारण यही है कि देश का सामर्थ्य खुलकर सामने आ रहा है। 2004 से 2014 तक हर मौके को मुसीबत में बदल दिया। जब टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन का युग बढ़ रहा था, उसी समय ये 2G में फंसे रहे। सिविल न्यूक्लियर डील की चर्चा के दौरान ये कैश फॉर वोट में फंसे रहे।

राहुल गांधी पर तीन कटाक्ष

1. कल कुछ लोगों के भाषण के बाद पूरा इको सिस्टम उछल रहा था। समर्थक खुश होकर कह रहे थे कि ये हुई ना बात। नींद भी अच्छी आई होगी, उठ भी नहीं पाए होंगे। ऐसे लोगों के लिए कहा गया है- ये कह-कहकर हम दिल को बहला रहे हैं, वो अब चल चुके हैं, वो अब आ रहे हैं।

2. राष्ट्रपति के भाषण से कुछ सदस्य कन्नी काट गए। एक बड़े नेता राष्ट्रपति जी का अपमान भी कर चुके हैं। जनजातीय समुदाय के प्रति नफरत भी दिखाई दी है। टीवी पर उनके बयानों से भीतर पड़ा हुआ नफरत का भाव बाहर आ गया। बाद में चिट्ठी लिखकर बचने की कोशिश की गई।

3. कई सदस्यों ने सदन में तर्क और आंकड़े दिए। अपनी रुचि, प्रवृत्ति और प्रकृति के अनुसार बातें रखीं। >14

राहुल गांधी ने 45 मिनट की स्पीच के दौरान गौतम अडाणी और हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर सरकार और प्रधानमंत्री से सवाल पूछे थे

> हिंडनबर्ग रिपोर्ट में लिखा गया कि देश के बाहर अडाणी जी की शेल कंपनिया हैं, सरकार बताए ये कंपनियां किसकी हैं?

> शेल कंपनियों से आ रहा पैसा किसका?

> अडाणी जी हिंदुस्तान के पोर्ट्स-एयरपोर्ट, डिफेंस को डॉमिनेट करते हैं। शेल कंपनीज के बारे में हिंदुस्तान की सरकार ने कोई सवाल नहीं उठाया? ये राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है।

> प्रधानमंत्री जी आपकी फॉरेन ट्रिप्स पर अडाणी जी कितनी बार साथ गए?

> कितनी बार आपकी विदेश यात्राओं में अडाणी जी ने आपसे मुलाकात की?

> प्रधानमंत्री के विदेश दौरों के बाद उस देश में अडाणी कितनी बार गए?

> अडाणी ने कितने पैसे भाजपा को दिए हैं? इलेक्टोरल बॉन्ड में अडाणी ने कितने पैसे दिए हैं?

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा पर भी तंज

जो अभी-अभी जम्मू-कश्मीर से घूमकर आए हैं, उन्होंने देखा होगा कि कितने आन-बान-शान के साथ वहां जा सकते हैं। पिछली शताब्दी में मैं भी जम्मू-कश्मीर में यात्रा लेकर गया था और लाल चौक में तिरंगा फहराने का संकल्प लेकर गया था। लाल चौक में तिरंगा फहराकर मैंने कहा था- आमतौर पर 15 अगस्त और 26 जनवरी को तिरंगा लहराता है तो भारत का आयुध और बारूद सलामी देता है। आज जब लाल चौक पर तिरंगा फहराया है, तो दुश्मन देश का बारूद सलामी दे रहा है। समय सिद्ध कर रहा है कि जो यहां (सत्ता में) बैठते थे, वो वहां (विपक्ष में) जाने के बाद भी फेल हो गए। देश पास होता जा रहा है डिस्टिंक्शन पर। समय की मांग है कि आज निराशा में डूबे लोग स्वस्थ मन रखकर आत्म चिंतन करें। तिरंगे से कुछ लोगों को शांति बिगड़ने का खतरा लगता था। वक्त देखिए और वक्त का मजा देखिए, अब वो भी तिरंगा यात्रा में शरीक हो गए। कुछ लोग टीवी में चमकने की कोशिश में लगे थे, उसी समय श्रीनगर में दशकों बाद थिएटर हाउसफुल चल रहे थे। आज हम सैकड़ों की तादाद में जम्मू-कश्मीर जा सकते हैं।

विपक्ष के हमलों पर मोदी ने कहा- जो अहंकार में डूबे हैं, ऐसी सोच में जीने वालों को लगता है कि मोदी को गाली देकर ही हमारा रास्ता निकलेगा, कीचड़ उछालकर रास्ता निकलेगा। 22 साल बीत गए और वे गलतफहमी ही पालकर बैठे हैं। मोदी पर भरोसा अखबार की सुर्खियों से नहीं पैदा हुआ है, टीवी पर चमकते चेहरों से नहीं हुआ है। हमने देश के लोगों के लिए, देश के भविष्य के लिए जीवन खपा दिया है। देशवासियों का मोदी पर भरोसा इनकी समझ के दायरे से बाहर है। क्या ये झूठे आरोप लगाने वालों पर, मुफ्त राशन प्राप्त करने वाले देश के 80 करोड़ भारतवासी कभी भरोसा करेंगे। वन नेशन-वन राशन कार्ड देशभर में कहीं पर भी गरीब से गरीब को भी राशन मिल जाता है। जिन 11 करोड़ किसानों के खाते में साल में 3 बार पैसे जमा होते हैं, वो आप पर भरोसा नहीं करेगा।

जो झुग्गी-झोपड़ी में रहता था, उन्हें घर मिले हैं, उनको तुम्हारी गालियों, झूठी बातों का भरोसा क्यों करेगा। 9 करोड़ लोगों को मुफ्त गैस कनेक्शन मिला, वो इनका झूठ कैसे स्वीकार करेगा।

प्लास्टिक की खराब बोतलों से बनाई गई जैकेट पहनकर संसद पहुंचे पीएम मोदी

नई दिल्ली , 8 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव देने के लिए संसद पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी के पहनावे को लेकर खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, प्रधानमंत्री ने इस दौरान जो जैकेट पहनी वो प्लास्टिक की खराब बोतलों को रिसाइकिल करके बनाई गई है। इसे सोमवार को बेंगलुरु में इंडिया एनर्जी वीक में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने पीएम मोदी को भेंट की थी। कंपनी ने इसी तरह से प्लास्टिक की खराब बोतलों से ड्रेस बनाने की योजना बनाई है। इसे अनबोटल्ड इनिशिएटिव नाम दिया गया है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने हर साल 10 करोड़ पीईटी बोतलों का रिसाइकिल करने की योजना बनाई है। रिसाइकिल होने वाली इन बोतलों से कपड़े बनाए जाएंगे। ट्रायल के तौर पर इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के विशेषज्ञों ने जैकेट तैयार की थी। जिसे पीएम मोदी को भेंट किया गया है। इंडियन ऑयल के अनुसार, एक यूनिफॉर्म को बनाने में कुल 28 बोतल को रिसाइकिल किया जाता है।

सभापति-नेता विपक्ष में नोकझोंक, मोदी भी हंसने लगे

खड़गे बोले-सभापति मशीन से नोट गिनने लगे, धनखड़ हाथ जोड़कर बोले-मुझ पर भी जेपीसी बैठाओगे

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। बजट सत्र के 8वें दिन बुधवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कांग्रेस और भाजपा सांसदों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की स्पीच के दौरान कई पल ऐसे आए, जब हंसी-ठिठोली भी हुई। मोदी-शाह की वॉशिंग मशीन, हरिश्चंद्र का जिक्र हुआ। खड़गे ने शेर सुनाया तो सभापति भी शायराना हो गए। 40 मिनट की स्पीच के दौरान खड़गे सभापति जगपति धनखड़ से भी उलझते दिखे। उन्होंने अड़ाणी-पीएम मोदी के रिश्ते, अडाणी के तेजी से अमीर बनने, अडाणी की कंपनियों को लेकर सवाल पूछे।

जब पीएम मोदी भी हंस पड़े

पहला मौका : दरअसल, खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी हमेशा चुनावी मोड में दिखाई देते हैं। इधर संसद चलती रहती है, उधर मेरे संसदीय क्षेत्र कलबुर्गी में गए हैं। अरे भई मेरा एक ही एक संसदीय क्षेत्र मिल रहा है आपको। और एक संसदीय क्षेत्र में दो-दो मीटिंग। खड़गे के इतना कहते ही सदन में ठहाके गूंज उठे। मोदी भी खिलखिलाकर हंस पड़े।

दूसरा मौका : इसके कुछ देर बाद खड़गे अडाणी पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा किस तरह से एक आदमी 12 लाख करोड़ पर कब्जा करके बैठा है। जेपीसी बनाइए और अगर ये घोटाला करने वाले हरिश्चंद्र निकले, पाक-साफ निकले तो हम इन्हें माला पहनाएंगे।

इस पर सभापति बोले फिर कब्जा...!

खड़गे ने फौरन टोका और कहा- जेपीसी बने। उन्होंने कहा कि सभापतिजी बहुत अच्छे एडवोकेट हैं। आपकी कुछ बातें बताऊं। आपने मुझसे कहा था कि शुरू-शुरू में मैं हाथ से पैसे गिनता था। फिर मशीन से पैसे गिनने शुरू कर दिए। इस पर सभापति बोले: 'वकील वाली बात ऑथेंटिकेट करने की जरूरत नहीं। हाथ जोड़ता हूं। मैंने मशीन से पैसे गिनने की बात नहीं की थी। लगता है कि आप मुझ पर भी जेपीसी बैठाएंगे।' इतना कहने के बाद सदन में ठहाके गूंज उठे।

रेड कॉर्नर नोटिस के बाद भी जांच एजेंसी पकड़ने में नाकाम

तिरुवनंतपुरम , 8 फरवरी (एजेंसियां)। इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के बाद भी केरल में आज भी तीन आतंकवादियों और एक महिला सहित आठ भगोड़े खुलेआम घूम रहे हैं। सूची में दो कुख्यात भगोड़े- सुकुमार कुरुप और डॉ एदादी ओमाना भी शामिल हैं।

कई साल पहले जारी किए गए रेड कॉर्नर अलर्ट के बाद भी दशकों से अंतरराष्ट्रीय पुलिस और अन्य जांच एजेंसियां इन्हें पकड़ने में नाकाम रही हैं। बता दें कि एक बार इंटरपोल द्वारा रेड कॉर्नर नोटिस जारी किए जाने के बाद अपराधियों का विवरण दुनिया भर के हवाई अड्डों के अधिकारियों के साथ साझा किया जाता है, जिससे एक देश से दूसरे देश की यात्रा करना असंभव हो जाता है। इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस सूची में केरल से नाम शामिल हैं। इनमें मलप्पुरम के मोंगम से मोहम्मद हनीफा (45) शामिल हैं। >14

सिख कैदियों की रिहाई पर बवाल

चंडीगढ़ में घुसने के लिए बैरिकेड तोड़े, तलवार-डंडों से पुलिस पर हमला-गाड़ियां तोड़ीं

चंडीगढ़, 8 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के मोहाली में सिख कैदियों की रिहाई की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी बुधवार को उग्र हो गए। चंडीगढ़ में घुसने को लेकर उनकी पुलिस से झड़प हो गई। इस दौरान जमकर पथराव हुआ। प्रदर्शनकारियों ने तलवारें निकाल लीं। जिसे देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया और वाटर कैनन का भी प्रयोग किया।

इससे भड़के प्रदर्शनकारियों ने चंडीगढ़ और पंजाब पुलिस की गाड़ियों में तोड़फोड़ कर डाली। प्रदर्शनकारी इस कदर उग्र हो गए कि उन्होंने तलवारें और डंडे दिखाकर पुलिस को खदेड़ दिया। कुछ पुलिसकर्मी भी इस हिंसक वारदात में जख्मी हुए हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है। माहौल बिगड़ता देख पुलिस के सीनियर अफसर मौके पर पहुंचे हैं। चंडीगढ़ में धारा 144 लगा दी गई है। सजा पूरी कर चुके सिख कैदियों की रिहाई के लिए मोहाली में चंडीगढ़ बॉर्डर पर 7 जनवरी से प्रदर्शन चल रहा है। बुधवार को प्रदर्शनकारियों ने पंजाब के सीएम के घर कूच का ऐलान कर दिया। इसका पता चलते ही चंडीगढ़ और पंजाब पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी। प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग के पास हा गए। उन्होंने बैरिकेड हटाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने रोक दिया। जिसके बाद उन्होंने तलवार और डंडे निकाल लिए। पुलिस को पीछे धकेलते हुए वे चंडीगढ़ में घुसने की कोशिश करने लगे। यह देखकर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया।

लाठीचार्ज के बाद चंडीगढ़ पुलिस ने एक वीडियो जारी किया है। जिसमें मोहाली बॉर्डर पर निहंग पुलिस की गाड़ियों को टारगेट कर रहे हैं। जिसमें वे तलवारें मारकर गाड़ियों को तोड़ रहे हैं। इस घटना में चंडीगढ़ पुलिस के कुछ जवान भी जख्मी हुए हैं। जिन्हें चंडीगढ़ के सेक्टर 16 अस्पताल में भर्ती कराया गया है। >14

महबूबा मुफ्ती दिल्ली पुलिस की हिरासत में

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। वह बुधवार को जम्मू-कश्मीर प्रशासन के अतिक्रमण विरोधी अभियान का विरोध करने के लिए विजय चौक पहुंची थीं। इस दौरान उनके कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया है। विरोध करते हुए महबूबा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में गुंडा राज है। इसे अफगानिस्तान की तरह नष्ट किया जा रहा है। साथ ही कार्यकर्ताओं ने बीजेपी हाय हाय के नारे भी लगाए।

जम्मू-कश्मीर के 20 जिलों में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। कथित सरकारी जमीन को मुक्त कराने के लिए अब तक कई इमारतों पर बुलडोजर चलाया गया है। इसे लेकर स्थानीय लोगों का भी प्रदर्शन जारी है। इस पर मंगलवार को पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने कहा था- इस अभियान में धर्म देखकर लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने गलत हेयर कट पर मुआवजा रोका

नेशनल कंज्यूमर कोर्ट ने 2 करोड़ हर्जाना देने कहा था

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। 21 सितंबर 2021 को कंज्यूमर कोर्ट ने लग्जरी होटल चेन आईटीसी को आदेश दिया था कि गलत ढंग से बाल काटे जाने पर पीड़ित महिला को मुआवजे के तौर पर 2 करोड़ रुपए दे। अब सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट रेड्रेसल कोर्ट एनसीडीआरसी के इस फैसले पर रोक लगा दी है।

कोर्ट ने कहा कि एनसीडीआरसी ने मुआवजा तय करने से पहले कोई सबूत नहीं देखा, इसलिए नए सिरे से विचार करें। जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने कहा कि हर्जाना पीड़ित के दावे के आधार पर नहीं ब्लकि सबूतों के आधार पर तय होना चाहिए। मुआवजा किस आधार पर और कितना होगा। ये एनसीडीआरसी तय करे।

मामला अप्रैल 2018 का था जिस पर कोर्ट ने 21 सितंबर को फैसला दिया था। आईटीसी मौर्य होटल ने आशना रॉय नाम की मॉडल के लंबे बाल काट दिए और गलत हेयर ट्रीटमेंट दिया। जिसकी वजह से उसे बड़ा नुकसान हुआ। उसकी लाइफस्टाइल बदल गई और टॉप मॉडल बनने का उसका सपना टूट गया। होटल पर सिर्फ महिला के बाल काटने का ही नहीं, बल्कि हेयर ट्रीटमेंट में मेडिकल लापरवाही करने का भी आरोप लगा। आशना का स्कैल्प जल गया, जिसमें लम्बे समय तक एलर्जी और इचिंग रही। आशना ने जो वॉट्सऐप चैट दिया उससे यह साफ हुआ कि होटल ने अपनी गलती मानी थी और फ्री ट्रीटमेंट देने की पेशकश करके अपनी गलती छुपाने की कोशिश भी की थी।

ओरेवा ग्रुप के एमडी को न्यायिक हिरासत में भेजा

मोरबी, 8 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के मोरबी शहर में एक झूला पुल गिरने के मामले में ओरेवा समूह के प्रबंध निदेशक जयसुख पटेल को झटका लगा है। इस मामले में यहां की एक अदालत ने पटेल को बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मोरबी के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एम जे खान ने एक फरवरी को पटेल को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। यह अवधि समाप्त होने के बाद बुधवार को अदालत ने यह कदम उठाया है।

ओरेवा समूह के प्रबंध निदेशक जयसुख पटेल ने अपनी गिरफ्तारी से पहले एक फरवरी को यहां एक अदालत में आत्मसमर्पण किया था। मोरबी पुलिस ने पिछले हफ्ते इस मामले में चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें पटेल समेत अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अन्य नौ गिरफ्तार व्यक्तियों में फर्म के दो प्रबंधक, दो टिकट बुकिंग क्लर्क, तीन सुरक्षा गार्ड और दो उप-ठेकेदार शामिल हैं, जो ओरेवा समूह द्वारा मरम्मत कार्य के लिए लगाए गए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने एलजी ऑफिस को भेजा नोटिस

नई दिल्ली , 8 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर ऑफिस को नोटिस जारी किया है और मेयर चुनाव पर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने यह नोटिस आम आदमी पार्टी की मेयर पद की उम्मीदवार शैली ओबेरॉय की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया, जिसमें आम आदमी पार्टी ने लेफ्टिनेंट गवर्नर के उस फैसले पर सवाल उठाए हैं, जिसके तहत एलजी ने नामित सदस्यों को मेयर और डिप्टी मेयर चुनाव में वोट देने का अधिकार दिया है।

बता दें कि दिल्ली में एमसीडी चुनाव के नतीजे घोषित हुए करीब दो महीने का समय बीत चुका है लेकिन अभी तक एमसीडी के मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव नहीं हो सका है। दरअसल एमसीडी में आम आदमी पार्टी को बहुमत मिला है और आम आदमी पार्टी को 134 सीटों पर जीत मिली है। वहीं 15 साल से दिल्ली एमसीडी में काबिज भाजपा को 104 सीटों पर जीत मिली है। वहीं कांग्रेस के हिस्से में 9 सीटें आई हैं। विवाद इस बात पर है कि एलजी वीके सक्सेना ने 10 पार्षद मनोनीत किए हैं। उप राज्यपाल द्वारा मनोनीत पार्षदों को एल्डरमैन कहा जाता है। उपराज्यपाल ने इस मनोनीत सदस्यों को वोटिंग का अधिकार भी दिया है। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि उपराज्यपाल ने चुनी हुई सरकार को मनोनीत कर भाजपा कार्यकर्ताओं को एल्डरमैन मनोनीत कर दिया है।

दिल्ली: शराब घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, ओएसिस ग्रुप के डायरेक्टर गौतम मल्होत्रा गिरफ्तार

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। ईडी ने दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने गौतम मल्होत्रा को गिरफ्तार किया है। गौतम मल्होत्रा, पूर्व अकाली दल के विधायक दीप मल्होत्रा के बेटे हैं। गौतम पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है और वह शराब बनाने वाली बड़ी कंपनी ओएसिस ग्रुप के डायरेक्टर हैं।

'मैं सेब को सेब बोलूंगी, संतरा नहीं...'

आपत्तिजनक बोल के बाद अब भाजपा पर भड़कीं महुआ मोइत्रा

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने लोकसभा की कार्यवाही के दौरान आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया था। टीएमसी सांसद द्वारा अपशब्द कहे जाने को लेकर इस पर काफी बवाल हुआ। भाजपा सांसदों ने उनसे माफी की मांग की, लेकिन वो अभी भी अपने बयान पर कायम हैं।

सेब को संतरा नहीं कहूंगी

महुआ मोइत्रा से पत्रकारों ने उनकी आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर सवाल किया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, मुझे आश्चर्य है कि भाजपा हमें संसदीय शिष्टाचार सिखा रही है। एक सांसद ने मेरे साथ बदतमीजी की। मैं सेब को सेब ही कहूंगी, संतरा नहीं। अगर वे मुझे विशेषाधिकार समिति के पास ले जाएंगे, तो मैं अपना पक्ष रखूंगी।

अदाणीगेट को देश के लोगों को दिखाया

टीएमसी सांसद ने आगे कहा कि बीजेपी कह रही है कि मैं महिला होने के नाते इस तरह के शब्द का इस्तेमाल कैसे कर सकती हूं। क्या मुझे ऐसा कहने के लिए पुरुष होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पहली बार देश के लोगों को हमने दिखाया कि अदाणीगेट आखिर क्या है। बीजेपी पिछले 3 सालों से इसे छिपाने की कोशिश कर रही है। मुझे खुशी है कि सभी विपक्षी दल एक साथ बाहर आए।

भाजपा का निशाना

भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने महुआ मोइत्रा की आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सदन में ऐसा नहीं होना चाहिए। जो भी आदरणीय लोग यहां आते हैं उन्हें खुद को कंट्रोल में रखना चाहिए। इतना भी भावुक होने की जरूरत नहीं है, कुछ लोग बहुत ज्यादा भड़क जाते हैं।

अदाणी को लेकर बोला हमला

बता दें कि महुआ मोइत्रा मंगलवार को अदाणी-हिंडनबर्ग मुद्दे को लेकर सरकार पर तीखा हमला कर रही थी। उन्होंने कहा कि अरबपति व्यवसायी ने देश को 'टोपी पहनाई' है। जैसे ही मोइत्रा ने अपना भाषण खत्म किया, भाजपा सांसदों से उनकी झड़प होने लगी। मोइत्रा को कुछ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए सुना गया। पीठासीन

अधिकारी ने कहा कि सदस्य अपशब्दों का प्रयोग करने से बचें। संसदीय कार्यमंत्री प्रल्हाद जोशी ने मोइत्रा से नैतिकता के आधार पर माफी की मांग की और कहा कि यदि वे ऐसा नहीं करती हैं, तो यह उनकी संस्कृति का परिचायक होगा।

बीजेपी ने जांच की निगरानी के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश की नियुक्त पर उठाए सवाल

भुवनेश्वर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री नब किशोर दास की हत्या की अपराध शाखा द्वारा की जा रही जांच की निगरानी के लिए उड़ीसा उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जे.पी. दास झारसुगुडा पहुंचे विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हालांकि आरोप लगाया कि उनकी नियुक्ति का कोई कानूनी आधार नहीं है। न्यायमूर्ति दास ने ओडिशा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एस. के. बंसल और खुफिया विभाग के निदेशक एस.के. पांडा के साथ मंगलवार को झारसुगुडा का दौरा किया और ब्रजराजनगर के गांधी चौक में घटना स्थल पर भी गए। झारसुगुडा जिले के ब्रजराजनगर में सुरक्षाकर्मी गोपाल दास ने 29 जनवरी को मंत्री नब किशोर दास को गोली मार दी थी। मंत्री ने उसी शाम भुवनेश्वर के एक निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया था। राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार को पत्र लिखकर जांच की निगरानी के लिए एक वर्तमान न्यायाधीश या एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश का नाम देने को कहा था। विपक्षी दलों ने मामले की सीबीआई (केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो) या अदालत की निगरानी में एसआईटी (विशेष जांच दल) जांच की मांग की थी। सीबीआई जांच की मांग कर रही भाजपा ने आरोप लगाया कि दण्ड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का कोई प्रावधान नहीं है।

क्या मोदी सरकार तिरंगे से हरा रंग हटा देगी?

संसद में बोले असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। एआईएमआईएम के प्रमुख और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस में भाग लेते हुए संसद में कहा कि हिंडनबर्ग अगर यहां होता तो यहां उस पर यूएपीए लगा दिया गया होता. साथ ही बीजेपी और कांग्रेस पर एक साथ हमला करते हुए ओवैसी ने कहा कि इन दलों की न्यायपालिका और उद्योगपतियों से नजदीकियां हैं और पैसे लेकर विदेश भागने वाले लोग हिंदू हैं. उन्होंने सरकार से सवाल किया कि तिरंगे से हरा रंगहटा दिया जाएगा. लोकसभा में अपने भाषण में ओवैसी ने केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा, "अगले वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय को लेकर आवंटित बजट में 40 फीसदी की भारी कमी कर

दी गई है. स्कॉलरशिप के पैसे में कम से कम 560 करोड़ रुपये कम कर दिए गए. ये आपकी मोहब्बत है जो नफरत की निशानी बनती है." उन्होंने कहा कि केंद्र की बीजेपी सरकार नहीं चाहती कि इस देश में मुसलमान पढ़ें. ओवैसी ने अपने भाषण में आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार नहीं चाहती कि इस देश में मुसलमान पढ़ें. उन्होंने कहा, "अगर पसमांदा मुसलमानों से इतना ही प्यार है तो उन्हें दलित मुसलमानों का दर्जा दे दीजिए. बिहार के मुसलमानों को ओबीसी का दर्जा दिया जाना चाहिए."

'बीजेपी-कांग्रेस ने कुलीनतंत्र को जन्म दिया'

ओवैसी ने बीजेपी और कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, "कांग्रेस और बीजेपी ने देश में कुलीनतंत्र को जन्म दिया. जो लोग देश से बेहिसाब दौलत लेकर भागे हैं, क्या उस लिस्ट में किसी मुगल का नाम है? लेकिन आप इस पर कुछ नहीं बोलेंगे. विदेश भागने वाले लोग हिंदू हैं." एआईएआईएम प्रमुख ओवैसी ने हरे रंग को लेकर केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा, "गुलबर्ग के स्टेशन को हरा रंग किया गया था, यह कहकर उसे बदल दिया कि यह मुसलमानों का रंग है. मैं पूछना चाहता हूं कि क्या मोदी सरकार तिरंगे में लगे हरे रंग को हटा देगी? क्या मोदी सरकार खरबूजे पर पाबंदी लगा देगी. सरकार को हरे रंग से इतनी समस्या क्यों है?"

'चीन पर कब मुंह खोलेंगे पीएम मोदी'

भारत-चीन के साथ सीमा को लेकर लंबे समय से जारी विवाद पर मोदी सरकार पर हमला करते हुए ओवैसी ने कहा कि पीएम मोदी क्या अपनी जुबान से कभी चीन का नाम लेंगे. आप चीन से डरते हैं. अगर समझौता हुआ है तो वहां सैनिकों को पीछे ले जाने का काम कब शुरू होगा. आप चीन का नाम लीजिए, आप डरिए मत. हिंडनबर्ग की रिपोर्ट जिससे अडानी ग्रुप लगातार चर्चा में है, का जिक्र करते हुए ओवैसी ने कहा कि हिंडनबर्ग अगर यहां होता तो यहां उस पर यूएपीए लगा दिया गया होता.

और ये बात मैं बहुत हल्के तौर पर कह रहा हूं. ओवैसी ने लोकसभा में अपने भाषण के अंत में कहा, "मेरा अनुरोध है कि पूजा स्थल अधिनियम को भंग नहीं किया जाना चाहिए. पीएम को चीन से डरना नहीं चाहिए और भारत में अल्पसंख्यकों का बजट बढ़ाना चाहिए."

दिल्ली में प्रदूषण की समस्या गंभीर, सड़कों से हटेंगे 54 लाख से ज्यादा पुराने वाहन

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। नई व्हीकल स्क्रैप पॉलिसी के चलते दिल्ली परिवहन विभाग अब सख्त कार्रवाई करने के मूड में नजर आ रहा है और इसके अंतर्गत जल्द ही दिल्ली में अपनी समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों के खिलाफ अभियान चलाएगा इन वाहनों को स्क्रैप के लिए जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बड़े शहर अब गंभीर प्रदूषण की समस्या से जूझ रहे हैं इनमें देश की राजधानी दिल्ली भीहै। इसीलिए व्हीकल स्क्रैप पॉलिसी को लाया गया था। लेकिन सख्ती न होने के कारण इसमें लोगों के द्वारा रुचि न दिखने की वजह से अब प्रसाशन खुद इससे निपटने की तैयारी कर रहा है। केंद्र सरकार ने स्क्रैप पॉलिसी को लेकर बरती जा रही ढिलाई को देखते हुए इस पर सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

स्वामी की सांसद पुत्री संघमित्रा भी कर सकती हैं साइकिल की सवारी

लखनऊ, 8 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की सांसद और विवादित नेता स्वामी प्रसाद मौर्या की पुत्री संघमित्रा मौर्य का 'पिता प्रेम' उनकी सियासत पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। पिछले वर्ष विधान सभा चुनाव के समय बीजेपी की पार्टी लाइन से हटकर सपा नेता और अपने पिता स्वामी प्रसाद मार्या का समर्थन करना और अब स्वामी की रामचरितमानस पर विवादित टिप्पणी का साथ देना भाजपा आलाकमान को रास नहीं आ रहा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने स्वामी की विवादित टिप्पणी पर पिता का समर्थन करने वाली संघमित्रा को साफ कह दिया है कि अब उन्हें तय करना होगा कि भविष्य में वह किसके साथ खड़ी होंगी।

एक निजी चैनल से बात करते

हुए चौधरी ने कहा कि संघमित्रा बीजेपी की सांसद हैं और 2019 में जनता ने उन्हें सांसद चुना है। हमारी पार्टी का हिस्सा हैं लेकिन अब आगे उन्हें तय करना है कि आगे उनकी लाइन क्या होगी। वहीं राजनीति के जानकार कहते हैं कि संघमित्रा को पता है कि अबकी बार उनको टिकट मिलना मुश्किल है, इसलिए वह नई राह तलाश रही हैं। बता दें कि पिछले दिनों जब स्वामी प्रसाद मौर्या अपनी विवादित टिप्पणी के कारण चौतरफा घिरे थे तो उनकी बेटी और भाजपा सांसद संघ मित्रा ने पिता का समर्थन किया था। उन्होंने कहा था कि पिता को पूरे ग्रंथ से नहीं बल्कि कुछ चौपाइंयों पर एतराज है,

क्योंकि उन्होंने इसका अध्ययन किया है। गौरतलब हो संघ मित्रा ने पिता स्वामी प्रसाद मौर्य की टिप्पणी पर कहा था कि उनकी बातों पर विचार किया जाना चाहिए न कि विवाद खड़ा करना चाहिए। संघमित्रा ने अपने बयान में कहा था कि यदि किसी को इस लाइन पर संदेह है तो उस पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा था कि यह विषय विवाद या मीडिया में बैठकर बहस का नहीं बल्कि इस पर विद्वानों को विचार करना चाहिए। ताकि यह साफ हो सके कि चौपाई का वास्तविक अर्थ क्या है। हालांकि बाद में वह इस विवाद पर किनारा करती नजर आईं थी।

कमाल की अप्सरा: जिस कुर्सी पर कभी बैठे थे ओबामा उस पर भारतीय मूल की लड़की बैठेगी

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय मूल की अप्सरा अय्यर को हार्वर्ड लॉ रिव्यू जैसी दुनिया की इकलौती अहम संस्था का अध्यक्ष चुना गया है. 136 साल के इतिहास में यह पहला अवसर है जब किसी भारतीय-अमेरिकी मूल की शख्सियत को इस अहम पद पर बैठाया गया हो. हार्वर्ड लॉ रिव्यू, विधिक (कानून) क्षेत्र में प्रकाशित होने वाले जनरल के लेखों की समीक्षा और चयन के उद्देश्य से, हार्वर्ड लॉ स्कूल के अंतर्गत संचालित संस्था है. भारतीय-अमेरिकी मूल की छात्रा अप्सरा अय्यर हार्वर्ड लॉ स्कूल में दूसरे साल की छात्रा हैं. इस संस्था की स्थापना 1887 में की गई थी. अप्सरा अय्यर को इस पद पर चुने जाने की पुष्टि 'द हार्वर्ड क्रिमसन' ने अपनी एक रिपोर्ट के जरिए की है, जिसमें कहा गया है कि, अप्सरा अय्यर को हार्वर्ड लॉ रिव्यू का 137वां अध्यक्ष चुना गया है. इस सफलता पर मीडिया से बातचीत में अप्सरा ने भी खुशी जाहिर की.

उन्होंने कहा, "लॉ रिव्यू अध्यक्ष के रूप में लेखों की समीक्षा एवं चयन की प्रक्रिया में और अधिक संपादकों को शामिल करना उनकी प्राथमिकता होगी. ताकि उच्च गुणवत्ता वाले काम करने की संस्था की साख को बरकरार रखा जा सके."

अप्सरा का क्या है लक्ष्य

अप्सरा अय्यर के मुताबिक, उन्हें लगता है कि अभी वे केवल यह सुनिश्चित करने पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगी कि, संस्था में सब कुछ पहले से भी बेहतर संभव हो सके. यहां जिक्र करना जरूरी है कि जिस पद पर अब अप्सरा अय्यर चुनी गई हैं, उस पद पर कभी अमेरिका के राष्ट्रपति रह चुके बराक ओबामा और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति रूथ बेडर जिन्सबर्ग भी रह चुके हैं. क्रिमसन की ही एक रिपोर्ट के मुताबिक, अप्सरा अय्यर ने सन 2016 में येल से ग्रेजुएशन की डिग्री ली थी. उनके पास अर्थशास्त्र, गणित और स्पेनिश में ग्रेजुएशन डिग्री है. अप्सरा अय्यर से पूर्व इस पद पर रहने वाले प्रिसिला कोरोनाडो ने कहा, "अप्सरा अय्यर को शीर्ष पर रखने को लेकर संस्था खुद को भाग्यशाली समझती है. सांस्कृतिक विरासत के मूल्यों को समझने में अप्सरा अय्यर के लगाव ने ही उन्हें मैनहट्टन अटॉर्नी की पुरावशेष तस्करी इकाई में भी काम करने के लिए प्रेरित किया था. यह संस्था चोरी की गई कला और कलाकृतियों को ट्रैक करने की जिम्मेदारी निभाती है.

'राइट ऑन' परीक्षा से मिली कामयाबी

अप्सरा अय्यर के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने लॉ स्कूल में आने से पहले सन 2018 में लॉ ऑफिस में भी काम किया था. जबकि वकालत करने के पहले साल में उन्होंने अवकाश ले लिया था. रिपोर्ट के ही मुताबिक, अप्सरा अय्यर 'राइट ऑन' नाम की प्रतियोगिता में सफलता हासिल करने के बाद ही अब, हार्वर्ड लॉ रिव्यू के अध्यक्ष पद तक पहुंची हैं. इससे पहले तक अप्सरा, लॉ स्कूल के हार्वर्ड ह्यूमन राइट्स जर्नल और नेशनल सिक्योरिटी जर्नल में भी शामिल हुई थीं.

श्रीनगर में लश्कर के तीन मददगार गिरफ्तार आतंकियों तक पहुंचाते हैं पैसा और हथियार

श्रीनगर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर में आतंकी संगठन लश्कर-ए ताइबा के तीन मददगारों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 31.65 लाख की नकद राशि और अन्य सामग्री बरामद की गई है। एक अधिकारी ने बताया कि नौगाम पुलिस थाने की टीम ने लसजन क्रॉसिंग पर नाके के दौरान संदेह होने पर तीन संदिग्ध लोगों को नीले रंग की क्रिकेट किट के साथ पकड़ा। जांच के दौरान इसमें उक्त राशि, एक मोबाइल फोन, लश्कर के लेटर पैड के तीन पन्ने बरामद हुए। आरोपियों की पहचान सोइटेंग निवासी उमर आदिल डार, सालिक महराज और कुर्सू राजबाग निवासी बिलाल अहमद सिद्दीकी के रूप में हुई है।

संसद में उठा चाय बागान श्रमिकों की बदहाली का मुद्दा

अनुप्रिया पटेल ने दिया जवाब

ढुबरी, 8 फरवरी (एजेंसियां)। असम के ढुबरी लोकसभा सीट से एआईयूडीएफ सांसद बदरुद्दीन अजमल ने चाय बागान श्रमिकों की बदहाली का मुद्दा उठाया. चाय बागान श्रमिकों के मुद्दे पर सवाल का जवाब देते हुए वाणिज्य और उद्योग राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने सरकार की ओर से असम की चाय को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के लिए किए गए प्रयास गिनाए. उन्होंने ये भी कहा कि श्रमिकों से जुड़े ये मसले राज्य सरकार के तहत आते हैं और इन मसलों को लेकर टी बोर्ड काम कर रहा है. अनुप्रिया पटेल ने पीएफ और अन्य विषयों पर कहा कि असम का अपना कानून है. हम वहां की सरकार से बात करेंगे. पश्चिम बंगाल के कोलकाता उत्तर से टीएमसी के सांसद सुदीप बंदोपाध्याय ने भी चाय बागानों के हालात का मुद्दा उठाया. उन्होंने कहा कि चाय बागान श्रमिकों की हालत वास्तव में बहुत खराब है. उन्होंने कहा कि टी बोर्ड के अधिकतर कर्मचारियों का इधर-उधर तबादला कर दिया गया है. टीएमसी सांसद के सवाल का जवाब देते हुए अनुप्रिया पटेल ने कहा कि आपने जो चाय बागान श्रमिकों के लिए राशन, रहने के इंतजाम और अन्य सुविधाओं का मुद्दा उठाया है, वह राज्य सरकारों का विषय है. केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने ये भी कहा कि केंद्र सरकार जब ये देखती है कि कोई बागाना लगातार तीन साल या उससे अधिक समय से घाटे में है तो उसकी जांच जरूर कराई जाती है. केरल के इडुक्की से कांग्रेस सांसद डीन कुरियोकास ने भी चाय को लेकर सवाल किए. इसके जवाब में अनुप्रिया पटेल ने साफ किया कि केरल के लिए किसी तरह के स्पेशल पैकेज का कोई प्रस्ताव हमें विचार के लिए नहीं मिला है. उन्होंने ये भी कहा कि पहले देश में सभी के सभी टी इस्टेट केवल पश्चिम बंगाल में थे जिन्हें राज्य सरकार ने बाद में रिवाइज भी किया था.

बनने से पहले ही डूब गई तीसरे मोर्चे की लुटिया!

2024 में किसके बीच कड़ा मुकाबला, सर्वे ने खोला राज

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 में अभी एक साल का समय बाकी है, लेकिन राजनीतिक दलों की तैयारियां जोरों पर हैं. आगामी आम चुनाव में भी बीजेपी और कांग्रेस को एक-दूसरे के प्रतिद्वंदी के तौर पर देखा जा रहा है. वहीं, गैर-बीजेपी और गैर कांग्रेस दलों का तीसरा मोर्चा भी खुद को मजबूत करने की कोशिश में जुटा हुआ है. इस बीच सामने आए सीवोटर और एक सर्वे में तीसरे मोर्चे की लुटिया अभी से डूबती नजर आ रही है. बीते महीने ही तेलंगाना के सीएम केसीआर के मंच पर अरविंद केजरीवाल, भगवंत मान, पिनराई विजयन और अखिलेश यादव जैसे नेताओं की मौजूदगी में एक तीसरा मोर्चा बनाने की भी कवायद शुरू हो चुकी है. हालांकि, सर्वे में तीसरा मोर्चा का ग्राफ लोकसभा चुनाव 2014 की तुलना में जमीन पर आ चुका है. 2024 के आम चुनाव में अन्य को 39 फीसदी वोट शेयर मिला था. वहीं, हालिया सर्वे में ये महज 27 फीसदी ही बचा है.

लगातार गिर रहा तीसरे मोर्चा का वोट शेयर

2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस की तुलना में अन्य को 39 फीसदी वोट शेयर मिला था. बीजेपी नीत एनडीए को 38 फीसदी और कांग्रेस नीत यूपीए को 23 फीसदी वोट शेयर मिला था. जो सीवोटर और इंडिया टुडे के इस साल जनवरी में आए सर्वे में घटकर 27 फीसदी ही रह गई है. बीते साल जनवरी में आए इसी सर्वे में अन्य के खाते में 32 फीसदी वोट शेयर जाता दिखाई पड़ा रहा था. उसी साल अगस्त के सर्वे में इसमें एक फीसदी की गिरावट दर्ज की गई.

सीटें भी बचा पाने में कामयाब नहीं हो पा रहा तीसरा मोर्चा!

तीसरा मोर्चा की कवायद 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले से ही की जा रही है. हालांकि, ये मूर्तरुप में नहीं आ सका. वैसे, 2024 के लोकसभा चुनाव में अन्य के खाते में 148 सीटें और कांग्रेस को महज 59 सीटें मिली थीं. वहीं, बीजेपी ने 336 सीटों पर कब्जा जमाया था. वहीं, हालिया सर्वे की बात करें तो अन्य के खाते में सिर्फ 92 लोकसभा सीटें ही जाती नजर आ रहा हैं. देखा जाए, तो अन्य को 56 सीटों का सीधा नुकसान हो रहा है.

बीजेपी और कांग्रेस को हुआ सीधा फायदा

अन्य पार्टियों को मिलने वाला ये वोट शेयर सीधे तौर पर कांग्रेस और बीजेपी के खाते में ही जाता दिखाई पड़ रहा है. हालांकि, ताजा सर्वे में बीजेपी को 2 और कांग्रेस को 3 फीसदी वोटों का फायदा नजर आ रहा है. बीते साल जनवरी के सर्वे में बीजेपी को 41 फीसदी और कांग्रेस को 27 फीसदी वोट शेयर मिला था.

महाराष्ट्र: आदित्य ठाकरे के काफिले पर पथराव

शिव संवाद यात्रा के दौरान औरंगाबाद में हुआ हंगामा

मुंबई, 8 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे के काफिले पर पथराव के आरोप लगे हैं। आदित्य ठाकरे शिव संवाद यात्रा के दौरान वैजापुर के महलगांव में एक जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे। इस दौरान उनकी जनसभा के दौरान हंगामा हुआ और जब आदित्य ठाकरे कार्यक्रम से जा रहे थे तो उनके काफिले पर पथराव भी हुआ। कुछ लोगों ने आदित्य ठाकरे की गाड़ी के सामने आकर रास्ता रोकने की भी कोशिश की और नारेबाजी भी की। विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने बताया कि जनसभा के दौरान भी पत्थर फेंके गए। जब आदित्य ठाकरे जनसभा को संबोधित कर जा रहे थे, तब भी उनके काफिले पर कुछ पत्थर फेंके गए। लोगों की भीड़ स्थानीय विधायक रमेश बोरनारे के समर्थन में नारेबाजी कर रही थी। दानवे ने कहा कि यह दो गुटों के बीच झड़प कराने की असामाजिक तत्वों की कोशिश थी। अंबादास दानवे ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र के डीजीपी को पत्र लिखकर आदित्य ठाकरे की सुरक्षा में हुई चूक की जानकारी दी है। दानवे ने मामले को गंभीर बताते हुए डीजीपी से औरंगाबाद की घटना की जांच कराने और जरूरी कदम उठाने की मांग की है। हालांकि पुलिस का कहना है कि कोई पथराव नहीं हुआ और सिर्फ नारेबाजी की घटना हुई। बताया जा रहा है कि रमा माता की जयंती थी। इसके तहत महलगांव में एक रैली निकाली गई थी, जिसमें डीजे बज रहा था। जहां से रैली निकाली जा रही थी, वहां आदित्य ठाकरे की सभा का आयोजन हो रहा था।

इसी दौरान कुछ लोगों ने आदित्य ठाकरे की सभा के बाहर पुलिस प्रशासन और आदित्य ठाकरे के खिलाफ जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। इस पर पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर किया। इसके बाद गुस्साई भीड़ ने आदित्य ठाकरे के काफिले को रोकने की कोशिश की और इसी दौरान आरोप लगा कि काफिले पर पथराव भी किया गया।

8.5 लाख रुपये रिश्वत लेते बीएमसी कर्मचारी गिरफ्तार

मुंबई, 8 फरवरी (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बांद्रा चॉल में अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के लिए कथित रूप से 8.5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए नागरिक भवन और कारखानों विभाग के एक सब-इंजीनियर को गिरफ्तार किया. अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तारी की गई और बीएमसी इंजीनियर की पहचान मोहन राठौड़ के रूप में हुई है. अधिकारियों ने बताया कि उसके सहयोगी मोहम्मद रजा खान को भी गिरफ्तार किया गया है. एसीबी के मुताबिक, शिकायतकर्ता का बांद्रा वेस्ट के चैपल रोड में ग्राउंड प्लस टू हाउस है. 16 जनवरी को शिकायतकर्ता को कथित अवैध निर्माण के बारे में बीएमसी का नोटिस मिला. उन्होंने कहा कि उन्होंने नौ फरवरी को वार्ड कार्यालय का दौरा किया, जहां राठौड़ ने कार्रवाई नहीं करने के लिए नौ लाख रुपये की मांग की. उसने एसीबी से संपर्क किया, जिसने जाल बिछाकर दोनों को दबोच लिया. अधिकारियों ने बताया कि खान को राठौड़ के कथित निर्देश पर शिकायतकर्ता से 8.50 लाख रुपये लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया था.

ट्रक ने मारी टक्कर, सही सलामत बचा युवक

तुमकुर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। 'जाको राखे साईंया मार सके ना कोय', यह कहावत कर्नाटक में हुए एक सड़क हादसे पर बिल्कुल फिट बैठती है. दरअसल, कर्नाटक के तुमकुर जिले के कुनिगल तालुक में मंगलवार को हुए भीषण हादसे में एक युवक बाल-बाल बच गया.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: अपनी उर्जा को चिंता करने में खत्म करने से बेहतर है, इसका उपयोग समाधान ढूंढने में किया जाए।

इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : केटीआर

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने बुधवार को यहां कहा कि तेलंगाना इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसका उद्देश्य भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है। चल रहे हैदराबाद ई-मोबिलिटी वीक के हिस्से के रूप में हैदराबाद ई-मोटर शो के पहले संस्करण के लॉन्च पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि तेलंगाना स्थिरता और स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने में सबसे आगे रहा है। हम दृढ़ता से मानते हैं कि भारत इलेक्ट्रिक वाहनों और इसकी आपूर्ति श्रृंखला के निर्माण के लिए एक केंद्र के रूप में विकसित होने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है। तेलंगाना राज्य पारिस्थितिक तंत्र के विभिन्न घटकों जैसे सेल निर्माण, सेल घटक निर्माण, बैटरी स्वैपिंग स्टेशन, 2-पहिया, 3-पहिया और बसों में ईवी निर्माण और लिथियम को परिष्कृत करने की दिशा में कदम उठाने के लिए एक व्यापक रणनीति अपना रहा है।

हैदराबाद भारत में उन्नत ऑटोमोटिव तकनीकों के विकास में अग्रणी है, जिसमें उन्नत ड्राइवर-सहायता प्रणाली, डिजिटल कॉकपिट समाधान, वाहन-टू-एवरीथिंग कनेक्टिविटी और ऑटोमोटिव साइबर सुरक्षा शामिल है। आने वाले वर्षों में, हैदराबाद ई-मोटर शो ऑटोमोबाइल कंपनियों के लिए अपने अगली पीढ़ी के ईवी मॉडल लॉन्च करने और प्रदर्शित करने के लिए अग्रणी मंच साबित होगा।

विष्णु वर्धन रेड्डी, विशेष सचिव, निवेश प्रोत्साहन और बाहरी जुड़ाव, तेलंगाना ने कहा कि तेलंगाना में इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स और एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल मैन्युफैक्चरिंग के निदेशक सुजय करमपुरी ने कहा कि हैदराबाद अब प्रतिष्ठित फॉर्मूला ई रेस की मेजबानी करने वाले वैश्विक शहरों में से एक है। उन्होंने हैदराबाद ई-मोटर शो के उद्घाटन संस्करण में वैश्विक भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की।

विवादास्पद टिप्पणी को लेकर तेलंगाना कांग्रेस प्रमुख के खिलाफ शिकायत दर्ज

रेवंत रेड्डी के खिलाफ डीजीपी अंजनी कुमार से शिकायत करते हुए बीआरएस पार्टी एमएलसी पल्ला राजेश्वर रेड्डी, एल. रमणा व अन्य।

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं ने बुधवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और सत्तारूढ़ दल ने तेलंगाना कांग्रेस के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी के मुख्यमंत्री के बारे में उनकी टिप्पणी को लेकर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। श्री रेड्डी ने कहा था कि भले ही माओवादी मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास को विस्फोटकों से उड़ा दें, इसका बहुत कम परिणाम होगा क्योंकि यह लोगों के लिए किसी काम का नहीं है। शिकायतें मुलुगु और नरसमपेट पुलिस स्टेशनों में दर्ज की गईं। बीआरएस नेताओं ने संदेह जताया कि रेवंत रेड्डी की टिप्पणी के पीछे कोई साजिश हो सकती है। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के जीवन को खतरे में डालने की साजिश के तहत माओवादियों को प्रगति भवन को उड़ाने का आह्वान किया। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को हाथ से हाथ जोड़ो पदयात्रा के दौरान मुलुगु जिले में विवादास्पद टिप्पणी की थी। रेवंत रेड्डी, जो लोकसभा के सदस्य भी हैं, ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री केसीआर लोगों के संकट के प्रति उदासीन हैं, क्योंकि उन्हें प्रगति भवन की दीवारों से घेर लिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि अगर माओवादी प्रगति भवन को उड़ा भी देते हैं, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि यह लोगों के लिए किसी काम का नहीं है। उन्होंने कहा कि सौ करोड़ रुपये से बने ढांचे का क्या फायदा जब मुख्यमंत्री जब तक अंदर हैं, जनता की पीड़ा के प्रति उदासीन हैं? अगर यह जनता के लिए किसी काम का नहीं है। यह आरोप लगाते हुए कि प्रगति भवन के निर्माण के लिए जनता के करोड़ों रुपये खर्च किए गए, उन्होंने पूछा कि प्रगति भवन केसीआर परिवार का घर क्यों है। इस बीच, बीआरएस ने भी रेवंत रेड्डी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं से विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता के पुतले जलाने का आह्वान किया है। बीआरएस विधायक पी. सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि बुधवार को नरसमपेट निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी के पुतले जलाए जाएंगे और प्रदर्शनकारी उनके अंतिम संस्कार का नकली जुलूस भी निकालेंगे। बीआरएस नेता ने कहा कि एक सांसद द्वारा प्रगति भवन को उड़ाने की मांग निंदनीय है।

उन्होंने कहा कि माओवादियों पर प्रतिबंध लगाने वाली कांग्रेस पार्टी को अपने ही नेता के उस बयान का जवाब देना चाहिए जिसमें माओवादियों को मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास को उड़ाने के लिए कहा गया है। विधायक ने मांग की कि रेवंत रेड्डी के खिलाफ प्रिवेंटिव डिटेंशन (पीडी) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए और उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए। सुदर्शन रेड्डी ने कांग्रेस पार्टी से रेवंत रेड्डी को सांसद पद से हटाने और उन्हें पार्टी से निलंबित करने की भी मांग की।

राजेश्वर रेड्डी ने रेवंत रेड्डी की आलोचना की

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सत्ताधारी बीआरएस पार्टी एमएलसी पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने आज टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी पर जमकर निशाना साधा और नवनिर्मित राज्य सचिवालय और नवनिर्मित जिला कलेक्टर कार्यालयों के खिलाफ उनकी टिप्पणियों की निंदा की।

पार्टी एमएलसी एल. रमणा के साथ शहर में राज्य विधान परिषद मीडिया प्वाइंट पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने मुलुगु जिले के विकास और जिले में एक आदिवासी विश्वविद्यालय की स्थापना पर रेवंत की टिप्पणियों को भी गलत बताया। उन्होंने इसे चालाकी से बताया कि राज्य सरकार ने मुलुगु जिले में आदिवासी विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए 340 एकड़ जमीन आवंटित की थी और कहा कि उन्होंने विश्वविद्यालय के लिए अस्थायी भवन भी बनाए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता सिर्फ अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भाजपा नेताओं और केंद्र सरकार के झूठ को दोहरा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत भाजपा के वफादार के तौर पर काम कर रहे हैं।

एनसीसी कैडेटों ने स्वयंकृषि न्यू कैंपस का दौरा किया

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वयंकृषि, वर्ष 1991 में स्थापित एक स्वैच्छिक संगठन है और सिकंदराबाद, तेलंगाना में स्थित है। यह देश में अपनी तरह का एकमात्र संस्थान है और समाज/समुदाय में विकासात्मक चुनौतियों के साथ वयस्कों को शामिल करने के बारे में जागरूकता बढ़ाने और आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है। यह विकासात्मक/बौद्धिक अक्षमताओं वाले वयस्कों के पुनर्वास, शिक्षा और एकीकरण के लिए समर्पित है। इसका उद्देश्य विकलांग व्यक्तियों और उनके तत्काल समुदाय के बीच सहजीवी संबंध बनाना और विकसित करना है।

इससे समुदाय और विकलांग व्यक्तियों के बीच मौजूदा सामाजिक और भावनात्मक खाई को पाटने में मदद मिली है। वर्तमान में, इसमें 6 से 60 आयु वर्ग के 78 लोगों को रखा गया है। उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्क्रीन प्रिंटिंग, टेलरिंग, पेपर लिफाफा बनाने, जूट बैग बनाने और कई अन्य विधाओं में व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 1 तेलंगाना आर्टिलरी बैटरी एनसीसी के कैडेटों और कर्मचारियों ने स्वयंकृषि न्यू कैंपस, चेन्नापुर का दौरा किया। जहां मानसिक रूप से विकलांग रहते है। कैडेटों ने उनसे बातचीत की और उन्हें वेट ग्राइंडर, राशन और अन्य आवश्यक सामान भेंट किया। इस कार्यक्रम में 1 आर्टिलरी बैटरी एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल रमैया के साथ एनसीसी ग्रुप मुख्यालय हैदराबाद के ग्रुप कमांडर कर्नल अनिल कुमार ने भी भाग लिया।

टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष का सरकार से सवाल

अगर सरकारों को जांच एजेंसियों पर भरोसा नहीं, तो आम जनता का क्या?

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी. निरंजन ने आज पूछा कि अगर सरकार में बैठे लोगों को जांच एजेंसियों पर भरोसा नहीं है, तो आम जनता का क्या होगा? यहां गांधी भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए निरंजन ने कहा कि के चंद्रशेखर राव सरकार ने मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली उच्च न्यायालय की खंडपीठ के फैसले को एकल न्यायाधीश पीठ के फैसले को बरकरार रखते हुए लिया है, जिसने एसआईटी जांच को रद्द कर दिया था और विधायक खरीद फरोख्त मामले को सीबीआई को स्थानांतरित कर दिया था। केसीआर सरकार ने इस मामले में हस्तक्षेप के लिए कल सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, जिसने देश में जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता को प्रभावित किया।

यह जांच एजेंसियों के प्रदर्शन में भरोसे की कमी को दर्शाता है। क्या गारंटी है कि राज्य पुलिस, निगरानी एजेंसियां, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो और राज्य सरकार के विभिन्न विभाग निष्पक्ष और निष्पक्ष रूप से काम करते हैं? इसी तरह केंद्रीय एजेंसियों की प्रतिबद्धता और ईमानदारी भी सवालों के घेरे में है? राज्य सरकार उच्च न्यायालय के आदेश के निष्पादन के लिए तीन सप्ताह का समय क्यों मांग रही थी? क्या यह फाइलों में हेरफेर करने के लिए है? एसआईटी या सीबीआई की जांच में दरार जनहित का मामला है या राजनीतिक मुद्दा? चूंकि यह मामला जनता के हित में नहीं है और जनता को किसी भी तरह से लाभ नहीं पहुंचाता है, राज्य सरकार को राज्य के महाधिवक्ता को दरकिनार क्यों करना चाहिए और शुल्क के रूप में लाखों रुपये का भुगतान करके एक वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे को दिल्ली से लाने का विकल्प चुनना चाहिए।

दिल्ली से एक वकील को बड़ी रकम देकर लाने से लोगों को क्या फायदा होगा? केंद्र और राज्यों में शासन करने वाले राजनीतिक दलों को अपना रवैया बदलना चाहिए और केंद्र और राज्य में जांच एजेंसियों की प्रतिष्ठा और अखंडता को बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए।

कुएं में कूदने से महिला व बेटी की मौत

संगारेड्डी, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। न्यालकल मदल के रामतीर्थम गांव में बुधवार को एक महिला ने कथित तौर पर अपनी नौ साल की बेटी को कुएं में कूदने से पहले धक्का दे दिया. मां-बेटी दोनों की मौत हो गई। 38 वर्षीय महिला, पुण्यम्मा ने कथित तौर पर अपने पांच वर्षीय बेटे रामू को भी कुएं में धकेलने की कोशिश की थी, लेकिन वह भागने में सफल रहा। पुलिस के मुताबिक, रामू द्वारा पड़ोसियों को सूचना दिए जाने के बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुण्यम्मा और उनकी बेटी संगीता को बचाने की कोशिश की। हालांकि, तब तक उनकी मौत हो गई थी। उनके शवों को कुएं से निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए ज़हीराबाद सरकारी अस्पतालमें स्थानांतरित कर दिया गया। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि घटना के पीछे पारिवारिक विवाद हो सकता है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I,NIKHAT SULTANA, R/o.19-4-418/1/12, Bahadurpura, Behind Metro Theatre, Hyd-64, have to Change Name As NIKHATH SULTANA W/o.KHALID BIN FARAJ MISRI.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

आत्महत्या मामला : म्युनिसिपल कमिश्नर सहित पांच रिश्तेदार गिरफ्तार

मंचेरियल, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नगर आयुक्त नल्लामाला बाला कृष्णऔर उनके परिवार के पांच सदस्यों को उनकी पत्नी ज्योति की आत्महत्या में कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया है। मंचेरियल सब-इंस्पेक्टर एन. सुगुनकर ने कहा कि बालाकृष्ण, उनकी मां कन्नम्मा, भाई हरिकृष्णा, बहन कृष्णा कुमारी, चाची लक्ष्मी और रिश्तेदार ज्योति को हिरासत में ले लिया गया है। उन्होंने कहा कि शाम तक उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। इससे पहले ज्योति की मां जयम्मा ने बाला कृष्ण और पांच अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उसकी शिकायत के आधार पर, छह लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) और 498 ए (घरेलू हिंसा) के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच-पड़ताल की गई। बाला कृष्ण और ज्योति दोनों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए। इस बीच, ज्योति का शव पोस्टमार्टम के बाद उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। उन्होंने कहा कि वे आयुक्त के आवास के सामने शव रखकर धरना देंगे और उनकी करतूतों का पर्दाफाश करेंगे। गौरतलब है कि ज्योति (32) मंगलवार दोपहर को मंचेरियल में आदित्य एन्क्लेव कॉलोनी के एक अपार्टमेंट में अपने बेडरूम में लटकी पाई गई।

सीपी ने एचसीएससी को मेगासिटी पुलिसिंग योजना से अवगत कराया

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर सुरक्षा परिषद (एचसीएससी) के मानद अध्यक्ष, शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने रणनीतिक कनेक्शन और नेटवर्किंग के माध्यम से मौजूदा सदस्यों और बोर्ड के नए सदस्यों को प्रोत्साहित करने के लिए एचसीएससी सदस्यता बैठक की अध्यक्षता की। सीपी आनंद ने अपने संबोधन में सभी सदस्यों से नए विचारों और ऊर्जा के साथ आगे आने का आग्रह किया और उन्हें राज्य सरकार द्वारा जनसंख्या, आर्थिक विकास की तीव्र वृद्धि की जरूरतों को पूरा करने के लिए शुरू की गई मेगासिटी पुलिसिंग योजना से अवगत कराया। तेलंगाना तेलंगाना नारकोटिक्स ब्यूरो और साइबर सुरक्षा ब्यूरो को नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और साइबर अपराध के खतरे को दूर करने के लिए मंजूरी देने वाला एकमात्र राज्य है और तीन आयुक्तों में बेहतर पुलिसिंग और पुलिसिंग में सुधार के लिए 4000 अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को भी मंजूरी दी है और कैसे राज्य सरकार 'शांति और कानून व्यवस्था आर्थिक विकास लाती है' के प्रतिमान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एचसीएससी में एंटी-नारकोटिक्स फोरम शुरू किया जा सकता है। उन्होंने एचसीएससी गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने और बढ़ाने के लिए धन के प्रवाह में सुधार के लिए सभी कॉरपोरेट्स तक पहुंचने के लिए सीएसआर फोरम स्थापित करने के लिए तत्काल स्वीकृति प्रदान की। इस अवसर पर एचसीएससी टीम द्वारा महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और सड़क सुरक्षा पर जागरूकता वीडियो बनाए गए। चैतन्य, महासचिव-एचसीएससी ने अपने स्वागत भाषण में सदस्यों को महिलाओं, साइबर, यातायात और शारीरिक सुरक्षा जैसे कई मंचों और उनमें से प्रत्येक द्वारा की जा रही गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। एआर श्रीनिवास, अतिरिक्त सीपी (अपराध और एसआईटी), संयोजक परिषद ने उपस्थित लोगों को महामारी से प्रभावित वर्षों के दौरान परिषद द्वारा किए गए अच्छे कार्यों से अवगत कराया। बैठक के दौरान अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ मंचों का सहज एकीकरण, सामान्य उद्देश्यों को सरेखित करना, एक मजबूत एचसीएससी सचिवालय की आवश्यकता, एचसीएससी के दायरे में वेबिनार और हैकथॉन आयोजित करना और अन्य प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। बाद में सभी उपस्थित लोगों ने टीएसपीआईसीसीसी भवन का दौरा किया और आपदा प्रबंधन केंद्र, संग्रहालय, हैदराबाद शहर पुलिस आयुक्तालय आदि सहित प्रमुख वर्गों का दौरा किया। मुजाहिद आलम, भास्कर रेड्डी, श्रवण कुमार, राजशेखर रेड्डी, श्रीमती ख्याति, रामकृष्ण राव, सतीश बाबू, श्रीमती सुप्रिया, गीता गोटी, सुरेश कुमार और अन्य सदस्य बैठक में शामिल हुए।

चार युवकों ने नाबालिग लड़की से किया गैंगरेप

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी पुलिस के चंद्रायनगुट्टा थाना क्षेत्र में में एक नाबालिग लड़की को चार युवकों ने कथित तौर पर बंधक बनाकर रखा, बेहोश किया और उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। बुधवार को सामने आई घटना में चंद्रयानगुट्टा में अपने परिवार के सदस्यों के साथ रहने वाली 16 वर्षीय किशोरी चार फरवरी को पास की एक फार्मेसी से दवा लेने गई थी। वहां एक अज्ञात महिला ने उससे संपर्क किया, जिसने उसे वही दवा रियायती कीमत पर दिलाने के झांसे में ले लिया। सूत्रों ने कहा कि महिला तब लड़की को कांदिकल गेट ले गई, जहां उसने कथित तौर पर उसे चार युवकों को सौंप दिया, जो नशीले पदार्थों के प्रभाव में थे। जब उन्होंने नाबालिग लड़की के साथ दुर्व्यवहार किया तो वह रोने लगी। फिर चारों युवकों ने उसे कमरे में बंद कर कथित तौर पर तेज आवाज में म्यूजिक सिस्टम लगा दिया ताकि आवाज बाहर न जा सके। बाद में उसे जबरन नशीला पदार्थ मिलाकर शीतल पेय पिलाया। जब वह नशे में हो गई तो युवकों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद वे उसे मौके पर छोड़कर फरार हो गए। लड़की नशे की हालत से बाहर निकलने के बाद अगले दिन सुबह घर पहुंच गई। लड़की ने अपनी मां को इस बारे में बताया और उसके माता-पिता की शिकायत के आधार पर चंद्रायनगुट्टा पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच कर रही है। युवकों और महिला की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। बच्ची को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा गया।

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.

अग्रसेन बैंक

HEAD OFFICE : 15-2-391/392/1, SIDDIAMBER BAZAR, HYDERABAD - 500 012

Email : info@agrasenbank.in Website : www.agrasenbank.in

NOTICE

Notice is hereby given that the 2nd General Body Meeting of the Shareholders of the Bank for the financial year 2022-2023, will be held on **Sunday, 26th February, 2023** at **FTCCI Surana Auditorium, FTCCI House, Red Hills, Hyderabad-500 004, T.S.** at 11:00 A.M to transact the following items of the Agenda :

1. To review the membership and attendance of the Committee members for the period from 01-08-2022 to 31-01-2023.
2. To approve admission of members, allotment of additional shares, transfer of shares, withdrawal and refund of Share Capital made during the period from 01-08-2022 to 31-01-2023.
3. To approve investments / withdrawals made during the period from 01-08-2022 to 31-01-2023.
4. To review all overdue loans and loans covered under legal action.
5. To consider any other matter with the permission of the Chair.

All the Shareholders are requested to attend the 2nd General Body Meeting, on the day, time and place herein mentioned above.

By order of the Board of Directors
Sd/-
General Manager

Place : HYDERABAD
Date : 09-02-2023

NOTE :

1. All documents referred to in the Notice are open for inspection at the Registered Office of the Bank on all working days between 12.00 noon to 4.00 p.m. till 24-02-2023 with prior notice.

बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मियों को मिला इनाम

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद सीपी स्टीफन रवींद्र ने साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत बालनगर जोन में बचुपल्ली पुलिस स्टेशन के पुलिस कर्मियों को उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित और सम्मानित किया।

साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट थाना अंतर्गत बालानगर जोन में बीते रविवार 5 फरवरी 2023 को गांजा बेचने वाले गिरोह को गिरफ्तार करने व 41 किलो सूखा गांजा जब्त करने में अहम भूमिका निभाने वाले बालानगर डीसीपी डीसीपी टी. श्रीनिवास राव, कुकटपल्ली एसीपी चंद्रशेखर, बचुपल्ली सीआई नरसिम्हा रेड्डी, एसएसआई सैनाध, कांस्टेबल राजू, राजेश कुमार, कनकैया और हरिलाल को सीपी द्वारा सम्मानित किया गया।

हार्दिक श्रद्धांजलि

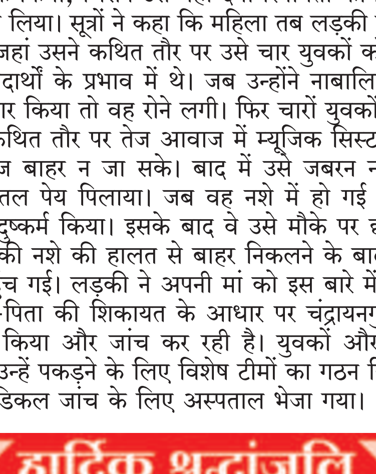

श्रीमान् शाह फूलचन्दजी बागरेचा

(मयुर वॉच कम्पनी, लख्मी टाईम्स्-हैदराबाद)

:सुपुत्र: स्व.श्री हजारीमलजी बागरेचा

॥ स्वर्गवास: 02.02.2023 ॥

पल भर मे छोड़ गये दुनिया, हम देखते ही रह गये।
कब, क्यों और कैसे हुआ, हम सोचते ही रह गये॥

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :

सीरवी दिलीप पंवार

Raga Watch Co.- ECIL
Mohit Watch Co.- Kompally
Mobile: 9014524444

P.Solankey

लखनऊ का नाम बदलने की मांग

बीजेपी सांसद संगम लाल गुप्ता ने लिखा पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र

प्रतापगढ़, 8 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अभी तक जिलों के नाम बदलने की सियासत हो रही थी. इसके चलते यूपी सरकार के पहले कार्यकाल में कई जिलों के नामों को बदलने का प्रस्ताव आया और कई स्थानों के नाम बदले भी गए. सरकार के दूसरे कार्यकाल में भी कई स्थानों के नाम परिवर्तित किए गए. लेकिन, इसी बीच बीजेपी के एक सांसद ने राजधानी लखनऊ का ही नाम बदलने की मांग उठा दी. दरअसल, प्रतापगढ़ से बीजेपी के सांसद संगम लाल गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र लिखते हुए उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ का नाम बदलने की मांग की है. उन्होंने लखनऊ को अब लक्ष्मणपुरी करने की मांग की है. उनका कहना है कि पहले लखनऊ का नाम लखनपुरी था. उन्होंने लिखा कि मुगलों ने नाम बदला था. देश की पहचान आतताई मुगल नहीं, बल्कि रामायण है. बीजेपी सांसद संगम लाल गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ जिसे स्थानीय मान्यता के अनुसार, त्रेतायुग में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने बतौर अयोध्या नरेश श्री लक्ष्मण जी को भेंट दिया था और उसी कारण उसका नाम लखनपुर और लक्ष्मणपुर रखा गया था. लेकिन, कालांतर में 18वीं शताब्दी में नवाब आसफुद्दौला ने उसका नाम परिवर्तित कर लखनऊ रख दिया था और उसी परंपरा में लखनऊ चला आ रहा है.

बिहार में भागवत को पाक आतंकियों से खतरा

10 फरवरी को आ रहे हैं भागलपुर, पुलिस का अलर्ट; नक्सलियों से भी डर

भागलपुर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। एसएसपी प्रमुख मोहन भागवत के बिहार दौरे को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। 10 फरवरी को मोहन भागवत भागलपुर आ रहे हैं। यहां वो कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। उनके दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जा रही है। पुलिस मुख्यालय से डीएम, एसएसपी और नवगछिया एसपी को अलर्ट रहने को कहा है। दौरे को लेकर आरएसएस प्रमुख पर आतंकी खतरा बताया गया है। इसमें नक्सली और पकिस्तान समर्थित आईएसआई सहित अन्य आतंकी संगठन से खतरा बताया है। उनके दौरे को लेकर विशेष रूप से सुरक्षा बढ़ाने को कहा गया है। इसको लेकर एसएसपी आनंद कुमार ने बताया कि हमने सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए हैं। सीसीटीवी के जरिए

कार्यक्रम स्थल की निगरानी की जाएगी। इसको लेकर एसएसपी ने कुप्पा घाट का निरीक्षण भी किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में आने वाले सभी लोगों की जांच बारीकी से की जाएगी।

10 फरवरी को पहुंचेंगे मोहन भागवत

10 फरवरी को संघ प्रमुख मोहन भागवत योग गुरु स्वामी रामदेव, आचार्य किशोर कुणाल समेत कई लोग भागलपुर आ रहे हैं। भागवत कुप्पा घाट के महर्षि मेंहीं परमहंस महराज के निवास स्थल का लोकार्पण करेंगे साथ ही डॉक्यूमेंट्री का पोस्टर जारी करेंगे। इसको लेकर अखिल भारतीय सन्त मत महासभा और जिला प्रशासन की ओर से तैयारियां जोर शोर से की जा रही है। महासभा के महामंत्री दिव्य प्रकाश ने बताया कि सद्गुरु निवास स्थल की जीर्ण शीर्ण स्थिति थी इसका जीर्णोद्धार किया गया था। लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में 10 फरवरी को संघ प्रमुख मोहन भागवत जी, स्वामी रामदेव जी समेत कई अधिकारी पहुंचेंगे। महासभा द्वारा तैयारियां की जा रही है।

महर्षि मेंहीं के तपस्या स्थल के दर्शन करेंगे

अतिथि सबसे पहले दीप प्रज्ज्वलित करेंगे फिर सद्गुरु निवास स्थल का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद महर्षि मेंहीं के तपस्या स्थल भव्य गुफा के दर्शन करेंगे, उसके बाद डॉक्टर मोहन भागवत का उद्बोधन होगा।

गिरफ्तार बांग्लादेशी हिंदी सीखने के लिए देखते थे टीवी

आगरा में 200 घुसपैठियों की अब भी तलाश

आगरा, 8 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में बस्ती बसाकर रह रहे 16 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया गया है. इसके बाद से केंद्रीय एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं. गिरफ्तार बांग्लादेशियों ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है. उन्होंने बताया है कि वह भारत में रहने के लिए हिंदी बोलना और समझना सीख रहे थे. इसके लिए वह टीवी पर हिंदी फिल्म और सीरियल देखा करते थे. खुफिया एजेंसियों को इनपुट मिला है कि आगरा में करीब 200 बांग्लादेशी रह रहे हैं. ये सभी अवैध तरीके से भारत आए हैं. अब इनकी तलाश की जा रही है. हालांकि, इनका कुछ अता-पता नहीं चल रहा है. वहीं, कुछ पाकिस्तानियों के रहने की भी बात सामने आई है. इससे पहले चार पाकिस्तानी नागरिकों ने भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन किया था, लेकिन अब वह भी गायब बताए जा रहे हैं. वहीं, ये भी बताया जा रहा है कि भारत में बांग्लादेशियों को घुसपैठ कराने वाले का नाम हालिम है. वह बांग्लादेश के जिला बरौरहट का रहने वाला है. वह अस्पतालों में जाकर मेडिकल कचरा उठाने का काम करता था. वह सिकंदरा स्थित एक हॉस्पिटल में नौकरी करता था. वह कुछ साल पहले कैलाश मोड़ के पास किराये पर घर लिया था. फिर वह अपनी पत्नी के साथ पकड़ा गया. हालांकि, उनके पास भारत आने का वीजा -पासपोर्ट था. इसलिए पुलिस को उनको छोड़ना पड़ा. इससे पहले साल 2022 में भारत-बांग्लादेश की सीमा पर उत्तर 24 परगना जिले में सीमा सुरक्षा बल की 68 वीं वाहिनी की सीमा चौकी जीतपुर के जवानों ने पांच महिला और एक बच्चे को गैर कानूनी रूप से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने के दौरान हिरासत में लिया था.

मोहन भागवत के बयान पर राकेश टिकैत की तीखी प्रतिक्रिया

बोले- आपस में लड़ाने का काम कर रहे हैं...

मुजफ्फरनगर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन का अनिश्चितकालीन धरना चल रहा है। बीते मंगलवार को धरने में बीकेयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत आए और उन्होंने जमकर सियासी निशाने साधे। वहीं इस दौरान उन्होंने मोहन भागवत के बयान पर भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। राकेश टिकैत ने कहा कि देश की जनता अभी समझ रही है, लेकिन यह तो पिछले कई सालों से यही काम कर रहे हैं। ये कई सालों से आपस में लड़ाने का काम कर रहे हैं। टिकैत ने कहा मोहन भागवत की बात पूरा देश सुनता है लेकिन अब वो ही अपने बयान को लेकर विवादों में हैं। उन्होंने कहा कि जिस देश का राजा ऐसा हो जो देश में दंगा कराना चाहता हो जाति और धर्म के नाम पर लोगों को लड़ाना चाहता हो तो उस देश का क्या होगा। इसके साथ ही राकेश टिकैत ने कहा कि ये चाह रहे हैं कि देश की जनता आपस में लड़े। देश में दंगे हो। नागपुर से लेकर दिल्ली तक ये एक ही गैंग हैं इनका। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी द्वारा सीएम योगी को लेकर दिए गए बयान पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि 2023 में ये एक दूसरे में धार्मिक झगड़े कराएंगे। इसलिए 2023 में बच के रहना। वहीं इस दौरान भाजपा पर हमलावर होते हुए टिकैत ने कहा कि ये कई सालों से आपस में लड़ाने का काम कर रहे हैं। यह चाह रहे हैं कि देश की जनता आपस में लड़े। पहले उन्होंने कहा कि 15 लाख रुपए देंगे। मगर ये 5 किलों गेहूं पर ले आए। फिर ये गेंहू भी कभी 3 महीने देंगे तो कभी 6 महीनें देंगे। अब जनता 15 लाख भूल गई। भारतीय किसान यूनियन के अनिश्चितकालीन धरने को रालोद विधायकों ने समर्थन दिया। हजारों समर्थकों के साथ जीआईसी मैदान पहुंचे रालोद विधायकों ने कहा कि किसान के अधिकारों की लड़ाई में वह भारतीय किसान यूनियन के साथ हैं। रालोद कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में गन्ना मूल्य घोषित करने, बकाया भुगतान और आवारा पशुओं से निजात की मांग को लेकर धरना दिया था।

स्वामी प्रसाद मौर्य और पल्लवी पटेल को रामचरितमानस पर अपर्णा यादव का जवाब

बीजेपी नेताओं को दिया खास सुझाव

लखनऊ, 8 फरवरी (एजेंसियां)। रामचरितमानस पर विवादित टिप्पणी का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है. पहले समावजादी पार्टी एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य ने विवादित टिप्पणी की. इसके बाद सपा विधायक पल्लवी पटेल ने कहा कि मैं रामचरितमानस को मानती ही नहीं हूं. जिसपर बीजेपी नेता और नेताजी की बहू अपर्णा यादव ने पलटवार किया है. अपर्णा यादव ने कहा, स्वामी प्रसाद मौर्य कह रहे हैं कि वो प्रकृति में विश्वास करते हैं तो भी मैं कहूंगी कि वे सनातन के ही हो गए हैं. सनातन में हर चीज की जगह है. दूसरी बात है कि रामचरितमानस का पूरा अध्ययन करें. मैं पटेल को भी कहूंगी कि वो भी इस बात का अध्ययन करें. क्योंकि रामचरितमानस का जो भी कोई अपमान करता है वो पूरे मानस का अपमान कर रहा है. उसमें न किसी प्रकार का जातिभेद है और न ही लिंग भेद है.

बीजेपी नेता को भी जवाब

बीजेपी नेता ने कहा, मैं बहुत बड़ी बात आपसे ये कहूंगी कि उसमें एक दोहा है कि 'जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मुरत देखी तिन तैसी'. तो उनकी धारणा ही सबको सबकुछ बता दे रही है. उनका बयान सबकुछ बता दे रहा है. व्यक्ति का जो व्यक्तित्व होता है वो उसके बात करने से खुद पता चलता है. तो वो अपनी बात खुद बता रहे हैं. किसी भी राजनेता का ये का होता है कि किसी भी समाज को सही दिशा में ले जाएं.

उन्होंने कहा, इस प्रकार के बयान देने से सभी नेताओं को चाहे वो पक्ष के हो या विपक्ष के हों, मेरी तरफ से एक सुक्षाव है. इस ग्रंथ का अध्ययन करें. हम सेक्युलर देश हैं. संविधान में हमारे यहां सभी धर्मों के बहुत इज्जत है. हमें हर धर्म की इज्जत करनी चाहिए. वहीं अखिलेश यादव द्वारा सीएम योगी आदित्यनाथ से 'शूद्र' पर सवाल पूछने वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी नेता ने कहा, वो सदन में इस बात को उठाएं तो हमारे महाराज जी सदन में ही दे देंगे.

शराब पीने से मना करने पर मारी थी गोली, 6 साल बाद 4 लोगों को मिली उम्र कैद की सजा

वैशाली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के वैशाली के हाजीपुर व्यवहार न्यायालय ने 4 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है. यह अपने आप में बिहार का पहला मामला बन गया है, जब उत्पाद कोर्ट ने 4 दोषियों को एक साथ उम्र कैद की सजा सुनाई हो. इतना ही नहीं इन चारों में एक दोषी को 7 वर्ष की अतिरिक्त सजा भी आर्म्स एक्ट के तहत दी गई है. साथ ही अदालत ने उस पर 10 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है. अर्थदंड की राशि नहीं देने पर 3 माह की अतिरिक्त सजा का प्रावधान रखा गया है. बताया जा रहा है कि हाजीपुर व्यवहार न्यायालय के उत्पात कोर्ट 2 ने राघोपुर थाना कांड में चार लोगों को आजीवन सजा सुनाई है. जिसमें जागबली राय, मनोज राय, दिनेश राय और पांचू राय शामिल है.

मैनपुरी जीत का रिटर्न गिफ्ट

विधानसभा में शिवपाल यादव को फ्रंट सीट देंगे अखिलेश, समर्थकों के लिए भी खास प्लान

लखनऊ, 8 फरवरी (एजेंसियां)। सपा महासचिव बनाए जाने के बाद अब विधानसभा के अंदर भी विपक्षी खेमे में शिवपाल का कद बड़ा दिखेगा। विधानसभा के अंदर उन्हें फ्रंट सीट पर बैठाने पर पार्टी में सहमति बन चुकी है। इसे सपा अध्यक्ष अखिलेश की ओर से उन्हें मैनपुरी लोकसभा सीट पर जीत का रिटर्न गिफ्ट माना जा रहा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव मंगलवार शाम अचानक चाचा शिवपाल सिंह यादव के घर भी पहुंचे और दोनों के बीच करीब 45 मिनट तक संगठनात्मक मुद्दों पर बात हुई। सूत्रों के मुताबिक, मुलाकात के दौरान शिवपाल के साथियों को संगठन में समायोजित करने पर भी बात हुई। माना जा रहा है कि सपा प्रदेश में नए सिरे से आंदोलन शुरू करेगी। पार्टी से दूर हुए कई नेताओं की घर वापसी भी कराई जाएगी। पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव बनने के बाद भी शिवपाल अब तक कार्यालय नहीं जाते हैं। वे पहले की तरह अपने पुराने कार्यालय में ही कार्यकर्ताओं से मिलते हैं। ऐसे में अखिलेश उनके घर पहुंचे।

दोनों के बीच सियासी हालात और प्रदेश कार्यकारिणी को लेकर मंथन हुआ। सूत्रों का कहना है कि शिवपाल ने प्रसपा के राष्ट्रीय एवं प्रदेश कार्यकारिणी में रहे कुछ लोगों को समायोजित करने पर जोर दिया है। साथ ही पार्टी की सक्रियता के लिए नए सिरे से प्रदेश में आंदोलन शुरू करने की जरूरत बताई। पूर्वांचल सहित विभिन्न जिलों में भ्रमण के दौरान मिले फीडबैक से भी अखिलेश को वाकिफ कराया। बताया कि हर जगह पार्टी के नए-पुराने कार्यकर्ता तैयार बैंठे हैं। उन्हें सक्रिय करने की जरूरत है। ऐसे में माना जा रहा है कि प्रदेश में जल्द ही समाजवादी पार्ट्टी जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की कवायद शुरू करेगी।

विभिन्न मुद्दों पर जनांदोलन भी शुरू होगा। इसकी अगुवाई शिवपाल करते दिखेंगे। सूत्रों का कहना है कि पार्टी के कई पुराने नेता छिटक चुके हैं। इसमें कुछ ने दूसरे दलों की सदस्यता ले ली है। इन नेताओं को फिर से जोड़ने पर भी चर्चा हुई। सूत्रों का यह भी कहना है कि मार्च तक कई नेताओं की घर वापसी हो सकती है। इसकी कवायद शुरू कर दी गई है।

मामूली विवाद में बदमाशों ने की फायरिंग, पीड़ित परिवार ने खुद को घर में किया कैद

नालंदा, 8 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के नालंदा में दबंगों का मनोबल कितना ऊंचा है इसकी बानगी नूरसराय थाना क्षेत्र के हेगनपुरा गांव में देखने को मिली, जहां नाले को लेकर चले आ रहे विवाद में बदमाशों ने बीती रात घर पर चढ़कर गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया. इस घटना का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक सवार को कुचला

दरभंगा, 8 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के दरभंगा में स्कॉर्पियो और बाइक की टक्कर में तीन बाइक सवार युवकों की मौत हो गई है. घटना देर रात की है. बिशनपुर थाना क्षेत्र के दरभंगा-समस्तीपुर मुख्य मार्ग पर ये हादसा हुआ है. बताया जा रहा है कि मृतक युवक में गुहला पंचायत के वर्तमान मुखिया विजय दास के 20 वर्षीय पुत्र विकास दास, हबीबपुर गांव निवासी परमेश्वर महतो के पुत्र 35 वर्षीय राजदेव महतो और उसी गांव के उपेंद्र महतो के 28 वर्षीय पुत्र

अमरजीत महतो की डीएमसीएच में इलाज के दौरान मौत हो गई है.

दक्षिण अफ्रीका से आएंगे 12 और चीते: कूनो नेशनल पार्क के चीता बने रहेंगे शिकारी, पर शिकार होंगे शाकाहारी

बरेली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में सितंबर में नामीबिया से आठ चीते लाए गए थे। अब 18 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से 12 और चीतों के कूनो पहुंचने की उम्मीद है। उन्हें सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने, संभावित संघर्ष और खतरों से बचाव के लिए भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के वैज्ञानिक जुट गए हैं। क्वारंटीन के दौरान उनकी शिकार की आदत बनी रहे, इसके लिए उनके बाड़े में शाकाहारी जीव छोड़े जाएंगे। इससे उनकी शारीरिक स्फूर्ति भी बनी रहेगी और उन्हें किसी प्रकार का नुकसान पहुंचने की गुंजाइश भी

कम रहेगी। आईवीआरआई के विशेषज्ञ डॉ. अभिजीत पावड़े तीन दिन पहले कूनो नेशनल पार्क में चीतों के क्वारंटीन संबंधी व्यवस्था देखने पहुंचे थे। बताया कि चीतों को क्वारंटीन करने के लिए बोमा (मांद) बनेगा, क्योंकि लंबी दूरी तय करने के दौरान वे थके होंगे। पहुंचते ही अगर उन्हें छोड़ दिया जाएगा तो पार्क में पहले से रह रहे जानवरों के संपर्क में आने से उनके संक्रमित होने का खतरा रहेगा। दूसरी ओर, यदि उनमें कोई संक्रमण हुआ तो यहां के जानवरों में भी उसके फैलने की आशंका रहेगी। तेंदुआ, शेर, बाघ, भेड़िया, सियार, लोमड़ी आदि जानवर चीतों के संपर्क में न आएं, इसके लिए उन्हें इलेक्ट्रिक बाड़े में रखा जाएगा। जो बाड़ा बनाया गया है, उसकी फेंसिंग में हल्का करंड दौड़ाया जाएगा, ताकि यदि जानवर प्रवेश करने का प्रयास करें तो उन्हें भी कोई नुकसान न हो। बाड़े की बाउंड्री से पांच-छह फीट जगह छोड़कर चारों ओर लोहे के तार लगाए जाएंगे। बाड़ फांदकर कोई जानवर न घुसे, इसका भी इंतजाम रहेगा।

...ताकि लोगों की आवाजाही से चौंकें न चीते

डॉ. पावड़े के मुताबिक जंगल से पार्क पहुंचने वाले चीतों को देखने के लिए भीड़ उमड़ने की संभावना है। लिहाजा, बाड़े को ग्रीन शीट से ढंका जाएगा, ताकि इंसानों की आवाजाही व शोर से चीतों पर कोई प्रभाव न पड़े। वाहन के टायर और लोगों के पैदल चलने से कोई जीवाणु प्रवेश न कर सके, इसके लिए जमीन में चूना मिला पानी भरा जाएगा।

चूहे, छछूंदर से बचाव का भी रहेगा इंतजाम

बाड़े के अंदर चूहे और छछूंदर के बिल बंद करने, जमीन के नीचे कुछ गहराई तक लोहे की शीट लगाने को कहा गया है। डॉ. पावड़े के मुताबिक चूहे के पेशाब में लेप्टोस्पाइस के जीवाणु होते हैं। चीते अपनी टेरिटरी (इलाका) बनाने के दौरान कोई गंध आने पर उसे सूंघते हैं। चूहों के पेशाब को नजदीक से सूंघने पर उनके संक्रमित होने की आशंका है। यह बैक्टीरिया लिवर और किडनी को खराब कर सकता है। अचानक जंगल से पार्क में पहुंचने पर पर्यावरण परिवर्तित होने से अगर शिकार नहीं कर पाएंगे तो उन्हें मांस भी उपलब्ध कराने को कहा है।

जेडीयू एमएलसी राधाचरण साह के ठिकानों पर आईटी की रेड से गरमाई सियासत

भोजपुर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में जेडीयू एमएलसी राधाचरण साह के ठिकानों पर इनकम टैक्स की छापेमारी लगातार जारी है। बताया जा रहा है कि मंगलवार सुबह आठ बजे से चल रही इस छापेमारी में इनकम टैक्स के अफसरों को करोड़ों की इनकम टैक्स की चोरी की बात पता लगी है। वहीं बताया ये भी जा रहा है कि एमएलसी राधाचरण साह के आरा स्थित आवास, होटल, रिसोर्ट और पटना आवास सहित देश के सभी 21 ठिकानों से कई लाख के कैश भी बरामद हुए हैं। जेडीयू एमएलसी राधाचरण साह अभी भी आरा के बिहारी मिल स्थित अपने आवास पर मौजूद हैं, जहां इनकम टैक्स के असिस्टेंट कमिश्नर प्रशांत सागर के नेतृत्व में अफसरों की टीम उनसे लगातार पूछताछ करते हुए उनके व्यवसाय से जुड़े कागजातों को खंगाल रही है। इनकम टैक्स के अधिकारी जहां भी छापेमारी किए हैं, वंहा पर मुख्य गेट को कल से ही बंद कर दिया गया है न ही किसी को अंदर से बाहर आने की इजाजत है और न ही बाहर से अंदर जाने

की इजाजत है। इनकम टैक्स के अधिकारी लागातार सभी कंपनियों के दस्तावेज को खंगाल रहे हैं और जितना ट्रांजिक्शन हुआ है, उसकी विधिवत जांच कर रहे हैं। जब से छापेमारी हुई है, तब से लगातार पूरे शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है। जेडीयू एमलसी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सबसे करीबी नेताओ में से एक माने जाते हैं और उनके यंहा छापेमारी से राजनीति भी गरमाई है।

अयोध्या, काशी और मथुरा के सवाल पर सीएम योगी का बड़ा बयान

अयोध्या, 8 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी स्थित अयोध्या में राम मंदिर का काम करीब 70 फीसदी से ज्यादा पूरा हो गया है. जनवरी 2024 में राम मंदिर का उद्घाटन होने वाला है. इसकी काम की लगातार समीक्षा की जा रही है. सीएम योगी आदित्यनाथ भी हर महीने खुद अयोध्या जा रहे हैं. दूसरी ओर वाराणसी स्थित काशी विश्वानाथ मंदिर के कॉरिडोर का दिसंबर 2021 में ही उद्घाटन हुआ था. इसके बाद अब मथुरा पर लोग चर्चा कर रहे हैं. इसपर सीएम योगी ने जवाब दिया है.

सीएम योगी ने कहा, काशी में आप देख रहे हैं काशी विश्वनाथ धाम बन गया है. आज काशी पूरी दुनिया में आकर्षण का केंद्र बनी हुई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद काशी का देश की संसद में प्रतिनिधित्व करते हैं. मथुरा में बृज तीर्थ विकास परिषद विकास के कार्यक्रमों को तेजी के साथ आगे बढ़ा रही है. हम वहां की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करते हुए. उसके विकास के लिए सरकार सभी प्रकार के कार्यक्रम चला रही है.

इन धार्मिक स्थलों का किया जिक्र

मुख्यमंत्री ने कहा, हम विंन्ध्यवासिनी धाम में भी काम कर रहे हैं. हमलोग शुभ तीर्थ में भी काम कर रहे हैं. हमलोग नैमीषारण्य में भी काम कर रहे हैं. यूपी के अंदर बौद्ध परिपक्व में भी काम हो रहा है. महर्षि वाल्मीकि के लालापुर में भी काम हो रहा है. संत तुलसीदास जी के राजापुर में भी हमारे काम चल रहे हैं. ये सभी जगह विकास कार्य चल रहे हैं. उन्होंने कहा, सभी काम अच्छे ढंग से आगे बढ़ रहे हैं. हम जनभावनाओं को आस्था का सम्मान करते हुए इसे आगे बढ़ाएंगे. सीएम योगी ने ये बातें एक निजी मीडिया चैनल के साथ बातचीत के दौरान कही है. बता दें कि अयोध्या में राम मंदिर का काम तेज से हो रहा है.

तुर्की से हमने क्या सीखा, भारत में विनाशकारी भूकंप आया तो क्या होगा?

अंकारा, 8 फरवरी (एजेंसियां)। तुर्की और सीरिया में शक्तिशाली भूकंप से चारों तरफ तबाही का आलम है। अब तक 8700 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। 20 हजार से ज्यादा लोग घायल हैं। सैकड़ों इमारतें जमींदोज हो गई हैं। इमारतों के मलबे के नीचे फंसे लोगों को निकालने के लिए बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेश चलाया जा रहा है। तुर्की और सीरिया से आ रही तस्वीरों को देखकर आंखें नम हैं, मन विचलित है। इन सबके बीच मन में जो सवाल घूम रहे हैं वह ये कि अगर भारत में इस तरह के शक्तिशाली भूकंप आए तो क्या होगा? भारत के कौन-कौन से इलाकों में इस तरह का भूंकप आने की संभावना है? और सबसे बड़ा सवाल यह कि तुर्की और सीरिया से हमें क्या सबक मिली?

भूकंप के लिहाज से खतरे में हैं भारत के 59% इलाके

भारत के 59 फीसदी इलाके भूकंप के लिहाज से खतरे में हैं। मतलब यह कि देश का 59 फीसदी इलाका भूकंप आने की उच्च संभावना वाले चार जोन में शामिल है। इनमें 11 प्रतिशत इलाके भूकंप की आशंका वाले जोन-5 यानी सबसे ज्यादा संभावित खतरे वाले क्षेत्र में आते हैं। इनमें 18 फीसदी इलाके भूकंप की आशंका वाले जोन-4 में आते हैं, जबकि जोन-2 और जोन-3 में 30 फीसदी हिस्से आते हैं। ऐसे में आप अंदाजा लगा सकते हैं हमारे भी देश में विनाशकारी भूकंप आने का खतरा कितना ज्यादा है।

दिल्ली में आ सकता है 7 तीव्रता वाला भूकंप

दिल्ली को जिस जोन में रखा गया है, उससे आशंका जताई गई है कि यहां 7 या उससे अधिक तीव्रता वाले भूकंप भी आ सकते हैं। जाहिर है अगर ऐसा हुआ तो राजधानी में भारी तबाही मचेगी। भू-विज्ञान मंत्रालय ने एक रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में अगर 6 रिक्टर स्केल से अधिक तीव्रता का भूकंप आता है, तो यहां बड़े पैमाने पर जानमाल की हानि हो सकती है। दिल्ली की आधा से ज्यादा इमारतें भूकंप के तेज झटके को झेल पाने में सक्षम नहीं हैं। वहीं कई इलाकों में घनी आबादी की वजह से बड़ी संख्या में जनहानि हो सकती है।

दिल्ली के किन इलाकों को भूकंप से है ज्यादा खतरा?

सिस्मिक हजार्ड माइक्रोजोनेशन ऑफ दिल्ली की एक रिपोर्ट में दिल्ली को तीन जोन में बांटा गया है। इसमें ज्यादा खतरे में यमुना नदी के किनारे के ज्यादातर इलाके और कुछ उत्तरी दिल्ली के इलाके शामिल हैं। सबसे ज्यादा खतरे वाले जोन में दिल्ली यूनिवर्सिटी का नार्थ कैंपस, सरिता विहार, गीता कॉलोनी, शकरपुर, पश्चिम विहार, वजीराबाद, रिठाला, रोहिणी, जहांगीरपुरी, बवाना, करोलबाग, जनकपुरी हैं। वहीं, दूसरे सबसे बड़े खतरे वाले जोन में इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बुराड़ी और नजफगढ़ शामिल हैं। दिल्ली का लुटियंस जोन भी हाई रिस्क वाला इलाका है, हालांकि यहां खतरा उतना नहीं है। इसमें संसद भवन, कई मंत्रालय और मंत्रियों के आवास हैं। वहीं, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, एम्स, छतरपुर, नारायणा, हौज खास सबसे सुरक्षित जोन में हैं।

भूकंप के लिहाज से दिल्ली में 90% भवन असुरक्षित

दिल्ली के कई इलाके भूकंप जोन-4 में आते हैं। यानी दिल्ली में तगड़ा भूकंप आने का खतरा है। पृथ्वी मंत्रालय और एमसीडी द्वारा साल 2020 में किए गए सर्वे में यह बात सामने आई थी कि दिल्ली के 90 प्रतिशत भवन सिस्मिक जोन-4 के खतरों से निपटने के मानक पर खरे नहीं उतरते हैं। ऊंची-ऊंची इमारतों के निर्माण और भारी भीड़ के कारण आपात स्थिति में राहत और बचाव कार्य भी बुरी तरह प्रभावित हो सकता है, जो एक चिंता का विषय है। दिल्ली में इमारतों को भूकंप रोधी और उनकी मजबूती सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली हाइकोर्ट के आदेश पर 2019 में एक एक्शन प्लान भी बना था। इसके तहत दो साल में सभी ऊंची इमारतों और अगले तीन वर्ष में सभी इमारतों की ढांचागत मजबूती सुनिश्चित करने को कहा गया था, लेकिन यह कार्य अभी भी पूरा नहीं हो पाया है।

देश के इन इलाकों पर मंडरा रहा तबाही का खतरा

कौन सा राज्य किस भूकंप जोन में आता है?

भारत में भूकंप से सबसे ज्यादा खतरा हिमालयी इलाकों को है। भारतीय मानक ब्यूरो ने भूकंप के खतरे के लिहाज से देश को 5 अलग-अलग भूकंप जोन में बांटा है। देश में पांचवें जोन को सबसे ज्यादा खतरनाक और सक्रिय माना जाता है। इस जोन में आने वाले राज्यों और इलाकों में तबाही का खतरा सबसे ज्यादा है।

भूकंप जोन-5: भूकंप के लिहास से इस जोन को सबसे ज्यादा संवेदनशील माना जाता है। इस जोन में कश्मीर घाटी, पश्चिमी हिमाचल, पूर्वी उत्तराखंड, गुजरात का कच्छ इलाका, उत्तरी बिहार, पूर्वोत्तर के सभी राज्य और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को शामिल है।

भूकंप जोन-4: जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्से, उत्तराखंड के कुछ इलाके, लद्दाख, हिमाचल और हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, सिक्किम, उत्तरी उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ इलाके, गुजरात, पश्चिमी घाट पर महाराष्ट्र का कुछ हिस्सा और पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाके इस जोन में शामिल हैं।

भूकंप जोन-3: उत्तर प्रदेश, लक्षद्वीप, केरल, गोवा, हरियाणा के कुछ हिस्से, पंजाब, पश्चिम बंगाल और गुजरात के कुछ क्षेत्र, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और बिहार के कुछ इलाके, पश्चिमी राजस्थान और झारखंड का उत्तरी हिस्सा इस जोन में शामिल हैं। महाराष्ट्र, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और कर्नाटक के कुछ इलाकों को भी इस जोन में रखा गया है।

भूकंप जोन-2: मध्य प्रदेश, हरियाणा, ओडिशा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के कुछ हिस्से इस जोन में आते हैं।

भूकंप जोन-1: यह वो जोन है, जिसमें भूकंप आने की संभावना बहुत कम है। इसमें देश के बाकी बचे इलाके आते हैं।

मेघालय में टीएमसी-एनपीपी कार्यकर्ताओं में झड़प, चार घायल

शिलांग, 8 फरवरी (एजेंसियां)। मेघालय के वेस्ट गारो हिल्स जिले में विपक्षी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के समर्थकों के बीच हुई झड़प में कम से कम चार लोगों के घायल होने की खबर है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) एफआर खारकोंगोर ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है क्योंकि निर्वाचन अधिकारी क्षेत्र में तैनात हैं और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तीन कंपनियों को जिले में तैनात किया गया है। मेघालय की 60 सदस्यीय विधानसभा के लिए 27 फरवरी को मतदान होना है। पुलिस के मुताबिक, घटना फूलबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के चारबतापारा गांव में मंगलवार रात करीब 10:45 बजे हुई। टीएमसी में शामिल होने वाले एनपीपी के पूर्व विधायक एसजी एस्टामुर मोमिनिन रात करीब नौ बजे अपने रिश्तेदार के घर दावत में शामिल होने के लिए गांव आए थे। इसके बाद एनपीपी के समर्थकों का एक समूह वहां गया और हंगामा किया और कथित तौर पर टीएमसी समर्थकों पर हमला किया।

हाई प्रोफाइल रिजॉर्ट के नाम पर डुप्लीकेट वेबसाइट बनाकर लाखों की ठगी, 1 गिरफ्तार

मुंबई, 8 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई में एक हाई प्रोफाइल रिजॉर्ट के नाम पर डुप्लीकेट वेबसाइट बनाकर लाखों की ठगी करने के आरोप में दहिसर पुलिस के साइबर सेल एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जबकि उसका भाई फरार है। दरअसल, एक फैशन डिज़ाइनर ने अपना 31वां जन्मदिन मनाने के लिए एक वेबसाइट से विस्तारा स्टे रिजॉर्ट बुक किया। डिजाइनर ने 3 दिन के लिए 1 लाख 20 हजार रुपये ऑनलाइन जमा किए थे। 28 दिसंबर को जब डिजाइनर ने खाने के मेन्यू के बारे में पूछा तो बताया गया कि हमारे रिजॉर्ट में एक बच्चे की मौत हो गई थी, इसलिए बीएमसी ने रिजॉर्ट को बंद कर दिया है। बुकिंग के पैसे वापस करने का वादा करने के बावजूद एक माह बीत जाने के बाद भी पैसा नहीं लौटाने पर फैशन डिजाइनर ने पुलिस से संपर्क किया। फैशन डिजाइनर ने दहिसर साइबर पुलिस में आकाश रूपकुमार जाधव (23) और उसके भाई अविनाश जाधव (21) के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इस आधार पर आकाश रूपकुमार जाधव को घाटकोपर से गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसका भाई फरार है। जांच में पता चला कि दोनों भाइयों ने महाराष्ट्र और गुजरात में दर्जनों लोगों से लाखों की ठगी की है और उन पर 17 से अधिक मामले दर्ज हैं।

इस्लाम छोड़कर हिन्दू धर्म कबूल करना चाहता है चंबल का एक परिवार

मुरैना, 8 फरवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले की जौरा तहसील में जुमे की नमाज के बाद एकजुट हुए लोगों ने अपने ही धर्म के एक युवक का घर तोड़ दिया। पीड़ित का आरोप है कि मस्जिद कमेटी के लोग जबरन उसके घर को तोड़कर मस्जिद की जगह में मिलाने का प्रयास कर रहे है। वे पिछले 30 साल से उसे प्रताड़ित कर रहे हैं। अपने ही धर्म के लोगों की प्रताड़ना से तंग होकर अब पीड़ित धर्म परिवर्तन कर हिन्दू बनना चाहता है। उधर मस्जिद के धर्म गुरू ने बुधवार को मुरैना एसपी को ज्ञापन देते हुए पीड़ित पर जबरन मस्जिद की जगह पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार मुरैना जिले के जौरा कस्बे में मस्जिद के ठीक सामने यूसुफ खान नामक युवक का पुश्तैनी घर है, जिसमें वह अपनी पत्नी व बच्चों के साथ रहता था। पीड़ित का कहना है कि जुमे की नमाज के बाद एकजुट होकर मुसलमान भाइयों ने उसका घर तोड़ दिया। यह काम मस्जिद के धर्मगुरू हाजी चौधरी नूर मोहम्मद के इशारे पर किया गया है। धर्म गुरू मेरा मकान तोड़कर इस जगह पर कब्जा कर मस्जिद की जगह में मिलाना चाहते हैं। घर टूटने के बाद वह सड़क पर आ गया है।

ई-रिक्शा चालक ने पेश की ईमानदारी की मिसाल

सड़क पर मिला 25 लाख रुपये से भरा बैग पुलिस को सौंपा

गाजियाबाद, 8 फरवरी (एजेंसियां)। गाजियाबाद में एक ई रिक्शा चालक ने ईमानदारी की अनोखी मिसाल पेश की और पैसों से भरा बैग पुलिस को सौंप दिया. ई रिक्शा चालक आस मोहम्मद को उसकी ईमानदारी के लिए सम्मानित किया गया है. दरअसल आस मोहम्मद को सड़क किनारे एक पैसों से भरा हुआ बैग मिला था. जिसे उसने सीधा पुलिस तक पहुंचा दिया. पुलिस ने जब इस बैग को खोला तो उसके अंदर नोटों की गड्डियां मिली. पुलिस ने बिना देरी किए पैसों को गिनती शुरू की. बैग के अंदर से कुल 25 लाख कैश मिला. इतने पैसे देख हर कोई हैरान हो गया. ये मामला मोदीनगर क्षेत्र मामले का है. आस मोहम्मद को उसकी ईमानदारी के लिए सम्मानित किया गया है. डीसीपी रवि कुमार ने आस मोहम्मद को अपने दफ्तर बुलाकर फूलों का एक गुलदस्ता भेंट किया.

शिवराज के 'गले की हड्डी' बनती जा रही नई शराब नीति

तीखे तेवर में उमा भारती बोलीं- 'बीच में न आएं'

भोपाल, 8 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के तीखे तेवरों के कारण प्रदेश की प्रस्तावित शराब नीति मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के गले की हड्डी बनती जा रही है. मध्यप्रदेश की नई शराब नीति कैसी हो, इसके बारे में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने आखिरकार वर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को अपने सुझाव भेज दिए है. इस मामले में अब गेंद सरकार के पाले में है. इसके साथ ही उमा भारती ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को उनके और शिवराज सिंह चौहान के बीच में ना पड़ने की नसीहत भी दी है. उमा भारती ने ट्वीट करते हुए कहा कि,'मैंने शिवराज जी को शराब नीति पर अपने परामर्श भेज दिए हैं. कमलनाथ जी से कहूंगी कि आप भी उन्हीं को भेज दीजिए और मेरे और शिवराज जी के बीच में मत आइए. मैं बीजेपी, सरकार या शिवराज जी के खिलाफ नहीं हूं, उनके साथ हूं. मेरे लिए तो शराब मेरी दुश्मन है और गंगा जी मेरी इष्ट हैं.' बता दें कि शराब बंदी को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती का सरकार पर हमलावर रुख अब भी कायम है. उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि सरकार के पास सबसे बड़ी शक्ति होती है. हमारी सरकार ऐसी शराब की दुकानों के सामने कैसे शक्तिहीन हो गई? यह खोज का विषय है. उन्होंने ओरछा के सांसद और विधायक पर भी निशाना साधा. उमा भारती ने कहा कि, 'इतनी जानकारी इकट्ठी करने के बाद मैं यहां के सांसद और विधायक को शत-प्रतिशत इसके लिए दोषी मानती हूं, वह दोनों हमारे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को सत्य से अवगत ही नहीं करा पाए. अब मैं इन दोनों से बात करूंगी, क्या इन्हें राम का नाम लेने और रामराजा सरकार की जय बोलने का अधिकार है? इनसे मैं यह सवाल पूछूंगी, यह जब मिलेंगे तब पूछूंगी.'

जमानत के लिए बही दिलाने के नाम पर महिला से सामूहिक दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

सीहोर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। सीहोर जिले में आने वाले बुधनी के छैघरा में माता-पिता की जमानत के लिए बही दिलाने के नाम पर एक महिला की दो युवाओं द्वारा अस्मत लूटने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कोर्ट से दोनों को जेल भिजवा दिया गया। बुधनी पुलिस ने बताया कि बुधनी नगर के छैघरा में एक महिला को अपने माता-पिता की जमानत के लिए बही की आवश्यकता थी। बही दिलाने के नाम पर दो आरोपी संतोष दायमा (27) निवासी होलीपुरा और सुरेश कीर (19) निवासी सांगा खेड़ा होशंगाबाद ने महिला के साथ दुष्कर्म किया। बता दें कि महिला माना बुधनी की रहने वाली है और उसकी शादी इंदौर में हुई है। वह अपने मायके में आई हुई थी। एक अन्य मामले में उसके माता-पिता जेल में बंद हैं, जिसकी जमानत के लिए उसको बही की आवश्यकता थी। इसको लेकर महिला ने आरोपी संतोष दायमा से बात की। संतोष दायमा ने बही दिलाने का बोलकर छैघरा स्थित घर पर अपने साथी के साथ महिला के साथ दुष्कर्म किया।

उपेन्द्र कुशवाहा का खुला ऐलान, नीतीश जी के लिए हरदम तैयार

मगर तेजस्वी का नेतृत्व स्वीकार नहीं

पटना, 8 फरवरी (एजेंसियां)। 'जदयू को बचाना है'... ये कह कर उपेंन्द्र कुशवाहा ने जदयू की राजनीति गर्मा रखी है. उनके निशाने पर नीतीश कुमार नहीं; बल्कि नीतीश कुमार के साथ साथ रहने वाले कुछ नेता हैं. कुशवाहा उन्हें टारगेट करते हुए लगातार ये सवाल उठा रहे हैं. अब उनकी इस मुहिम में जदयू के एक एमएलसी रामेश्वर महतो भी खुल कर साथ आ गए हैं. इसी के साथ ही उपेन्द्र कुशवाहा ने यह भी ऐलान कर दिया है कि उन्हें किसी भी सूरत में तेजस्वी यादव का नेतृत्व स्वीकार नहीं होगा. रामेश्वर महतो ने उपेन्द्र कुशवाहा से बंद कमरे में न सिर्फ मुलाकात की बल्कि मीटिंग के बाद ये भी कहा कि नीतीश जी और उपेन्द्र कुशवाहा दोनों समझदार नेता हैं,

और दोनों आपस में मिलकर सारी बातों को सुलझा लेंगे. वहीं, उपेन्द्र कुशवाहा ने एक बार फिर जेडीयू की मजबूती की बात की. उन्होंने इसको लेकर सीएम नीतीश कुमार से मांग करते हुए कहा कि पार्टी की मजबूती को लेकर हमें अगर सीएम रात में 12 बजे भी बुलायेंगे तो हम आयेंगे. मैं तो इंतज़ार कर रहा हूं कि कब मुझे बुलाया जाता है. वहीं उपेन्द्र कुशवाहा ने एक बार फिर नीतीश कुमार के इर्द गिर्द रहने वाले नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग नीतीश कुमार को गलत-गलत राय देते हैं, जिसकी वजह से नीतीश कुमार अपने मन की नहीं कर पा रहे हैं. इसकी वजह से पार्टी को काफी नुकसान पहुंच रहा है. उपेन्द्र कुशवाहा के निशाने पर उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी आ गए हैं. उन्होंने खुलकर कहा कि तेजस्वी यादव का नेतृत्व किसी भी हाल में स्वीकार नहीं होगा. लालू जी के खौफनाक दौर से बिहार को बाहर निकालने और उन्हें सत्ता से हटाने के लिये अगड़ी जातियों और अतिपिछड़ों ने काफी संघर्ष किया और अपना बलिदान दिया है. जेडीयू अगले 2025 का नेतृत्व कोई अति पिछड़ा और लव कुश समीकरण को देने का काम करे, मुझे कुर्सी का कोई लोभ नहीं है. उपेन्द्र कुशवाहा ने कहा कि अगर पार्टी नहीं संभलती है तो पार्टी का डूबना तय है. हम केवल प्राथमिक सदस्य बनकर भी पार्टी में रह सकते हैं, लेकिन तेजस्वी यादव का नेतृत्व किसी भी हाल में स्वीकार नहीं होगा.

फर्जी मुठभेड़ के आरोपी पुलिस कर्मी की जमानत खारिज, कोर्ट ने कहा- गलत काम करते समय नहीं पसीजा दिल

श्रीनगर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। पुरस्कार और पैसे की खातिर आम नागरिकों को आतंकी बताकर फर्जी मुठभेड़ को अंजाम देने के मामले में आरोपी पुलिस कर्मी की जमानत अर्जी को कोर्ट ने खारिज कर दिया। पुलिस कर्मी फारूक अहमद पाडरू पर आरोप है कि उसने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर वर्ष 2006 में फर्जी मुठभेड़ को अंजाम दिया। बांदीपोरा प्रधान सत्र न्यायाधीश ने कहा, दस्तरखान शीट बेचने वाले को बेरहमी से कत्ल कर दिया गया। उस समय पीड़ित की पत्नी गिड़गिड़ा रही थी। ऐसे हालात में जुर्म करने वाले को फिलहाल जमानत नहीं दी जा सकती। अभियोजन के अनुसार कोकरनाग के नौबग निवासी गुलाम नबी वानी दस्तरखान शीट बेचते थे। उसे लाल चौक से सटे बिस्को स्कूल के पास से पुलिस टीम उठा ले गई। वानी के चार बच्चे हैं। जमानत याचिका पर प्रधान सत्र न्यायाधीश अमित शर्मा ने कहा, यह निर्मम हत्या का मामला है। आरोपी पुलिस अधिकारी और कर्मचारी हैं। इस मामले में वर्दी पहनने वाले कानून के रक्षकों ने ही हत्या को अंजाम देकर विश्वासघात किया है। बचाव पक्ष ने ट्रायल में देरी की दलील दी है लेकिन यह देरी अभियोजन की ओर से नहीं है। इसके अलावा आरोपी ने जिस तरह से पीड़ित की रोती-बिलखती पत्नी की गुहार पर भी कोई नरम दिली नहीं दिखाई, उसे ध्यान में रखते हुए जमानत की याचिका को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

ना'पाक' साजिश फिर नाकाम! बीएसएफ ने एक और पाक ड्रोन को मार गिराया, भारतीय क्षेत्र में हुआ था दाखिल

अमृतसर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने पंजाब के अमृतसर जिले में पाकिस्तान से आए एक ड्रोन को गोलीबारी कर मार गिराया है। जानकारी के मुताबिक ड्रोन देर रात को भारतीय क्षेत्र में दाखिल हुआ था। फिलहाल आसपास के इलाके में तालाशी अभियान चलाया जा रहा है। बीएसएफ की तरफ से ये जानकारी दी गई है। बीएसएफ ने बताया कि 7-8 फरवरी की देर रात के दौरान, पंजाब के अमृतसर सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात बीएसएफ के जवानों ने बीओपी बाबापीर के एओआर में पाकिस्तान की ओर से भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने वाले एक ड्रोन का पता लगाया। इसके बाद बीएसएफ के जवानों ने ड्रोन पर ताबड़तोड़ गोलीबारी की और सभी काउंटर-ड्रोन उपायों को तैनात किया। बीएसएफ ने बताया कि गोलीबारी के चलते पाक वापस लौट रहा ड्रोन अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार पाकिस्तानी क्षेत्र में गिर गया। घटना के बाद जवानों ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी और फिलहाल आसपास के इलाके में तालाशी अभियान चलाया जा रहा है, ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं ड्रोन के जरिए कोई ड्रग्स या हथियार तो नहीं गिराए गए हैं। गौरतलब है की पाकिस्तानी तस्कर अक्सर भारत की सीमा में ड्रोन के जरिए ड्रग्स और हथियार भेजने की कोशिश करते हैं। इसी तरह के प्रयास को विफल करते हुए पिछले हफ्ते भी बीएसएफ ने अमृतसर में ही एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया था। इससे पहले 1 फरवरी को पंजाब के फाजिल्का जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास जवानों ने ड्रोन से गिराई गई 2.622 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ ने बताया था कि बुधवार को सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों को फाजिल्का में अपने सीमावर्ती गांव मुंबेके के पास के क्षेत्र में पाकिस्तान से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने वाले एक ड्रोन की भनभनाहट और टिमटिमाती हुई लाल बत्ती दिखी। ड्रिल के मुताबिक जवानों ने फायरिंग कर ड्रोन को रोकने की कोशिश की। बीएसएफ ने कहा कि इसके बाद पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई और पुलिस और संबंधित एजेंसियों को सूचित किया गया। वहीं क्षेत्र की तलाशी के दौरान बीएसएफ के जवानों ने 2.622 किलोग्राम हेरोइन के 3 पैकेट बरामद किए।

दो लाख में लड़की, पांच लाख में बेचते थे लड़का

बच्चा तस्करी के मामले में गिरफ्तार दंपती ने किया खुलासा

मोहाली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। पांच दिन की बच्ची की तस्करी के मामले में गिरफ्तार पटियाला निवासी चरणबीर सिंह और उसकी पत्नी परविंदर कौर से पुलिस की पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ है कि वह दो लाख रुपये में लड़की और चार से पांच लाख रुपये में लड़के का सौदा करते थे। अब तक छह बच्चों के तस्करी का खुलासा हो चुका है। पुलिस ने तीन दिन का रिमांड खत्म होने पर दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर दो दिन का रिमांड हासिल किया है। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने इस मामले में कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इसमें से फरीदकोट निवासी मनजिंदर सिंह और उसकी पत्नी परविंदर कौर को पहले ही न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। अब इन आरोपियों से पूछताछ में पांच दिन के बच्चे के अलावा पांच और बच्चों के तस्करी का मामला सामने आया है। पुलिस ने इनके परिजनों को बुलाकर पूछताछ की है। इनमें से दो बच्चों की मौत भी हो चुकी है। यह दोनों आरोपी जरूरतमंद लोगों के साथ बच्चों का सौदा करते थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह बच्चा तस्कर गिरोह तीन टीम बनाकर काम करते थे। इनकी पहली टीम में तीन लोग शामिल हैं। इनमें दो युवक सन्नी और लेंबर के साथ एक महिला अमरोह शामिल है। यह टीम गरीब लोगों के संपर्क में रहती थी। यहां से यह 70 से 80 हजार रुपये में बच्चों का सौदा करके खरीदते थे। दूसरी टीम में जो दंपती न्यायिक हिरासत में है, वह काम करता था। यह टीम पहली टीम से बच्चे को लेकर तीसरी टीम तक पहुंचाती थी। तीसरी टीम में पटियाला निवासी चरणबीर सिंह और उसकी पत्नी परविंदर कौर शामिल थे। इनका काम होता था कि यह ऐसे परिवारों से संपर्क करते थे जिनको बच्चे की जरूरत होती थी। इसके बाद बच्चों को दो लाख से पांच लाख रुपये तक में बच्चे का सौदा करके बेचते थे। बता दें कि 30 जनवरी को पांच दिन की मासूम बच्ची को बेचने की फिराक में मोहाली आए दो दंपतियों को सोहाना थाना पुलिस ने सेक्टर 86-87 चौक से गिरफ्तार किया था। चारों के पास से मासूम को भी बरामद किया था।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 9 फरवरी- 2023

अब कबड्डी खिलाडी का शोषण

पिछले महीने की ही तो बात है जब दिल्ली के जंतर-मंतर पर अंतरराष्ट्रीय पहलवानों की जमात धरने पर बैठी थी कि उनके साथ यौन शोषण हो रहा है। काफी मशक्कत और जांच के आश्वासन के बाद उनका धरना खत्म हुआ लेकिन उसकी समस्या आज भी जस की तस है। इससे तो यही जाहिर हो रहा है कि खेल के मैदान में महिलाओं के सामने कई तरह की अड़चनें आज भी मुंह बाए खडी है। यकीन न हो तो देश की राजधानी दिल्ली में एक कबड्डी महिला खिलाड़ी के आरोप को ही देख लें। खिलाडी ने अपने प्रशिक्षक पर बलात्कार और भयादोहन का आरोप लगाया है। पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट के मुताबिक महिला खिलाड़ी का कहना है कि उसका प्रशिक्षक न सिर्फ सात साल से बलात्कार कर रहा है, बल्कि उसने धमकी देकर उससे काफी धन भी ऐंठ लिए है। पीड़ित महिला खिलाडी भी एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली कबड्डी टीम की खिलाड़ी रही है। देखा जाए तो इस तरह के आपराधिक मानसिकता वाले व्यक्ति की महिलाओं के खिलाफ हरकतें जगजाहिर हैं, लेकिन खेलों की दुनिया में इस तरह की हो रही घटनाएं ज्यादा शर्मनाक और निंदनीय हैं। सवाल है कि गुरु समान प्रशिक्षक जैसी महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी को ताक पर रख कर कोई व्यक्ति महिलाओं के खिलाफ अपराधियों जैसी हरकतें करना तो दूर सोच भी कैसे सकता है? महिला खिलाड़ियों के यौन शोषण की घटनाएं पहले भी उजागर होती रही हैं। कई बार हालात से समझौते की वजह से कुछ महिलाएं अपने शोषण के खिलाफ बोल भी नहीं पातीं है। यह कोई छिपी बात नहीं है कि महिलाओं का घर की दहलीज से बाहर निकल कर पढ़ना-लिखना और उससे आगे खेलों की दुनिया में अपनी जगह बनाना आज भी किस तरह की चुनौतियों से घिरा हुआ है। होना यह चाहिए था कि अगर कोई लड़की किसी खेल में अपनी काबिलियत साबित करना चाहती है तो उसका हौसला बढ़ा कर न सिर्फ बेहतरीन प्रशिक्षकों के जरिए उसकी प्रतिभा को निखारा जाए, बल्कि देश और समाज के लिए उसे एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। अफसोसनाक यह है कि जब परंपराओं की बेडियों तोडते हुए तमाम अड़चनों से निकल कर किसी खेल में अपने और देश के लिए कुछ करने का सपना पालने वाली लड़की का अपराधी कई बार उसका प्रशिक्षक ही निकल जाता है। जिसके भरोसे कोई लड़की किसी खेल में देश को एक नई ऊंचाई देना चाहती है, वही प्रशिक्षक उसके व्यक्तित्व और सपने को छिन्न-भिन्न करने से भी नहीं चूकता। यह भी सही है कि खेलों की दुनिया में सभी लोग ऐसी आपराधिक मानसिकता वाले नहीं होते। ऐसे प्रशिक्षकों की लंबी फेहरिश्त है, जिनके निर्देशन और सहयोग के बूते बहुत सारी महिला खिलाड़ियों ने दुनिया भर में अपना व देश का नाम रोशन किया है। इसी बीच कुछ प्रशिक्षकों की आपराधिक हरकतों की वजह से किसी महिला खिलाड़ी के टूट जाने की भी खबरें आती रहती हैं। हाल ही में कुश्ती संघ के अध्यक्ष पर महिला खिलाड़ियों के यौन शोषण के आरोपों के अलावा हरियाणा में खुद खेलमंत्री के एक महिला प्रशिक्षक से अवांछित बर्ताव की जैसी खबरें आईं। पीडित प्रशिक्षक बताती हैं कि खेलों के शासकीय तंत्र में व्यापक सुधार की जरूरत है। खासकर अगर कोई व्यक्ति महिला खिलाड़ियों के प्रशिक्षण जैसे जिम्मेदारी से भरे काम में लगाया जाता है तो क्षमताओं के साथ-साथ उसकी मानसिकता, प्रवृत्ति और कुंठाओं आदि की जांच-परख भी होना जरूरी है। महिला खिलाड़ियों के किसी भी तरह के शोषण की आशंका तक की स्थिति को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। वरना बहुस्तरीय बाधाओं को पार कर किसी खेल के मैदान में आईं और इसमें ऊंची उड़ान का सपना देखने वाली लड़कियों का रास्ता हमेशा के लिए बंद हो जाएगा। ऐसे माहौल में कोई भी पिता अपने बेटियों को खेल के मैदान में भेजने से भी कतराने लगेगा।

जनता के आंगन में सरकारी विकास यात्राओं की आमद

मध्यप्रदेश में वर्ष 2023 राजनैतिक हलचल से भरपूर रहने वाला है। चुनावी साल होने से जनता को अपना भगवान बताने वाले राजनैतिक दल जिनमे सत्ताधारी भाजपा और सत्ता पाने की जुगत में लगी कांग्रेस सहित नई नवेली आमआदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी जनता के दरबार मे जाकर अपने दल को जनता का सबसे बड़ा हितैषी बताने का प्रयास करेंगे। आमजन भी यह सोच रहा है कि 4 साल अपने छोटे से काम के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने होते है। उस दौरान अफसर मिलते नही, नेता गायब रहते है। अब जबकि चुनावी साल है। सत्ताधारी ओर विपक्षी नेताओं द्वारा पूछपरख की जा रहीं है। मध्यप्रदेश की सत्ता पर भारतीय जनता पार्टी काबिज है। प्रदेश में 15 महीनों की कमलनाथ सरकार के शासनकॉल को छोड़ दें तो करीब 20 साल से एमपी में भारतीय जनता पार्टी का शासन रहा है। इन 20 सालों में अधिकांश समय प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर शिवराज सिंह चौहान काबिज रहें है। प्रदेश सरकार फरवरी की 5 तारीख से 25 तारीख तक मध्यप्रदेश के 55 जिलों, 16 नगर निगमों, 100 नगरपालिकाओं, 264 नगर पंचायतों, 313 विकासखण्डों की 23 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में विकास यात्रा निकाल रहीं है। यानी सरकार जनता के आंगन में आमद देकर यह बताने की कोशिश कर रही है कि हम आपके सबसे बड़े हितैषी है। हमारी सरकार ने आपका पूरा ध्यान रखा है। प्रदेश में चारों ओर खुशहाली का वातावरण व्याप्त है, जनता को घर बैठे सरकारी सुविधाएं मिल रही है। प्रदेश का कृषक खुशहाल है, उसे आसानी से खाद, बीज, यूरिया उपलब्ध हो रहा है।

किसान को उसकी फसल का उचित दाम मिल रहा है। सरकार की नीतियों से व्यवसायी वर्ग में भी प्रसन्नता व्याप्त है। वह बड़े अच्छे माहौल में अपना व्यवसाय कर रहा है। प्रदेश के उद्योग धंधे फलफूल रहें है। सरकार की नीतियों से व्यवसायिक वर्ग भी गदगद है। प्रदेश के बेरोजगार भी प्रदेश की शिवराज सरकार से हर्षित है। युवा बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने में सरकार ने काफी प्रयास किये है। शिक्षा, स्वास्थ्य, राशन, सड़क ,पानी, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता से आमनागरिक के जीवन में शिवराज सिंह की वर्तमान सरकार ने बंसत बाहर ला दी है। कुल मिलाकर जनता को सरकार द्वारा प्रायोजित विकास यात्राओं के माध्यम से यह बताने की कोशिश की जाएगी कि शिवराज की सरकार ने बेहतर काम किया है। जनता को आगे भी इस सरकार को मौका देना चाहिए। सरकारी प्रयास से प्रदेश की सम्पूर्ण मशीनरी आमआदमी के दिमाग में यह बिठाने की पूरी कोशिश करेगी की एमपी की शिवराज सरकार के राज में प्रदेश तरक्की कर रहा है। जनता के आंगन में विकास का यह रथ जनता की तरक्की की असली तस्वीर है।

विकास के शोर मचाते इन रथों से सरकारी भोंपू प्रदेश को खुशहाल बताने के हर सम्भव जतन करेंगे। इसके विपरीत प्रदेश के प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने 5 फरवरी को ग्वालियर में एक जनसभा को सम्बोधित करतें हुए भाजपा सरकार की विकास यात्रा को नौटंकी करार दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की कुछ उपलब्धि तो है, नही सिर्फ सरकार के पैसों का दुरुपयोग किया जा रहा है।

विकास होता तो विकास यात्रा निकालने की आवश्यकता ही नही पड़ती। कमलनाथ अपने 15 महीने की उपलब्धियां गिनाना भी नही भूलते। दरअसल मध्यप्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार की उपलब्धियों को ढाई या तीन साल की सरकार की उपलब्धि विकास या तरक्की के बजाय 20 वर्षो के विकास के रूप में देखें जाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 16 बरसो से अधिक कार्यकाल तक मुख्यमंत्री रहें है।

कर्नाटक में भाजपा गुजरात जैसी जीत चाहती है

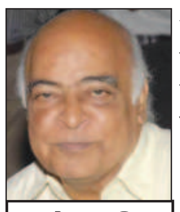

अशोक भाटिया

इस साल मई में कर्नाटक में विधानसभा चुनाव होना है। अभी यहां भारतीय जनता पार्टी सत्ता में है। सूबे में चुनावी माहौल अभी से बनने लगे हैं। राजनीतिक दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। हाल ही में राहुल गांधी ने यहां 20 दिन तक भारत जोड़ो यात्रा की। राहुल की इस यात्रा को काफी समर्थन भी मिला। यही कारण है कि अब भाजपा ने नए सिरे से यहां गणित बैठाना शुरू कर दिया है क्योकि भाजपा दक्षिण के राज्यों में भी कमल खिलाना चाहती है लेकिन 2023 में कर्नाटक चुनाव एक बार फिर पार्टी के लिए खासा अहम हो गया है। पार्टी के सामने चेहरे की क्राइसिस है। क्या यही वजह है कि पार्टी एक बार फिर से प्रदेश के दिग्गज नेता बीएस येदियुरप्पा को चुनावी तौर पर सक्रिय करना चाहती हैं? कर्नाटक में भाजपा की सरकार पार्टी के लिए दक्षिण के राज्यों में सत्ता का गेटवे है। लेकिन इस साल चुनौतियां भी कम नहीं। भाजपा का खास चेहरा बीएस येदियुरप्पा अस्सी साल के हो रहे हैं। बढ़ती उम्र उनकी राजनीतिक सक्रियता में सबसे बड़ी बाधा है। मुख्यमंत्री पद से हटाये जाने के बाद से वो नाराज भी बताये जा रहे हैं। उनकी नाराजगी का जमीनी असर न दिखे, इसके लिए प्रयास तेज हो गये हैं।

बीएस येदियुरप्पा के सत्ता से अलग होने के अलावा मौजूदा मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई भी विपक्ष के निशाने पर हैं। विपक्ष लगातार उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहा है। चुनावी दौर में ये दो मुश्किलें भाजपा के लिए कठिनाई खड़ी ना करे, इसके लिए पार्टी ने नई-नई रणनीतियां बनानी शुरू कर दी है। पचहत्तर की उम्र पार होने के बाद कर्नाटक की राजनीतिक बिसात पर पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा जैसे हाशिये पर आ गये थे लेकिन चुनावी बिगुल फूंके जाने के बाद वो एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं। भाजपा के दिग्गजों ने उनकी तलाश तेज कर दी। पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी और बीएस येदियुरप्पा की मुलाकात भी हुई थी। जिसके बाद कई तरह के कयास लगने शुरू हो गये हैं। समझा जा रहा है चुनाव से पहले उनकी नाराजगी को दूर करने की कोशिश की जा रही है। कर्नाटक की राजनीति में बीएस येदियुरप्पा की अपनी बिसात है। वो कर्नाटक के चार बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं। येदियुरप्पा की लिंगायत समुदाय पर अच्छी पकड़ मानी जाती है। कर्नाटक में उनकी आबादी करीब 17-18 फीसदी है। येदियुरप्पा की अगुवाई के चलते लिंगायत समुदाय को भाजपा का ही समर्थक माना जाता है। लेकिन भाजपा यहां जिस एक और समुदाय को लुभाना चाहती है, वो है-वोक्कालिंगा। दोनों समुदाय की आबादी को अगर मिला दें तो करीब 33-34 फीसदी वोट बैंक बन जाता है।

भाजपा के मुख्य रणनीतिकार अमित शाह ने कर्नाटक में 224 में से 136 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। यह कितना आसान होगा, ये फिलहाल नहीं कहा जा सकता। क्योंकि कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी ने भाजपा को कड़ी चुनौती देने के लिए कमर कस ली है। भाजपा अगर गुजरात मॉडल को पेश करना चाहती है तो दूसरी तरफ कांग्रेस के पास भी हिमाचल जीत का परचम लहराने का मौका है। पिछले दिनों कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने बैंगलुरु में संबोधित किया था और महिलाओं के लिए नई योजना की घोषणा की थी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनें मल्लिकार्जुन खरगे का यह गृहराज्य है और वे राष्ट्रीय स्तर पर कर्नाटक के दिग्गज नेता माने जाते हैं। एक और पहलू है जिसका कांग्रेस को फायदा मिल सकता है। मल्लिकार्जुन खरगे दलित समुदाय से आते हैं। कर्नाटक में सबसे बड़ी आबादी दलित मतदाताओं की है। कर्नाटक में अनुसूचित जाति (की आबादी 23% है। यहां विधानसभा की 35 सीटें एससी के लिए आरक्षित हैं। पिछली बार यानी 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सबसे बड़ी पार्टी बनाने में दलितों का बड़ा योगदान रहा था। भाजपा को इस समुदाय का 40 फीसदी वोट मिला था। जबकि 2013 में कांग्रेस को 65 फीसदी दलित वोट मिले थे। पिछले कुछ सालों से सूबे में एससी समुदाय के बीच कांग्रेस का जनाधार सिकुड़ते जा रहा था। मल्लिकार्जुन खरगे के पार्टी अध्यक्ष बनने से कर्नाटक का दलित वोट बैंक फिर से कांग्रेस की ओर लामबंद हो सकता है।

कर्नाटक में भाजपा की लंबे समय से सत्ता है। लेकिन आंतरिक सर्वे से पार्टी को झटका लगता दिख रहा है। सर्वे के मुताबिक उतनी सीटें आती नहीं दिख रही है, जितनी सीटों का अमित शाह ने लक्ष्य रखा है। और यही वजह है कि पार्टी एक बार फिर से प्रदेश के दिग्गज नेता बीएस येदियुरप्पा को आगे कर रही है। भाजपा के साथ दूसरी मजबूरी यह भी है कि कर्नाटक में भाजपा के पास कोई ऐसा चेहरा नहीं, जिसकी बदौलत आसानी से सरकार बन जाये। दरअसल कर्नाटक में भाजपा के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा की दमदार छवि रही है। साल 2008 में कर्नाटक में भाजपा को सत्ता दिलाने में उनका बड़ा योगदान माना जाता है। उनका ताल्लुक किसान परिवार से रहा है और उन्हें लिंगायत समुदाय का पूरा समर्थन है। ऐसा समझा जाता है राज्य की 224 सीटों में से 40 से अधिक सीटों पर उनके व्यक्तित्व का सीधा दबदबा है। लेकिन पार्टी नियम के मुताबिक बढ़ती उम्र के चलते साल 2021 में उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटना पड़ा था। पद से हटने के बाद समझा जा रहा है वो पार्टी से नाराज चल रहे हैं। लेकिन चुनाव नजदीक आने पर उनकी नाराजगी पार्टी को कहीं भारी न पड़ जाये। लिहाजा 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी फिर से उन्हें सक्रिय करना चाहती है।

कर्नाटक के अंदर 2018 में जब विधानसभा चुनाव हुए थे तो भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। पार्टी को स्पष्ट बहुमत तो नहीं था, लेकिन 104 सीटों पर जीत जरूर मिली थी। सरकार बनाने के लिए कर्नाटक में बहुमत का आंकड़ा 113 है। राज्य में कांग्रेस और जेडीएस ने गठबंधन करके सरकार बनाई। हालांकि, बाद में दोनों पार्टियों के कई विधायकों ने पाला बदल लिया। इन विधायकों की मदद से भाजपा ने सरकार बनाई। बीएस येदियुरप्पा राज्य के मुख्यमंत्री बने। लेकिन 2021 में भाजपा नेतृत्व ने उनकी जगह बसवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बना दिया। कहा जाता है कि बोम्मई को येदियुरप्पा की सलाह पर ही मुख्यमंत्री बनाया गया। हालांकि, उसके बाद से येदियुरप्पा जरूर धीरे-धीरे साइड लाइन चले गए। कर्नाटक में येदियुरप्पा की पकड़ काफी मजबूत मानी जाती है। खासतौर पर लिंगायत समुदाय में उन्हें काफी पसंद किया जाता है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष भी कर्नाटक से ताल्लुक रखते हैं। इस चुनाव में वह भी काफी एक्टिव हैं। हालांकि, बताया जाता है कि बीएल संतोष, बीएस येदियुरप्पा और बोम्मई के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। भाजपा में ये तीन फ्रंट सामने हैं। इसके अलावा बोम्मई कैबिनेट के भी कुछ सीनियर मंत्री ऐसे हैं, जो मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं। इनका एक अलग मोर्चा बन चुका है।

देखा जाय तो मौजूदा समय कर्नाटक के अंदर सरकार और पार्टी दोनों ही कई चुनौतियों से जूझ रही है। हालांकि, इनमें से जो सबसे बड़ी चुनौती है वो कार्यकर्ता, संगठन के बड़े नेता और संगठन-सरकार में तालमेल की कमी है।इसके आलावा पिछले साल कर्नाटक के अंदर दो हिंदूवादी युवा नेताओं की हत्या हो गई। इन मामलों में सरकार के रवैए पर सवाल हुए। इससे संघ से जुड़े दूसरे संगठनों के कार्यकर्ता और युवा नेता नाराज चल रहे हैं। एबीवीपी, बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता और नेता सरकार से नाखुश हैं। ये लोग बोम्मई को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। बोम्मई के अलावा बीएस येदियुरप्पा, बीएल संतोष का भी अलग गुट प्रदेश में काम कर रहा है। इसके अलावा कुछ कैबिनेट मंत्री भी हैं, जो खुद को मुख्यमंत्री पद का मजबूत दावेदार मानते हैं। संगठन में कई गुट बनने से भी पार्टी को नुकसान होता दिख रहा है। आलम ये है कि एक गुट के समर्थक नेता किसी दूसरे गुट के बुलावे पर बैठक तक में शामिल नहीं होते। यहां तक की पार्टी के एक वरिष्ठ नेता खुद को सुपर मुख्यमंत्री मानकर चलते हैं। सीएमओ का कोई भी प्रोटोकॉल मानने से साफ इंकार कर देते हैं।

संघ प्रमुख का समरसता संदेश

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

पिछले कुछ दिनों से कुछ शब्दों के गलत अर्थ निकाल कर बहु समाज में विभाजन की कुटिल राजनीति चल रही है. ऐसे लोग बहु संख्यकों की अस्था पर भी प्रहार कर रहे हैं. पहले अवधी महाकाव्य राम चरित मानस शूद्र और ताड़ना शब्द का गलत अर्थ प्रचारित किया गया.

ताड़ना को प्रताड़ना बताने की शरारत हुई. इसी मानसिकता से शूद्र शब्द को वर्तमान में अनुसूचित जाति से जोड़ दिया गया. इसके बाद कुछ लोगों ने मोहन भागवत के भाषण को निशाने पर ले लिया. इसमें भी केवल एक शब्द का ही अपनी राजनीतिक सुविधा से अर्थ निकाला. उनका पूरा भाषण देखते तो शायद निंदकों को संत रविदास के विचारों की जानकारी मिलती. मोहन भागवत ने सनातन और वैदिक दर्शन के तत्व ज्ञान को रेखांकित किया था. उन्होने ने कहा कि व्यक्ति कर्म से श्रेष्ठ होता है। नतीजतन व्यक्ति का जन्म कहां हुआ यह मायने नहीं रखता।

व्यक्ति उसी धर्म का पालन करता है जो उसका मन, बुद्धि और संस्कारों से सुसंगत हो। बतौर भागवत शाश्वत धर्म कभी नहीं बदलता। उनका भाषण मराठी में था. वह मुंबई में आयोजित संत रविदास जयंती समारोह में बोल रहे थे. उन्होने कहा कि अपना देश, हिंदू समाज धर्म के आधार पर बडा हो, विश्व का कल्याण करे, यह हमारी भावना है। मौजूदा समय में देश की परिस्थिति पूरे जगत में ऐसी है, हम सब कर सकते हैं, ऐसा स्वप्न देखना संभव है। यदि चालीस वर्ष पूर्व कोई ऐसी बात कहता तो शायद उसकी हंसी उड़ाई जाती। पिछले कुछ वर्षों में देश की प्रतिष्ठा और सामर्थ्य बढ़ा है। भगवत गीता में धर्म की व्याख्या करते समय सत्य, करुणा, अंदर-बाहर पवित्रता और तपस्या ऐसे चार बिंदू प्रमुख माने गए हैं। इन बिंदुओं को छोड़कर कोई धर्म नहीं हो सकता। संत रविदास का जीवन दर्शन इन्ही चार बिंदुओं के इर्द-गिर्द घूमता नजर आता है. सिकंदर लोधी ने संत रविदास को इस्लाम कबूल करने के लिए कहा तो रविदास जी ने इनकार कर दिया था। रविदास ने कहा था कि वेदों में बताया हुआ धर्म श्रेष्ठ है। धर्मपरिवर्तन न करने की वजह से सिकंदर लोधी ने संत रविदास को जेल में डाल दिया था लेकिन रविदास जी ने धर्मपरिवर्तन नहीं किया। सरसंघचालक ने कहा कि मानव कल्याण के लिए धर्मपरिवर्तन की आवश्यकता नहीं होती, ऐसी रविदास ने अपने आचरण से साबित किया था। इसी प्रकार औरंगजेब ने जब काशी विश्वनाथ मंदिर तोड़ा और हिंदुओं पर अत्याचार प्रारंभ किए तब छत्रपति शिवाजी ने औरंगजेब को पत्र भेजा था कि राजा को लिए धर्म के आधार पर प्रजा को नहीं बांटना चाहिए। एक धर्म के लोगों का हित करते हुए यदि दूसरे धर्म के लोगों पर अत्याचार होंगे तो ऐसी हुकूमत के खिलाफ उन्हें तलवार लेकर उत्तर भारत की ओर जाना पड़ेगा. समता, कर्म और श्रम को महत्त्व देंगे तभी हमारा सामर्थ्य बढ़ेगा। हमारे समाज मे श्रम को प्रतिष्ठा नहीं दी जाती। सरसंघचालक ने बताया कि भारत में बेरोजगारी की प्रमुख वजह श्रम प्रतिष्ठा का अभाव है। श्रमनिष्ठा को कल्याणी मान कर चलना होगा समान.समाज में धर्म-जाती और विषमता के आपसी भेद मिटाकर स्नेह भाव बढ़ना चाहिए। अपने मन, बुद्धि और संस्कारों से सुसंगत धर्म का पालन कर श्रम को प्रतिष्ठा देनी होगी तभी भारत विश्वगुरु बनेगा और संत रविदास का नाम पूरे विश्व में जाना जाएगा। वस्तुतः विषय विशेषज्ञ को पंडित कहते हैं.ब्राह्मण वर्ण है. कुछ समय पहले भी मोहन भागवत ने सामाजिक समरसता का सन्देश दिया था। उनका कहना था कि सभी भारतीयों का डीएनए एक है। इसलिए सामाजिक समरसता का भाव रहना चाहिए। उपासना पद्धति में अंतर होने से भी इस विचार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। भारत में तो प्राचीन काल से सभी मत पंथ व उपासना पद्धति को सम्मान दिया गया। सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयः ही भारत की विचार दृष्टि है। निःस्वार्थ सेवा और सामाजिक समरसता भारत की विशेषता रही है। सेवा कार्य में कोई भेदभाव नहीं होता। संविधान की प्रस्तावना में ही बंधुत्व की भावना का उल्लेख किया गया है। यह शब्द हिंदुत्व की भावना के अनुरूप है। इस दर्शन में किसी सम्प्रदाय से अलगाव को मान्यता नहीं दी गई। विविधता के बाद भी समाज एक है। भाषा,जाति, धर्म,खानपान में विविधता है। उनका उत्सव मनाने की आवश्यकता है। कुछ लोग विविधता की आड़ में समाज और देश को बांटने की कोशिश में जुटे रहते हैं। लेकिन भारतीय चिंतन विविधता में भी एकत्व सन्देश देता है। हमारी संस्कृति का आचरण सद्भाव पर आधारित है। यह हिंदुओं तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत में रहने वाले ईसाई और मुस्लिम परिवारों के भीतर भी यह भाव साफ देखा जा सकता है। एक सौ तीस करोड़ का समाज भारत माता का पुत्र है। बंधु है। क्रोध और अविवेक के कारण इसका लाभ लेने वाली अतिवादी ताकतों से सावधान रहना है। सेवा समरसता आज की आवश्यकता है। इस पर अमल होना चाहिए। इसी से श्रेष्ठ भारत की राह निर्मित होगी।वर्तमान परिस्थिति में आत्मसंयम और नियमों के पालन का भी महत्व है। समाज में सहयोग सद्भाव और समरसता का माहौल बनाना आवश्यक है। भारत ने दूसरे देशों की सहायता करता रहा है। क्योंकि यहीं हमारा विचार है।

समस्त समाज की सर्वांगीण उन्नति ही हमारा एकमात्र लक्ष्य है। जब हिंदुत्व की बात आती है तो किसी अन्य पंथ के प्रति नफरत, कट्टरता या आतंक का विचार स्वतः समाप्त हो जाता है। तब वसुधैव कुटुंबकम व सर्वे भवन्तु सुखिनः का भाव ही जागृत होता है। भारत जब विश्व गुरु था,तब भी उसने किसी अन्य देश पर अपने विचार थोपने के प्रयास नहीं किये। भारत शक्तिशाली था, तब भी तलवार के बल पर किसी को अपना मत त्यागने को विवश नहीं किया।

चल उड़ जा रे पंछी...

डॉ. सुरेश कुमार

सीनियर ईमानदार और जूनियर ईमानदार आपस में बातचीत कर रहे हैं।

सीनियर ईमानदार – बेटा तुम बड़ा होकर क्या बनना चाहोगे?

जूनियर ईमानदार (फटाक से) – धोखेबाज।

सीनियर ईमानदार – धोखेबाज तुम ऐसा क्यों बनना चाहते हो?

जूनियर ईमानदार धड़ल्ले से कहते हुए – आज का जमाना धोखेबाजों है। लोग धोखेबाजों को मजबूत , होशियार और बेहतर समझते हैं। वे हमेशा किसी भी कार्य को मजबूती से और बेहतर करने का दमखम रखते हैं। जब कभी पकड़े जाते हैं, तो खुद को कमजोर नहीं समझते, परंतु अगली बार इससे बेहतर कर सकते हैं इसके बारे में सोचकर वह और धोखा देने के बारे में विचार करते हैं।

धोखेबाज लोग हमेशा पहले अपने काम की बात करते हैं। वे हमेशा स्वयं को अपना केंद्र मानते हैं। वे अपना उल्लू साधने में ही अपनी भलाई समझते हैं। वे कभी भी बिना सोचे नहीं बोलते अगर उन्हें कोई भी बात समझ में नहीं आती तब वह उसके बारे में नहीं बोलते।

धोखेबाज लोग बुरे समय में भी अपना काम कर सकते हैं वह कभी भी अच्छे समय आने का इंतजार नहीं करते। वह कभी भी समय का दुरुपयोग नहीं करते हर समय की कीमत रखते हैं और उसका हमेशा उपयोग करते हैं।

धोखेबाज लोग हमेशा धोखाधड़ी के बारे में सोचते हैं। वे हमेशा धोखेबाज लोगों के साथ रहते हैं। इससे उन्हें धोखा देने के नए-नए गुर सीखने को मिलते हैं। इन्हीं गुरों के चलते वे बहुत कम- समय में धनवान बन जाते हैं। लोग उन्हें सलाम ठोंकते हैं। जी हुजूरी करते हैं। सीधे रास्ते पर चलकर किसी का भला नहीं हुआ है। अपित उसे कई कष्टों का सामना करना पड़ता है। धोखेबाज लोग हमेशा अपने मन को शांत रखते हैं और गुस्सा भी नहीं करते। बल्कि दूसरों के मन को अशांत और भड़काते रहते हैं। ऐसा करने से उनके काम आसानी से बन जाते हैं। वे आँखों में धूल झोंकने में माहिर होते हैं।

दुनिया में ऐसे बहुत कम लोग हैं जो अपनी लाइफ में फ्यूचर की प्लानिंग पहले से ही करके रखते हैं। ऐसे लोग मुसाफिर की तरह होते हैं उन्हें अपनी यात्रा के बारे में कुछ भी अंदाजा नहीं होता कि उन्हें आखिर कहां तक पहुंचना है और उनकी मंजिल कहां पर है। धोखेबाज लोग प्लानिंग में एक्सपर्ट होते हैं, वे पहले से ही प्लानिंग करके रखते हैं । वे अपने हर एक कदम सोच समझ कर लेते हैं उनके लिए कोई भी काम मुश्किल नहीं लगता।

सीनियर ईमानदार – उफ्फोह, मतलब जीवन भर तुम्हें जो सिखाया, क्या वह बेकार गया

जूनियर ईमानदार – यह दुनिया सीधे रास्ते से चलने से नहीं चलती। धोखा देने का गुर सीख सको तो चलती है। आपने मुझे सीधे रास्ते पर चलने का संदेश दिया है। इस रास्ते पर चलने से सुख नहीं केवल दुख ही प्राप्त होंगे। मैं तो कहता हूँ कि आप भी ईमानदारी का रास्ता छोड़ मेरी तरह सफल होने का शार्टकट अपना लीजिए। यह सब सुन सीनियर ईमानदार बेहोश हो गया। उसके पार्श्व में चल उड़ जा रे पंछी का गीत बज उठा।

पाक अपनी दुर्दशा का खुद जिम्मेदार

संजीव ठाकुर

पाकिस्तान में इमरान सरकार ने पिछले 3 सालों में स्थिति बद से बदतर कर दी थी। मुद्रास्फीति और महंगाई चरम सीमा पर है चावल, गेहूं ,आटा ,शक्कर और फलों के दाम आम नागरिकों की पहुंच से बाहर हो चुके है। फलों के दामों में आग लगी हुई है। इसके अलावा पेट्रोल-डीजल के दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी ने शाहबाज सरकार को आलोचना का बड़ा शिकार बना दिया है। इमरान सरकार के हटने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि शाहबाज शरीफ की सरकार और उनके भानुमति के कुनबे को कुछ अक्ल आएगी, किंतु यह सरकार तो इमरान सरकार से भी गई गुजरी दिखाई देने लगी है। पाकिस्तान सरकार के पास रोजमर्रा का खर्च चलाने के लिए पैसे नहीं है उनका अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में बैलेंस कुछ अरब डॉलर का ही रह गया है। बलूची आतंकवादियों द्वारा कराची में बम विस्फोट के कारण चीनी नागरिकों की मौत से चीन सरकार पाकिस्तानी सरकार से काफी नाराज चल रही है और उसने अपनी सहायता रोक दी है, शहबाज शरीफ चीनी नागरिकों की सुरक्षा को हर संभव प्राथमिकता देने के बाद भी चीनी सरकार का गुस्सा खत्म नहीं हो रहा है, उसने तक तत्काल प्रभाव से पाकिस्तान को सारी सहायता रोक दी और अपनी सारी परियोजनाओं पर काम करना बंद कर दिया है।

इसके अलावा सऊदी अरब, तुर्की और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपनी सहायता वर्तमान में रोककर पाकिस्तान की समस्या को दुगना कर दिया है। इसके बाद भी इमरान खान की तरह प्रधानमंत्री शरीफ भी कश्मीरी राग अलाप कर भारत का विरोध लगातार कर रहे हैं।

बड़बोले पन की हद तक जाकर उन्होंने ऐलान किया है कि वह अपनी कमीज बेच कर भी आवाम को आटा, शक्कर ,चावल, गेहूं उपलब्ध कराएंगे। पर शायद पाकिस्तान की किस्मत में केवल फटे खाली ही लिखी है, वर्तमान में पाकिस्तान न सिर्फ बिजली संकट से जूझ रहा है बल्कि बिजली संकट के कारण पानी की भी अभूतपूर्व कमी हो गई है इसके अलावा प्राकृतिक रूप से पाकिस्तान के अलग-अलग प्रांतों में गर्मी 50 डिग्री सेल्सियस हो कर कहर ढा रही है, इस कारण अधिकांश क्षेत्रों में सूखा और भुखमरी की स्थिति निर्मित हो गई, सिंध प्रांत के मुख्यमंत्री के सलाहकार मंजूर वासन ने बताया की सिंध में कपास की उपज पानी की कमी तथा गर्मी के कारण सूख चुकी है, इसके अलावा पाकिस्तान में आम काली मिर्च, कपास, चावल, गेहूं और गन्ना उगाया जाता है, जो इस इलाके में गर्मी 50 डिग्री सेल्सियस होने के कारण बर्बाद हो गए हैं वहां त्राहि-त्राहि मची हुई है पूरे खेत सूख कर उत्पादन बर्बाद हो गया, बिजली योजनाएं ठप पड़ी हुई है जिसके कारण वहां के किसान आसमान की तरफ देख रोने और कलपने का काम ही कर रहे हैं। पाकिस्तान को यदि अपनी स्थिति सुधारनी है तो उसके पास एक ही विकल्प है कि वह भारत से दुश्मनी की जिद छोड़ कर व्यापारिक संबंधों के लिए भारत देश से निवेदन करें, भारत ने अनेक देशों की मदद की है और पूर्व में वह पाकिस्तान को कपास तथा गेहूं और चावल निर्यात किया करता था वह भी कम कीमत पर, अब पाकिस्तान श्रीलंका की तरह दिवालियेपन की कगार पर खड़ा है। पाकिस्तान में कृषि उत्पादन, उद्योग उत्पादन, और अन्य आवश्यक वस्तुओं के उत्पादन एकदम शून्य हो गए हैं। पाकिस्तान की स्थिति अफगानिस्तान से कमतर नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय न्यूज़ एजेंसी के अनुसार पाकिस्तानी न्यूज़ मीडिया को इमरान खान के हटने और नई शहबाज शरीफ की सरकार से वैसे भी बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं थी पर वहां का मीडिया पूरी तरह से नाउम्मीद होकर शाहबाज शरीफ के मंत्रिमंडल और मंत्रियों की बखिया उधेड़ने में लगा हुआ है।

पाकिस्तान को इस गरीबी और भूखमरी की स्थिति से उबरने के लिए आत्मनिर्भर बनने के लिए कम से कम 5 से 6 साल लगने की आशंका है और इस दौरान यदि वह दिवालिया होता है तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। पाकिस्तान के संबंध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका, ब्रिटेन, इसराइल, फ्रांस, कनाडा अन्य यूरोपीय देशों के साथ भारत से भी अच्छे नहीं रहे हैं, इन परिस्थितियों में संयुक्त राष्ट्र संघ जो कि यूरोपीय देशों के इशारे पर संचालित होता है पाकिस्तान की मदद करने में रुचि लेता नहीं दिखाई दे रहा है।

पाकिस्तान की नई सरकार के सर मुड़ाते ही ओले पड़ने की स्थिति हो गई है। शाहवाज शरीफ को पाकिस्तान की प्रधानमंत्री की कुर्सी बहुत ही संकट के समय मिली है और पाकिस्तान की बीमारी तथा आराजकता की स्थिति को संभालने के लिए प्रधानमंत्री सहवाग शरीफ के पास पर्याप्त अनुभव भी नहीं है इसके अलावा नवाज शरीफ की सलाह इस संकट की स्थिति में किसी काम की भी नहीं रह गई है। ऐसे में पाकिस्तान के सिंध पंजाब और लरकाना जैसे समृद्धि क्षेत्र में भुखमरी जैसी स्थिति से निपटने के लिए कोई उपाय भी शेष नहीं रह गये है।

अब पाकिस्तान के पास अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, अपने एकमात्र आका चीन तथा हमेशा मदद करने वाला देश सऊदी अरेबिया के पास जाने के अलावा कोई रास्ता शेष नहीं बचा है।

संकष्टी चतुर्थी, इस दिन भगवान गणेश को 'द्विजप्रिय' रूप में पूजने की परंपरा

आज गुरुवार को भगवान गणेश के 'द्विजप्रिय' रूप की पूजा होगी। साथ में देवी पार्वती का पूजन भी होगा। इस दिन सुहागन महिलाएं व्रत रखेंगी। शाम को चंद्रमा को अर्घ्य देने के साथ व्रत पूरा हो जाएगा।

फाल्गुन मास शुरू होते ही पहला पहला व्रत कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को होता है। ये संकष्टी चतुर्थी होती है। इस दिन भगवान गणेश के उस रूप की पूजा होती है जिसमें यज्ञोपवित यानी जनेऊ पहने हो। इसलिए इसे द्विजप्रिय चतुर्थी कहा जाता है।

मान्यताओं के अनुसार इस व्रत में गौरी-गणेश की पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस दिन सूर्योदय से पहले उठकर नहाने के बाद लाल कपड़े पहनकर गौरी-गणेश की पूजा के बाद व्रत का संकल्प लिया जाता है।

शुभ संयोग: सुकर्मा, मातंग और बुधादित्य योग
गुरुवार को तिथि और ग्रह-नक्षत्र से मिलकर सुकर्मा और मातंग नाम के दो शुभ योग बनेंगे। साथ ही बुध मकर राशि में सूर्य के साथ उसी के नक्षत्र में रहेगा। जिससे बुधादित्य राजयोग बनेगा। इन योगों के शुभ संयोग में किए गए व्रत और पूजा-पाठ का शुभ फल और बढ़ जाएगा।

चतुर्थी की शुरुआत 9 फरवरी को सूर्योदय के साथ ही हो जाएगी। ये तिथि अगले दिन सुबह करीब 8 बजे तक रहेगी। ज्योतिष में गुरुवार को सौम्य और शुभ दिन माना जाता है। इस संयोग में गौरी-गणेश की पूजा करना विशेष शुभ रहेगा।

पौराणिक कथा: क्यों कहते हैं द्विजप्रिय
पौराणिक कथा के मुताबिक जब देवी पार्वती भगवान शिव से किसी बात को लेकर रूठ गईं तो उन्हें मनाने के लिए भगवान शिव ने भी ये व्रत किया था। इससे पार्वती जी प्रसन्न होकर वापस शिव लोक लौट आई थीं। इसलिए गणेश-पार्वती जी दोनों को यह व्रत प्रिय है इसलिए इस व्रत को द्विजप्रिय चतुर्थी कहते हैं।

संकष्टी चतुर्थी पूजा विधि
चतुर्थी पर सुबह जल्दी उठकर नहाने के बाद लाल कपड़े पहनकर व्रत का संकल्प लें। पूजा स्थान पर दीपक जलाएं। साफ आसन या चौकी पर भगवान गणेश और देवी गौरी यानी पार्वती की मूर्ति या चित्र रखें।

धूप-दीप जलाकर शुद्ध जल, दूध, पंचामृत, मौली, चंदन, अक्षत, अबीर, गुलाल, जनेऊ, दूर्वा, कुमकुम, हल्दी, मेहंदी, फूल और अन्य पूजन सामग्री से गौरी-गणेश की पूजा करें। पूजा के दौरान ॐ गणेशाय नमः और गौरी दैव्ये नमः मंत्रों का जाप करें। मिठाई और फलों का नैवेद्य लगाएं। आरती करने के बाद प्रसाद बांट दें।

जब नहीं रही राधा जी तो कान्हा ने तोड़ी अपनी बांसुरी

राधा की बात हो और कृष्ण का ज़िक्र न हो, भला यह कैसे संभव है। राधा कृष्ण को एक दूसरे के बिना अधूरा माना जाता है, तभी तो सभी भक्त कृष्ण को राधा कृष्ण के नाम से पुकारते हैं। यह दोनों नाम एक दूसरे के लिए ही बने हैं और इन्हें अलग नहीं किया जा सकता। आइए पढ़ते हैं श्री राधा कृष्ण के पवित्र प्रेम की अलौकिक कथा...

जब मामा कंस ने भगवान श्री कृष्ण और बलराम को मथुरा आमंत्रित किया तब पहली बार भगवान श्री कृष्ण और राधा अलग हुए थे।

लेकिन विधि का विधान कुछ और ही था। राधा रानी एक बार फिर श्री कृष्ण से मिलीं। राधा कृष्ण की नगरी द्वारिका जा पहुंची और जब कृष्ण ने राधा को देखा तो बहुत प्रसन्न हुए। दोनों संकेतों की भाषा में एक दूसरे से काफी देर तक बातें करते रहें और शास्त्रों में वर्णित है कि राधा जी को कान्हा की नगरी द्वारिका में कोई नहीं पहचानता था।

राधा रानी के अनुरोध पर कृष्ण ने उन्हें महल में एक देविका के रूप में नियुक्त किया। राधा दिन भर महल में रहती थीं और महल से जुड़े कार्य देखती थीं। मौका मिलते ही वह कृष्ण के दर्शन कर लेती थीं। लेकिन सांसारिक जीवन से उनकी बिदाई की बेला करीब आई तो कृष्ण से दूर जाने पर मजबूर हो गईं। इसलिए एक शाम वह महल से चुपके से निकल गईं और न जाने किस ओर चल पड़ीं। उन्हें नहीं पता था कि वह कहां जा रही हैं लेकिन भगवान श्री कृष्ण जानते थे।

धीरे-धीरे समय बीता। राधा रानी बिलकुल अकेली हो गई थीं और उन्हें भगवान श्री कृष्ण की आवश्यकता पड़ी। वह किसी भी तरह भगवान कृष्ण को देखना चाहती थीं। उनकी यह इच्छा जानते ही भगवान श्री कृष्ण उनके सामने आ गए।

कृष्ण को अपने सामने देखकर राधा रानी अति प्रसन्न हो गईं। परंतु वह समय निकट था जब राधा अपने प्राण त्याग कर दुनिया को अलविदा कहना चाहती थीं। कृष्ण ने राधा से कहा कि वह उनसे कुछ मांगे लेकिन राधा ने मना कर दिया। कृष्ण के दोबारा अनुरोध करने पर राधा ने कहा कि वह आखरी बार उन्हें बांसुरी बजाते देखना चाहती हैं। श्री कृष्ण ने बांसुरी ली और बेहद सुरीली धुन में बजाने लगे। बांसुरी की धुन सुनते-सुनते राधा ने अपने शरीर का त्याग कर दिया।

उनके जाते ही भगवान श्री कृष्ण बेहद दुखी हो गए और उन्होंने बांसुरी तोड़कर दूर फेंक दिया। जिस जगह पर राधा ने कृष्ण जी का अंतिम समय तक तक इंतज़ार किया उसे 'राधा रानी मंदिर' के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर महाराष्ट्र में स्थित है।

फाल्गुन मास में करें ये उपाय, पति-पत्नी के रिश्तें में आएगी मधुरता

कल यानी 6 फरवरी दिन सोमवार से फाल्गुन मास का आरंभ हो चुका है और इसका समापन 7 मार्च को होगा। धार्मिक नजरिए से इस महीने को बेहद ही खास माना जाता है, फाल्गुन मास भगवान शिव और भगवान श्रीकृष्ण की पूजा आराधना को समर्पित किया गया है। मान्यता है कि इस पूरे महीने में अगर कुछ देवी देवताओं की पूजा की जाए तो साधक को लाभ मिलता है इस महीने कुछ खास उपाय भी किए जा सकते है मान्यता है कि इन उपायों को करने से वैवाहिक जीवन और प्रेम संबंधों में मधुरता आती है और तनाव भी दूर हो जाता है तो आज हम आपको फाल्गुन मास में किए जाने वाले उपाय बता रहे है तो आइए जानते है।

फाल्गुन मास में करें ये उपाय
हिंदू धर्म मान्यताओं के अनुसार फाल्गुन मास के पवित्र महीने में शिवलिंग पर बेला के पुष्प अर्पित करने से सुयोग्य जीवनसाथी की प्राप्ति होती है जिसके होने से घर परिवार में हमेशा ही सुख और संपन्नता वास करती है। वही अगर इस महीने में रोजाना नियम से भगवान कृष्ण को उनके प्रिय पुष्प कुमुद, करवरी, चणक, मालती, पलाश और वनमाला के पुष्प अर्पित किए जाएं तो वैवाहिक जीवन में चल रही सभी समस्याओं से छुटकारा मिल जाएगा और मनचाहा जीवनसाथी भी प्राप्त होगा।

अगर आपकी शादी ब्याह में कोई अड़चन आ रही है या फिर शीघ्र विवाह के योग नहीं बन रहे है तो ऐसे में आप इस महीने में सुगंधित केवड़े के पुष्प से बना इत्र को पानी में डालकर स्नान करें और फिर पीला चंदन भगवान श्रीकृष्ण को अर्पित करें ऐसा करने से आपको लाभ जरूर मिलेगा।

अगर नहीं खाना चाहते है धोखा

तो इन बातों पर करें अमल

आचार्य चाणक्य को भारत के महान विद्वानों में से एक माना जाता है इनकी नीतियां देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है चाणक्य ने अपने जीवन के अनुभवों को नीतिशास्त्र ग्रंथ में पिरोया है जिसे चाणक्य नीति के नाम से जाना जाता है चाणक्य ने मनुष्य जीवन से जुड़े हर पहलु पर अपनी नीतियों का निर्माण किया है।
मान्यता है कि इनकी नीतियों को जो भी मनुष्य अपने जीवन में उतार लेता है उसका जीवन सरल और सहज हो जाता है चाणक्य ने कुछ ऐसी बातों के बारे में बताया है जिस पर अगर कोई अमल कर ले तो वह जीवन में कभी धोखा नहीं खाएगा और तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ता जाएंगा।
तो आज हम आपको चाणक्य नीति के बारे में विस्तार से बता रहे है तो आइए जानते है।

चाणक्य नीति
चाणक्य नीति अनुसार मनुष्य को हमेशा ही अपनी वाणी पर कंट्रोल रखना चाहिए उनका मानना था कि वाणी ऐसी चीज़ है जो मनुष्य को फर्श से अर्स तक पहुंचा सकती है और परेशानियों में भी डाल सकती है ऐसे में मनुष्य को सदैव मीठी वाणी का ही प्रयोग करना चाहिए और साथ ही सज्जन मनुष्य की संगत करना चाहिए। ऐसे लोगों का साथ आपके व्यक्तित्व का निखार करता है और सही गलत में फर्क भी समझाता है। चाणक्य अनुसार मेहनत से जी चुराने वाले लोग बहुत ही परेशानी रहते है जो लोग मेहनत नहीं करना चाहते है और खुद को किस्मत के भरोसे छोड़ देते है ऐसे लोग जीवन में सफल नहीं हो पाते है वही किस्मत और मेहनत का साथ पाने वाले हर क्षेत्र में सफलता हासिल करते है चाणक्य नीति कहती है कि जो मनुष्य अपनी कमाई से संतुष्ट रहता है उसको सफलता जरूर मिलती है।

घर की इस दिशा में भूलकर भी ना रखें ये सामान

ज्योतिष और वास्तु की मानें तो पश्चिम दिशा वरुद देवता और शनि महाराज की होती है यही वजह है कि इस दिशा में कुछ चीजों को नहीं रखना चाहिए। वास्तु अनुसार भूलकर भी पश्चिम दिशा की ओर सिर करके नहीं सोना चाहिए इस दिशा में सिर करके सोने से मानसिक तनाव मिलता है और रोगों में भी वृद्धि होती है।
इस दिशा में रसोई घर बनवाना अशुभ माना जाता है अगर ऐसा है तो आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है इसके अलावा घर का मुख्य द्वार भी इस दिशा में नहीं होना चाहिए।
इससे महालक्ष्मी का घर में प्रवेश नहीं होता है, लेकिन अगर फिर भी आपका मुख्य द्वार पश्चिम में है तो इसे हमेशा ही बंद करके ही रखना चाहिए और दूसरे द्वार से आना जाना चाहिए।
पश्चिम दिशा में घर की ढलान नहीं करनी चाहिए और ना ही इस दिशा में घर के पानी की निकासी करना उचित माना जाता है। ऐसा करने से परिवार वालों को लंबी बीमारी से लड़ना पड़ सकता है।

चीनी के ये टोटके दूर करेंगे शनि और पितृदोष

हर घर की रसोई में चीनी बड़ी आसानी से मिल जाती है और इसका प्रयोग भोजन आदि में अधिक किया जाता है चीनी जितनी सेहत के लिहाज से जरूरी है उतना ही इसका महत्व ज्योतिषशास्त्र में भी बताया गया है, ज्योतिष में चीनी को लेकर कई ऐसे उपाय बताए गए है जिन्हें करने से लाभ मिलता है और समस्याओं से भी छुटकारा मिल जाता है।

चीनी का इस्तेमाल ग्रहों की स्थिति को सुधारने और ग्रहदोषों से छुटकारा पाने के लिए भी किया जाता है। ज्योतिषशास्त्र में चीनी से जुड़े कुछ ऐसे उपाय बताए गए है जिन्हें करने से शनि दोष और पितृदोष से छुटकारा पाया जा सकता है तो आज हम आपको उन्हीं उपायों के बारे में बता रहे है तो आइए जानते है।

चीनी से जुड़ा अचूक उपाय
अगर आपको नौकरी मिलने में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है तो ये स्थिति कुंडली में सूर्य के कमजोर होने को दर्शा रही है, ऐसे में कुंडली के सूर्य को मजबूत करने के लिए आप तांबे के बर्तन में चीनी और पानी का घोल बनाकर इसका सेवन करें मान्यता है कि इस उपाय को करने से सूर्य ग्रह मजबूत होता है। अगर आप कार्यों में सफलता पाना चाहते है, तो एक रात पहले ही तांबे कि बर्तन में पानी के साथ चीनी मिलाकर रख दें इसके बाद जरूर काम से घर से बाहर निकलने से पहले इसे पी लें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से सफलता प्राप्त होती है।

किियारा बनीं सिद्धार्थ मल्होत्रा की दुल्हनियां

दूल्हे ने गोल्डन शेरवानी और दुल्हन ने पिंक लहंगा पहना, बोले- अब हमारी परमानेंट बुकिंग हो गई

एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी शादी के बंधन में बंध गए हैं। जैसलमेर के होटल सूर्यगढ़ में दोनों ने परिवार और करीबियों के बीच सात फेरे लिए। इस शादी की सबसे खास बात ये रही कि कियारा ने शादी के लिए लाल नहीं बल्कि गुलाबी रंग चुना। उन्होंने पंजाबी वेडिंग में भी लाल की जगह गुलाबी चूड़ा पहना। शादी के बाद कपल ने इंस्टाग्राम हैंडल पर फर्स्ट वेडिंग फोटोज शेयर कीं। शादी के लिए सिद्धार्थ जहां गोल्डन एम्ब्रॉयडरी वाली ऑफ व्हाइट शेरवानी में नजर आए, वहीं कियारा ने पिंक लहंगा पहना।

कियारा-सिद्धार्थ ने शाम साढ़े 6 बजे सूर्यगढ़ की बावड़ी में फेरे लिए।

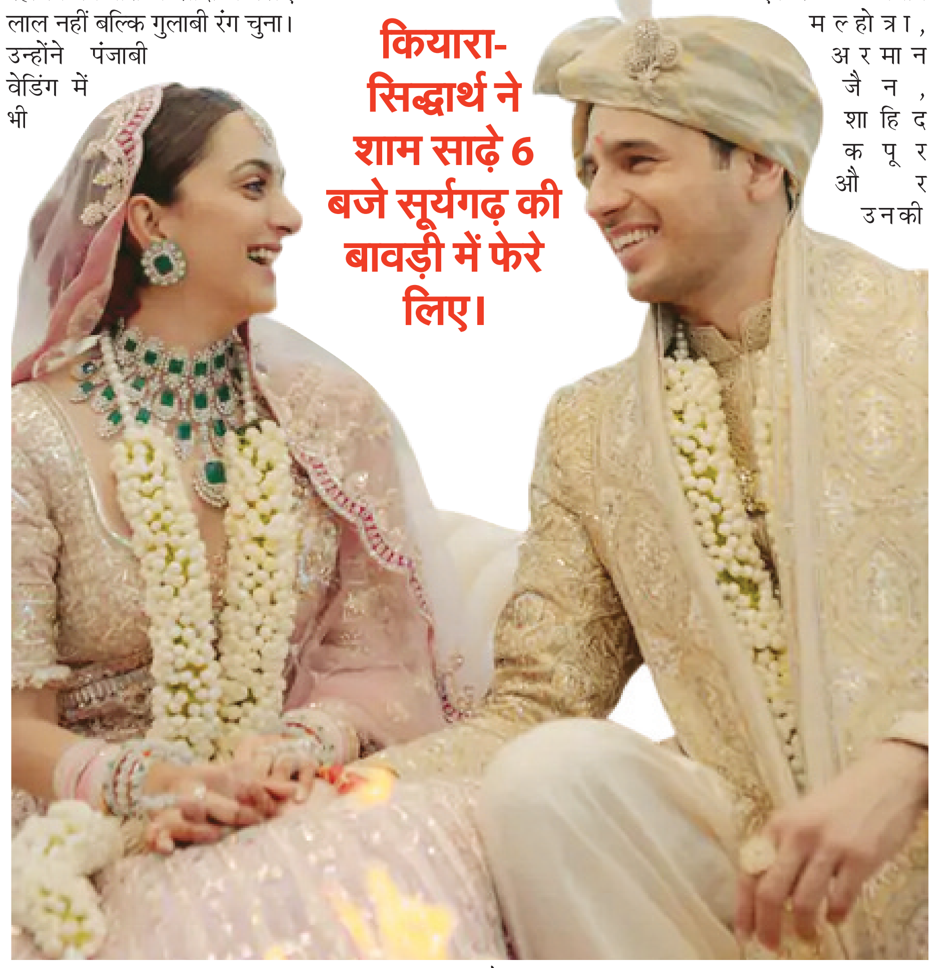

सिड-कियारा ने शेयर की वेंडिग फोटो

7 फरवरी की रात कपल ने अपनी वेडिंग की खास फोटोज शेयर करते लिखा- 'अब हमारी परमानेंट बुकिंग हो गई है। हमें आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है।' फैंस लंबे समय से शेरशाह फेम कपल को रियल लाइफ कपल के तौर पर देखना चाहते थे, फाइनली वो दिन आ गया।

शाही शादी के लिए होटल को विदेशी फूलों से मंडप सजाया गया। कियारा-सिद्धार्थ ने शाम साढ़े 6 बजे के करीब जैसलमेर के होटल सूर्यगढ़ की बावड़ी में फेरे लिए। शाही शादी के लिए होटल को विदेशी फूलों से मंडप सजाया गया।

बॉलीवुड से आए सिड-कियारा के दोस्त

सिड-कियारा की शादी में बॉलीवुड से जुड़े कई मेहमानों ने शिरकत की। इनमें फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा, फिल्म निर्माता करण जौहर, एक्टर मनीष मल्होत्रा, अरमान जैन, शाहिद कपूर और उनकी वाइफ मीरा राजपूत, जूही चावला और उनके हसबैंड जय मेहता, मेकअप आर्टिस्ट स्वर्णलेखा गुप्ता, हेयर ड्रेसर अमित ठाकुर, वेडिंग फिल्म शूटर विशाल पंजाबी, म्यूजिक के लिए DJ गणेश, हरि और सुखमणि और जॉकी, ईशा अंबानी अपने पति आनंद पीरामल जैसे सेलेब्स शामिल रहे।

सिड-कियारा की शादी में बॉलीवुड से जुड़े कई मेहमानों ने शिरकत की। इनमें फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा, करण जौहर, एक्टर मनीष मल्होत्रा,अरमान जैन, शाहिद कपूर और उनकी वाइफ मीरा राजपूत जैसे सेलेब्स शामिल रहे।

सिड-कियारा की शादी में बॉलीवुड से जुड़े कई मेहमानों ने शिरकत की। इनमें फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा, करण जौहर, एक्टर मनीष मल्होत्रा,अरमान जैन, शाहिद कपूर और उनकी वाइफ मीरा राजपूत जैसे सेलेब्स शामिल रहे।

धूमधाम से निकली सिड-कियारा की बारात

सोशल मीडिया पर सिद्धार्थ और कियारा की बारात के कई वीडियोज सामने आए। शाही शादी के लिए खास दिल्ली से बैंड वालों को बुलाया गया था। वीडियोज में सूर्यगढ़ पैलेस के अंदर जाते बैंड बाजे वाले नजर आ रहे थे। इतना ही नहीं वीडियो में सिक्योरिटी गार्ड और सिद्धार्थ के टीम मेंबर भी नजर आए जो बैंड वालों को एक-एक करके अंदर एंट्री करवा रहे थे।

सिद्धार्थ सफेद घोड़ी पर बैठकर अपनी बारात लेकर कियारा के पास गए थे। बारात में ढोल का इंतजाम किया गया था। जिस पर करण जौहर और शाहिद कपूर जमकर नाचे थे।

सिद्धार्थ सफेद घोड़ी पर बैठकर अपनी बारात लेकर कियारा के पास गए थे। बारात में ढोल का इंतजाम किया गया था। जिस पर करण जौहर और शाहिद कपूर जमकर नाचे थे।

सिड-कियारा की लव स्टोरी

कियारा-सिद्धार्थ ने कभी फैंस के सामने अपने प्यार का इजहार नहीं किया। शादी की भी दोनों की ओर से अनाउंसमेंट नहीं की गई। शेरशाह की शूटिंग से शुरू हुई लव स्टोरी को दोनों लंबे समय तक छिपाते आए।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी पर लगाएंगे रेप चार्ज : आलिया के वकील

एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी और उनकी पत्नी आलिया के बीच शुरू हुआ विवाद नवाज की मुश्किलें बढ़ा सकता है। हाल ही में नवाज के वकील ने आलिया पर संगीत आरोप लगाए, अब इन आरोपों पर आलिया के वकील का रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने नवाजुद्दीन और उनके वकील पर पलटवार किया है।

रिजवान ने कहा- 'हम नवाज पर आर्टिकल 509 के तहत केस दायर करेंगे, इतना ही नहीं हम उन पर रेप के चार्जेज लगाएंगे। हम उन्हें डीएनए टेस्ट के लिए भी बुलाएंगे।'

रिजवान सिद्दीकी ने आगे कहा- नवाज के वकील ने बेहद बचकानी हरकत की है। बजाए कोर्ट में आने के उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाकर हमारे क्लाइंट के बारे में बेबुनियाद बातें कही हैं। लिहाजा हम अब नवाज पर आर्टिकल 509 के तहत केस दर्ज कराने वाले हैं। नवाज के वकील द्वारा लगाए हुए आरोपों में कोई वजन नहीं है। उन्होंने ये कहने की कोशिश की है कि मेरी क्लाइंट अमीरों को फंसाकर लूटती हैं। रिजवान ने कहा- 'नवाज पिछले 10 से 15 सालों से बच रहे हैं। नवाज के वकील ने दावों से ये

तक कह दिया कि बच्चे भी उनके नहीं हैं। ऐसे में अब नवाज पर तो और भी केस फाइल होने वाले हैं। बच्चे के साथ-साथ नवाज को भी डीएनए टेस्ट के लिए बुलाऊंगा।'

रिजवान पुलिस को आड़े हाथों लेते हुए कहा- 'नवाज की मां ने मेरी क्लाइंट पर आरोप लगा दिया कि उनके नाजायज संबंध हैं। तो पुलिस तो बिकी हुई है ही। ऐसे में हम उन पर आर्टिकल 509 के तहत केस दायर करेंगे, क्योंकि यह मेरे क्लाइंट का चरित्र हनन है। इस बारे में रिजवान कोर्ट से ऑर्डर ले रहें हैं।' रिजवान आगे के आरोपों को भी हास्यास्पद करार देते हैं। रिजवान कहते हैं- 'अगर मेरी क्लाइंट ने नवाज से पहले किसी विनय भार्गव से शादी की थी तो वह अब तक सामने क्यों नहीं आया, जबकि नवाज और आलिया सिद्दीकी की शादी को 11 साल हो चुके हैं। हम तो चाहेंगे कि नवाज खुद फोटो और वीडियो के साथ सामने आएं और बताएं कि वो विनय भार्गव कौन है और कहां हैं? '

रिजवान नवाज से सवाल करते हुए कहते हैं, 'अगर वाकई विनय भार्गव से शादी की बात सच है तो नवाज ने शादीशुदा औरत के साथ शादी क्यों की? क्यों उन्हें भगा कर ले गए, ये बात नवाज को बतानी होगी। नवाज क्या दूध पीते बच्चे थे तो किसी और की बीवी से शादी कर ली और उसने धर्म भी इनके कहने पर बदल लिया? कॉमन सेंस की बात है कि नवाज इतने बड़े हीरो हैं, जिनके साथ आलिया सिद्दकी की फोटो पब्लिक डोमेन में लगातार आ रही है, मगर विनय भार्गव जो अगर है तो वह कभी सामने ही नहीं आ रहा। रिजवान आगे कहते हैं, ' ये भी कमाल का आरोप है कि अगर साल 2011 में दोनों आपसी सहमति से अलग हो गए। फिर वापस साथ में आ भी गए। घर भी खरीदा। इतने डोमेस्टिक वॉयलेंस के केस हुए। बच्चे भी हुए। अब ये भी कहें कि वो बच्चा भी उनका नहीं है। समझा जा सकता है कि ये सब आरोप बेबुनियाद हैं। नवाज की अपनी आवाज नहीं है, जो सामने आएं और सारे आरोप लगाएं। उनकी जगह उनकी मां और उनके खानदान वाले आरोप लगा रहें हैं। '

रिजवान कहते हैं, 'आलिया ने अगर सालों से तलाक के नोटिस भिजवाए तो नवाज उनका क्या कर रहे थे, बैठे हुए थे। उनके लॉयर के हिसाब से आलिया तो किसी और की बीवी है। नवाज का पासपोर्ट मेरे पास है। उन पर असल पैदाइश की तारीख है। अगले तीन सालों में नवाज सीनियर सिटीजन हो जाएंगे। उन्होंने अपनी उम्र छह से सात साल छिपाई है।

सौम्या टंडन के साथ हुई थी छेड़खानी

टीवी का पॉपुलर शो 'भाबीजी घर पर हैं' फेम सौम्या टंडन ने हाल ही में एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि एक्टिंग में आने से पहले वो कई बार ईव-टीजिंग का शिकार हुई हैं। दरअसल सौम्या मध्य प्रदेश के उज्जैन में पली बड़ी हैं। इस दौरान उन्हें कई बार छेड़खानी का सामना करना पड़ा था। सौम्या ने खुलासा करते हुए कहा, 'ये बात ठंड की है। एक रात में घर वापस आ रही थी तो एक लड़के ने बाइक रोककर मुझ पर सिंदूर मल दिया। इस घटना से मैं बुरी तरह डरा गई थी।'

सौम्या ने एक और घटना को याद करते हुए कहा, 'स्कूल के समय एक और घटना घटी। उस समय मैं स्कूल से साइकिल पर आ रही थी तो एक लड़के ने मुझे ओवरटेक किया, जिससे मैं गिर गई। मेरे सिर में चोट लगी और हड्डी में फ्रैक्चर हो गया। मैं दर्द से रोती रही और मदद के लिए चिल्लाती रही पर किसी ने मेरी मदद नहीं की।'

सौम्या ने आगे कहा, 'उज्जैन में मेरा पूरा समय खुद को सड़क पर पीछा करने वालों से बचाने में और खुद की सुरक्षा करने में लगता था। उस समय कभी कोई मेरा पीछा करता था, तो कोई मेरे लिए एक-दूसरे से लड़ता था। वहीं कुछ लोग दीवारों पर उल्टी चीजें लिखते और चिट्ठियां फेंकते थे।'

सौम्या टंडन का जन्म 3 नवंबर 1984 को मध्य प्रदेश के भोपाल में हुआ था, लेकिन उनकी पूरी पढ़ाई उज्जैन से हुई है। सौम्या ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। फिर सौम्या ने 2006 से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'जब वी मेट' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा। उनके इस किरदार की काफी तारीफ भी हुई थी। हालांकि 'भाभी जी घर पर हैं' से उन्हें एक अलग पहचान मिली। कई सालों तक दर्शकों का एंटरटेनमेंट करने वाली सौम्या ने बेटे के जन्म के बाद इस शो को अलविदा कह दिया था।

सिड-कियारा के बहाने बॉलीवुड रिलेशनशिप पर तंज कसती नजर आईं कंगना

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा शादी के बंधन में बंध गए हैं। दोनों ने 7 फरवरी 2023 को जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में धूमधाम से शादी रचाई है। सिने जगत की तमाम हस्तियों ने कपल को बधाई दी है। इस बीच कंगना रणौत एक बार फिर सिड-कियारा के रिलेशनशिप की तारीफ करती नजर आई हैं। दरअसल हुआ यह कि जैसे ही कियारा-सिद्धार्थ की शादी की तस्वीरें सामने आईं। ट्विटर पर एक यूजर ने दोनों की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'क्या ये डेट कर रहे थे?' इस पर कंगना रणौत ने प्रतिक्रिया दी है।

कंगना ने जवाब देते हुए लिखा है,

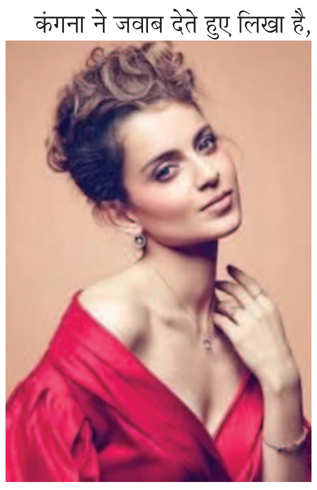

'हां, ये डेट कर रहे थे, लेकिन किसी फिल्म या ब्रांड के प्रमोशन के लिए नहीं। इन्होंने कभी भी लाइमलाइट में रहने के लिए या लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए वैसा कुछ नहीं किया, जैसा कि बॉलीवुड में लोग करते हैं। इनका प्यार सच्चा है और ये बहुत ही प्यारा कपल है।' बता दें कि यह पहला मौका नहीं है जब कंगना ने सिड-कियारा के रिलेशन की तारीफ की हो। इससे पहले भी कंगना दोनों की तारीफ के पुल बांध चुकी हैं।

बता दें कि सिद्धार्थ और कियारा की डेटिंग से जुड़ा सवाल स्क्रीन राइटर अनिरुद्ध गुहा ने पूछा है। अनिरुद्ध ने कियारा और सिद्धार्थ की शादी की फोटो पोस्ट कर लिखा, 'ये डेट कर रहे थे?' इसी पर कंगना ने सिड-कियारा के रिलेशनशिप की तारीफ करते हुए पोस्ट किया है। इससे पहले कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सिद्धार्थ और कियारा की फोटो शेयर कर लिखा था, 'ये कपल कितना प्यारा है, इंडस्ट्री में फिल्मों के साथ-साथ असली प्यार बहुत कम देखने को मिलता है, ये कपल एक साथ काफी अच्छा लगता है।' आपको बता दें कि कियारा और सिद्धार्थ ने काफी शाही अंदाज में शादी की है। इनकी शादी में सिने जगत की कई हस्तियों ने शिरकत की। दोनों की शादी की ड्रेस से लेकर, ज्वैलरी तक हर चीज की चर्चा हो रही है। कियारा ने शादी में मनीष मल्होत्रा द्वारा डिजाइन पिंक कलर का लहंगा पहना। दोनों ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शादी की फोटोज शेयर करते हुए लिखा, 'अब हमारी पर्मानेंट बुकिंग हो गई है।' बता दें कि सिद्धार्थ और कियारा अब दिल्ली और मुंबई में रिस्पेशन देने की तैयारी कर रहे हैं। इससे पहले दोनों 9 फरवरी को दिल्ली में रिसेप्शन पार्टी होस्ट करेंगे। बाद में दोनों 10 फरवरी को मुंबई रवाना होंगे। मुंबई में 12 फरवरी को सिद्धार्थ और कियारा की रिसेप्शन पार्टी होगी। शादी की तरह इनका रिसेप्शन भी काफी भव्य होने वाला है।

जान्हवी कपूर को है स्टारकिड होने का पछतावा? बोलीं- 'मैं तो नुकसान में रही'

जान्हवी कपूर बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में शुमार हैं। 'मिली', 'गुडलक जेरी', 'गुंजन सक्सेनाः द कारगिल गर्ल' जैसी फिल्मों के जरिए उन्होंने अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। अपनी फिल्मों के लिए वह जीतोड़ मेहनत करने से पीछे नहीं रहतीं। मगर, इसके बाद भी वह अक्सर सोशल मीडिया पर ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं। हाल ही में इस बात को लेकर जान्हवी का दर्द छलक आया है। जान्हवी का कहना है, 'लोग समझते हैं कि स्टारकिड होने की वजह से मुझे आसानी से मौके मिलते हैं, लेकिन मैं इस वजह से काफी नुकसान में हूं।' जान्हवी ने ऐसा क्यों कहा?

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जान्हवी कपूर ने अपने करियर पर बात की। उन्होंने कहा कि जब वह अपने किरदार के लिए कड़ी मेहनत कर रही होती हैं, मानसिक उथल-पुथल से गुजर रही होती हैं और तभी इंटरनेट पर कोई उनके एक्टिंग स्किल्स पर सवाल उठाता है या 'नेपोटिज्म की बच्ची...' जैसे कमेंट्स करता है तो बहुत दुख होता है।' जान्हवी कपूर ने कहा, 'लोग अनुमान लगाते हैं कि मुझे सबकुछ बहुत आसानी से मिल गया है। लेकिन, मेहनत करना मेरी प्राथमिकता रही है। मैं अपनी जिंदगी में अपने लक्ष्यों को लेकर बहुत स्पष्ट रही हूं। मैं अपनी मां की विरासत को जीना चाहती हूं। यह घमंड की बात नहीं है, बल्कि यह मेरी इच्छा है।'

जान्हवी कपूर ने आगे कहा कि लोगों को आपको नकारने में सिर्फ एक सेकंड लगता है। उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि कुछ मौके मुझे आसानी से मिल गए। लेकिन, मुझे लगता है कि मेरा घाटा ही रहा है, क्योंकि लोग मेरी फिल्मों को न्यूट्रल होकर देखने नहीं जाते। लोग मुझे प्रिवलेज्ड कहते हैं।'

जान्हवी ने कहा कि 'जो लोग मेरे हार्ड वर्क को नजरअंदाज करते हैं, उन्हें मैं सिर्फ यही कहना चाहती हूं कि मैं हार्ड वर्क करती हूं। मेरे पास जो है उसकी कीमत समझती हूं। मुझे सिनेमा से प्यार है। मुझे इस बात का कोई दुख नहीं, क्योंकि मैं जानती हूं कि जो कर रही हूं, वह अच्छा कर रही हूं।'

गौरतलब है कि जान्हवी कपूर दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और फिल्म प्रोड्यूसर बोनी कपूर की बेटी हैं। जान्हवी ने वर्ष 2018 में फिल्म 'धड़क' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। जान्हवी की छोटी बहन खुशी कपूर भी जल्द अभिनय की दुनिया में दस्तक देने वाली हैं। बता दें कि खुशी, जोया अख्तर की फिल्म 'आर्चीज' में नजर आएंगी, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। खुशी के अलावा इस फिल्म में और भी कई स्टारकिड्स नजर आने वाले हैं। बात जान्हवी के वर्क फ्रंट की करें तो वह जल्द ही फिल्म दोस्ताना 2, बवाल और मि. एंड मिसेज माही जैसी फिल्मों में नजर आएंगी।

प्रभास-कृति सिर्फ अच्छे दोस्त हैं

साउथ सुपरस्टार प्रभास और बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन एक दूसरे से सगाई नहीं करने वाले हैं। दरअसल बीते कई दिनों से अफवाहें उड़ी थीं कि दोनों लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं और जल्द एंगेजमेंट करने वाले हैं।

हालांकि प्रभास की टीम ने इसका खंडन करते हुए कहा कि ये महज अफवाह है। प्रभास की टीम ने इस अफवाह को खारिज करते हुए कहा, 'प्रभास और कृति सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। उनकी सगाई करने की खबर सच नहीं है।' इस खबर को सुनने के बाद दोनों सेलेब्स के फैंस काफी उदास हो गए हैं। फिल्म क्रिटिक उमैर संधू ने कुछ दिन पहले ट्विटर पर दावा करते हुए कहा था कि कृति सेनन और प्रभास अगले हफ्ते मालदीव में सगाई करेंगे। उनके लिए बहुत खुशी की बात है। उमैर के इस ट्वीट के बाद कुछ सोशल मीडिया यूजर्स इस बात को सच मानने लगे थे। वहीं कुछ उमैर पर झूठी खबर फैलाने का आरोप लगाते हुए उन्हें ट्रोल करने लगे थे।

प्रभास और कृति के डेटिंग रूमर्स कई दिनों से उड़ रहे हैं। कुछ महीनों पहले वरुण धवन और कृति सेनन 'भेड़िया' का प्रमोशन करने टीवी रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' में पहुंचे थे, जहां फिल्म मेकर करण जौहर ने वरुण से इंडस्ट्री की कुछ सिंगल एक्ट्रेसेस का नाम पूछा तो कृति का नाम उस लिस्ट से गायब था, करण ने पूछा कि सिंगल एक्ट्रेसेस के इस लिस्ट में कृति का नाम क्यों नहीं है?

वरुण ने इसके जवाब में कहा था, 'कृति का नाम इस लिस्ट में इसलिए नहीं है क्योंकि कृति का नाम किसी के दिल में है और वो शख्स इस वक्त मुंबई में नहीं है, वो इस वक्त दीपिका पादुकोण के साथ शूटिंग कर रहा है।' हालांकि, इस दौरान वरुण ने प्रभास का नाम नहीं लिया था। वरुण के इस बयान के सुनने के बाद फैंस दोनों की शादी का कयास लगाने लगे थे। फिर उसके बाद कृति ने खुद प्रभास संग अपनी शादी और अफेयर की खबरों पर चुप्पी तोड़ी और सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा था, 'कृति ने लिखा, 'न ये प्यार है और न ही PR...हमारा भेड़िया (वरुण धवन) रियलिटी शो में कुछ ज्यादा ही वाइल्ड हो गया था। उनकी मजाकिया बातों के बाद कई तरह की अफवाहें फैल रही हैं। इससे पहले कि कुछ पोर्टल मेरी वेडिंग डेट की अनाउंसमेंट करें, तो मैं आपकी गलतफहमी दूर कर देती हूं। ये अफवाहें पूरी तरह से गलत हैं। इसमें कोई सच्चाई नहीं है।'

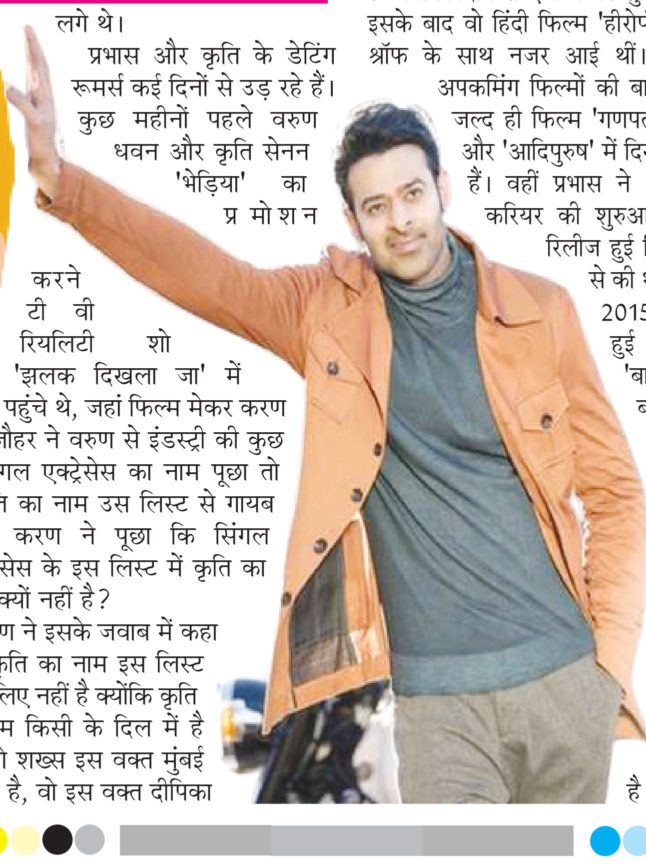

कृति सेनन ने 2014 में तेलुगु फिल्म थ्रिलर 1: नेनोक्कादीन से एक्टिंग की शुरुआत की थी। इसके बाद वो हिंदी फिल्म 'हीरोपंती' में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आई थीं। वहीं उनकी अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वो जल्द ही फिल्म 'गणपत', 'शहजादा' और 'आदिपुरुष' में दिखाई देने वाली हैं। वहीं प्रभास ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 2002 में रिलीज हुई फिल्म 'ईश्वर' से की थी। इसके बाद 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'बाहुबली' के बाद वो पैन इंडिया स्टार बनकर उभरे थे। वहीं प्रभास की अपकमिंग फिल्मों के लिस्ट में 'आदिपुरुष' के अलावा 'सालार' भी शामिल है।

बदलते मौसम में बढ़ा बीमारियों का खतरा

इन घरेलू उपायों को अपनाकर पा सकते हैं आराम

देशभर में इस समय तेजी से मौसम में बदलाव हो रहा है। कुछ जगहों पर तेज धूप तो कहीं ठंडी हवाएं चल रही हैं। सुबह सुबह ठंडी हवाओं और हल्की धूप के कारण लोगों को एक बार फिर सर्दी का अहसास हुआ। मौसम में बदलाव के कारण लोगों में सर्दी-जुकाम बुखार और गले की समस्याओं का जोखिम काफी सामान्य हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बच्चों और बुजुर्गों में इस तरह की समस्याओं का जोखिम सबसे अधिक देखा जाता है, ऐसे लोगों को बदलते मौसम में विशेष सावधानियों की जरूरत होती है। वहीं यदि आपको सर्दी-गले में खराश की दिक्कत हो भी जाती है तो हर बार इसके लिए दवाओं की आवश्यकता नहीं है, इसमें कुछ आसान से घरेलू उपाय करके भी लाभ पाया जा सकता है।स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं मौसम में होने वाले बदलाव के कारण सर्दी-जुकाम और गले में संक्रमण का जोखिम किसी को भी हो सकता है, हालांकि जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर होती है उनमें इसका जोखिम अधिक हो सकता है। वर्षों से दादी-नानी के घरेलू नुस्खों की मदद से इस तरह की समस्याओं में आसानी से राहत पाया जाता रहा है।

भाप से बंद नाक में मिलता है आराम

बदलते मौसम के साथ होने वाले संक्रमण के कारण नाक बंद होने की समस्या सबसे सामान्य है। इसके लिए आयुष मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार गले की परेशानी या बंद नाक में पुदीना के पत्तों या अजवाईन के साथ भाप लेने से लाभ मिलता है। यह कफ को कम करने के साथ नाक को खोलने और सांस लेने को आसान बनाती है। गले में होने वाले खराश और दर्द की समस्याओं के जोखिम को कम करने में भी इस घरेलू उपाय के प्रभाव देखे गए हैं।

लौंग और शहद का सेवन

सूखी खांसी-गले में दर्द और खराश जैसी दिक्कतों को कम करने के लिए लौंग के चूर्ण और शहद को मिलाकर इसका सेवन करने से लाभ पाया जा सकता है। खांसी या गले में जलन होने पर दिन में 2-3 बार इसका सेवन किया जा सकता है। लौंग गले के संक्रमण को कम करने और शहद गले के खराश को कम करने में आपके लिए सहायक है। सर्दी-जुकाम की समस्याओं में इस उपाय से आराम पाया जा सकता है।

नमक पानी के गरारे करें

गले में दर्द और खराश को कम करने और सर्दी के लक्षणों में नमक पानी के गरारे करने से लाभ मिलता है। एक गिलास पानी में 1 टेबल स्पून नमक डालकर 5 मिनट तक उबालें। जब तापमान सामान्य हो जाए तो इसे गरारे करने के लिए इस्तेमाल करें। आयुर्वेद विशेषज्ञों के मुताबिक गले में खराश की स्थिति में राहत के लिए दिन में 3-4 बार गरारे करने की सलाह दी जाती है। गरारे के साथ गुनगुने पानी का सेवन करना भी लाभकारी तरीका हो सकता है।

तुलसी का काढ़ा पिएं

तुलसी सबसे अच्छी एंटीवायरल जड़ी-बूटियों में से एक है जिसे खांसी, सर्दी और गले में खराश में बहुत प्रभावी माना जाता है। 4-5 तुलसी के पत्तों को थोड़े से पानी में उबालकर इसे पीने से लाभ मिलता है। आप चाहें तो इसमें शहद, अदरक मिला सकते हैं। तुलसी के काढ़े में काली मिर्च, अदरक, लौंग, दालचीनी मिलाकर इसका सेवन करने से भी इस तरह की समस्याओं में आसानी से लाभ पाया जा सकता है। यह काढ़ा प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने में भी आपके लिए मददगार है।

इन तरीकों से जानें बादाम का तेल असली है या नकली?

हम बादाम का तेल इसलिए इस्तेमाल करते हैं कि वह सेहत के लिए बेहद उपयोगी होता है लेकिन मार्केट में नकली और असली दोनों बादाम के तेल मौजूद हैं. ऐसे में ऐसे में लोगों को पता होना चाहिए कि असली बादाम का तेल और नकली बादाम का तेल कौन सा है.

आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि बादाम के तेल की पहचान कैसे करें. पढ़ते हैं आगे...

असली और नकली बदाम के तेल की पहचान

* बादाम का तेल असली है या नकली इस बात को जानने के लिए आप टेस्ट करके देख सकते हैं. हालांकि बदाम के तेल का टेस्ट मीठा भी होता है और कड़वा भी.

अगर यह तेल मीठे बादाम से बना है तो इसका टेस्ट मीठा होगा और अगर यह कड़वे बादामों से मिलकर बना है तो इसका तेल हल्का सा कड़वा होगा. बता दें कि मीठा तेल का इस्तेमाल कॉस्मेटिक प्रोडक्ट में किया जाता है. वहीं कड़वे बादाम के तेल का इस्तेमाल मसाज, थेरेपी के दौरान किया जाता है. यदि जुबां पर रखने पर हल्का कड़वा तेल ज्यादा कड़वा महसूस हो तो इसका मतलब बादाम का तेल नकली है.

* बादाम का तेल असली है या नकली इस बात का पता आप फ्रीजिंग टेस्ट के माध्यम से भी लगा सकते हैं. इस टेस्ट में आपको दो ट्रांसपेरेंट ग्लास लेने हैं और उसमें मजाक के तेल को डालना है. अब तकरीबन आधा 1 घंटे के लिए बादाम के तेल को फ्रिज में रख दें. यदि बादाम का तेल जम जाए तो यह असली है और अगर बादाम का तेल ना जमे तो इसका मतलब यह नकली है.

यदि तेल में किसीअन्य तेल की मिलावट की गई है तो फ्रीज से निकालते वक्त आपको ऊपर एक लेयर अलग से नजर आ सकती है. ऐसे में उस लेयर से समझ जाएं कि आप मिलावटी तेल का इस्तेमाल आप कर रहे हैं.

आज चॉकलेट डे अपने पार्टनर को क्या उपहार देना चाहिए

आमतौर पर हम सभी को मालूम है कि हम प्रत्येक वर्ष 14 फरवरी को वेलेंटाइन डे मनाते हैं। लेकिन इससे पहले 9 फरवरी को चॉकलेट डे मनाया जाता है। वेलेंटाइन डे प्यार का अंतिम पर्व है जबकि इससे एक हफ्ते पहले वेलेंटाइन वीक शुरू होता है। इसमें अलग-अलग तारीखों को अलग अलग दिन के रूप में मनाया जाता है। जो प्यार करने वालों के लिए खास तो होता ही है लेकिन इसके साथ ही बच्चों, स्कूल कॉलेज जाने वाले लड़के लड़कियों या यूं कहें कि हर उम्र के लोगों के लिए फरवरी माह का यह लव वीक खास होता है।

वैसे तो एक दूसरे को चॉकलेट देने का कोई निश्चित दिन या समय नहीं होता है इसलिए लोग साल भर चॉकलेट खरीदते, खाते हैं और गिफ्ट भी करते हैं। लेकिन चूंकि चॉकलेट डे फरवरी माह के दूसरे हफ्ते में पड़ता है इसलिए इस दिन का खास महत्व है। आपको बता दें कि चॉकलेट डे प्रत्येक वर्ष 9 फरवरी को मनाया जाता है।

इस दिन पूरी दुनिया में लोग अपने जीवन में खास स्थान रखने वाले व्यक्ति को चॉकलेट गिफ्ट करते हैं। एक सर्वे में पाया गया है कि फरवरी माह में यानि चॉकलेट डे के दिन भारी संख्या में चॉकलेट्स की बिक्री होती है। इसलिए चॉकलेट बनाने वाली कंपनियां भी चॉकलेट डे से पहले ही विशेष तैयारी करती हैं और इस विशेष अवसर पर मार्केट में विभिन्न स्वाद के चॉकलेट निकालती हैं।

आमतौर पर शुरूआत में चॉकलेट डे पश्चिमी देशों में मनाया जाता था, इसलिए इसे पश्चिमी संस्कृति और सभ्यता का त्योहार माना जाता है। लेकिन धीरे धीरे यह भारत सहित अन्य देशों में भी मनाया जाने लगा। चॉकलेट डे मनाने के पीछे कोई इतिहास या कहानी नहीं जुड़ी है। लेकिन यह माना जाता है कि चॉकलेट बनाने की शुरूआत अमेरिका और मैक्सिको में हुई थी। उसके बाद स्पेन और फिर धीरे धीरे इटली और फ्रांस में भी चॉकलेट बनाया जाने गया।

चॉकलेट डे पर क्या गिफ्ट करें

चॉकलेट डे पर चॉकलेट केक गिफ्ट करें

अक्सर देखा जाता है कि चॉकलेट डे पर ज्यादातर लोग एक दूसरे को सीधे चॉकलेट गिफ्ट कर देते हैं जबकि यह तरीका बिल्कुल पुराना हो गया है। इसलिए अगर कुछ अलग करना है तो आपक चॉकलेट केक गिफ्ट कर सकते हैं।

चॉकलेट आइसक्रीम गिफ्ट चॉकलेट डे के लिए

अगर चॉकलेट डे पर आप अपनी प्रेमिका या दोस्तों के साथ बाहर घूमने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आप उन्हें चॉकलेट आइस क्रीम गिफ्ट कर सकते हैं। इस खास दिन आपको मार्केट में अलग अलग फ्लेवर में चॉकलेट आइस क्रीम मिल जाएगी और आपके दोस्तों को भी मजा आएगा।

चॉकलेट बास्केट गिफ्ट चॉकलेट डे के लिए खास

विशेषरुप से इस खास मौके के लिए ही मार्केट में विभिन्न तरह की चॉकलेट बास्केट आती है जिसमें रंग बिरंगे चॉकलेट भरे होते हैं या कैडबरी के चॉकलेट का पूरा डिब्बा रखा होता है। बास्केट पहले से ही रंग बिरंगे रिबन से सजा होता है। यह अनोखा गिफ्ट आप अपने चहेते को दे सकते हैं।

चॉकलेट डे पर चॉकलेट और फ्रूट बास्केट गिफ्ट दें।

चॉकलेट डे के लिए खास चॉकलेट और फूल गिफ्ट कर सकते हैं।

यूरिक एसिड होने पर क्या नहीं खाना चाहिए?

अक्सर आपने देखा होगा कुछ लोगों के जोड़ों में दर्द होता है यह दर्द यूरिक एसिड के बढ़ने के कारण हो सकता है. लेकिन जब शरीर में ज्यादा यूरिक एसिड बढ़ने लगता है तो इससे क्रिस्टल पैदा हो जाते हैं जो गाउट की समस्या का सामना करा सकती है. ऐसे में लोगों को पता होना चाहिए कि यूरिक एसिड होने पर किन चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि यूरिक एसिड के बढ़ने पर किन चीजों का सेवन ना करें. पढ़ते हैं आगे

यूरिक एसिड बढ़ने पर क्या ना खाएं

यूरिक एसिड होने पर व्यक्ति को फूलगोभी का सेवन नहीं करना चाहिए. कुछ फ्यूरिन वाली सब्जियां होती हैं, जिनमें यूरिक फूल गोभी भी शामिल होती है. ऐसे में इसके सेवन से व्यक्ति को दिक्कत हो सकती है. हालांकि ये शरीर में यूरिक एसिड का स्तर नहीं बढ़ाती है. व्यक्ति सलाद के रूप में इनका सेवन कम मात्रा में कर सकता है.

ग्रेन्स अल्कोहल शरीर में यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ा सकते हैं. अब आप सोच रहे होंगे कि ग्रेंस अल्कोहल में कौन सी चीजें आती हैं. तो बता देगी व्हिस्की, वोडका और बीयर यह तीनों अलग से बनते हैं जो गाउट की समस्या को ट्रिगर कर सकते हैं. साथ ही शरीर में यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ा सकते हैं.

कुछ सीफूड ऐसे होते हैं, जिनके अंदर फ्यूरी की मात्रा ज्यादा होती है. इनके सेवन से शरीर में यूरिक एसिड बढ़ सकता है. ऐसे में व्यक्ति को सी फूड का सेवन कम मात्रा में करना चाहिए. वरना यह गाउट की समस्या को भी ट्रिगर कर सकता है.

कोकम से बढ़ेगी इम्यूनिटी, लिवर होगा हेल्दी :पेट फूलना, कब्ज और अपच में फायदेमंद, जानें खाने का सही तरीका

कोकम एक औषधीय फल है। इसके बोटैनिकल नाम गार्सिनिया इंडिका है। इसके गार्सिनोल और हाइड्रोक्सीसाइट्रिक एसिड पाए जाते हैं, इसलिए यह वजन कम करने में मददगार है। कैलोरी में कम और फाइबर से भरपूर होने के कारण कोकम हार्ट के लिए फायदेमंद होता है। यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है। आयुर्वेदाचार्य अमित सेन बता रहे हैं कोकम के फायदे।

हेल्दी लिवर के लिए खाएं

कोकम में गार्सिनोल पाया जाता है, यह बायोएक्टिव कंपाउंड एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटीफंगल की तरह काम करता है। यह कंपाउंड लिवर को हेल्दी बनाता है। एनसीबीआई (नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन) की वेबसाइट पर छपी मेडिकल रिसर्च में भी इस बात का जिक्र है कि कोकम के सेवन से लिवर से जुड़ी प्रॉब्लम से दूर करने में मदद मिलती है।

पेट खराब है तो खाएं

डायरिया की प्रॉब्लम है तो कोकम के सेवन से फायदा मिलेगा। कोकम फल में ऐसे गुण

होते हैं जो डायरिया को कंट्रोल करते हैं। डायरिया से पीड़ित मरीज को कोकम का जूस पीने को दें। पाचन से जुड़ी समस्या है तो कोकम का सेवन करें। पेट फूलना, कब्ज और अपच में भी कोकम खाने से फायदा मिलता है।

इम्यूनिटी करता है बूस्ट

कोकम इम्यूनिटी बूस्ट करने वाला फल है। इसमें मौजूद गुण शरीर की इम्यूनिटी को बेहतर बनाने के लिए लाभकारी हो सकते हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि इम्यूनिटी क म जो र होने की वजह से बार बार बीमार पड़ने वाले लोगों के लिए कोकम फायदेमंद माना जा सकता है।

बवासीर में फायदेमंद

कोकम खाने से बवासीर में लाभ मिलता है। दरअसल, कोकम में एंटी-पाइल्स गुण होते हैं। कोकम का छिलका और पेड़ की पत्तियां के जूस का सेवन भी फायदेमंद है।

स्मोकिंग जितनी ही खतरनाक पैसिव स्मोकिंग

20 से 15 प्रतिशत तक बढ़ जाता है बीमारी का खतरा, प्रेग्नेंट महिलाओं और बच्चों के लिए खतरनाक

स्मोकिंग करना भले ही आपकी नजर में कूल है और आप घर के कॉमन एरिया और नॉन-स्मोकर्स ऑफिस कलीग्स के साथ स्मोक करते हैं तो अनजाने में ही आप अपने परिवार वालों और ऑफिस के लोगों की बीमार बना रहे हैं। पैसिव स्मोकिंग या जिसे सेकेंड हैंड स्मोकिंग भी कहते हैं सेहत के लिए उतनी ही नुकसानदेह है जितनी कि फर्स्ट हैंड स्मोकिंग। डॉक्टर बता रहे हैं पैसिव स्मोकिंग के नुकसान और इससे कैसे बच सकते हैं आप।

पैसिव स्मोकिंग है बेहद खतरनाक

रिसर्च के अनुसार, पैसिव स्मोकिंग की वजह से हर साल 6 लाख लोगों की मौत होती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, अगर यही ट्रेंड रहा तो 2030 तक तंबाकू के कारण 80 लाख लोग मर सकते हैं। तंबाकू में 4 हजार खतरनाक केमिकल्स होते हैं। ये केमिकल्स पार्टिकल और गैस से बनते हैं। इनमें 50 केमिकल ऐसे होते हैं जो कैंसर का कारण बनते हैं। इस कंपाउंड में अमोनिया और सल्फर भी होता है, जो आंख, नाक, गले और फेफड़े के लिए खतरनाक है। जिन लोगों को सांस की परेशानी है, उनके लिए यह कंपाउंड बहुत ही ज्यादा खतरनाक साबित होता है। गर्भ में पल रहे भ्रूण के लिए पैसिव स्मोकिंग को बहुत ज्यादा नुकसानदेह बताया गया है। जो गर्भवती महिलाएं पैसिव स्मोकिंग का शिकार बनती हैं, उनके बच्चे किसी न किसी डिफेक्ट के साथ पैदा होते हैं। इतना ही नहीं, कई बार बच्चे मृत भी पैदा होते हैं।

स्मोकिंग से निकले 69 केमिकल्स पैदा करते हैं कैंसर

स्मोकिंग के दौरान सिगरेट से निकलने वाले धुएं का काफी भाग स्मोक करने वाले के भीतर जाता है। लेकिन इसके बावजूद, 66 प्रतिशत धुआं हवा में घुल कर उसे धूम्रपान जितना ही जहरीला बना देता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, तम्बाकू के धुएं में 7,000 से ज्यादा केमिकल्स होते हैं। इनमें से 69 केमिकल्स ऐसे होते हैं जोकि कैंसर पैदा कर सकते हैं। 250 से ज्यादा केमिकल सेहत को दूसरी तरह से नुकसान पहुंचाते हैं।

फर्स्ट हैंड स्मोकिंग जितनी ही खतरनाक सेकेंड हैंड स्मोकिंग

स्मोकिंग करने वाला इंसान की सांस नली में धुएं के साथ जितना टार और निकोटिन जमा होता है उससे कहीं ज्यादा टार, निकोटिन

धुएं के साथ निकल कर हवा में पहुंचता है। हवा में मौजूद धुएं में पांच गुना ज्यादा कार्बन मोनोऑक्साइड, अमोनिया और कैडमियम होते हैं। इसमें जहरीली गैस हाइड्रोजन सायनाइड होती है जिसमें नुकसानदायक नाइट्रोजन डाइऑक्साइड होता है और यह फेफड़ों तथा हृदय रोगों का मुख्य कारण होता है। इसलिए पास खड़े व्यक्ति के लिए सेकेंड हैंड स्मोकिंग हानिकारक है।

प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए खतरनाक, अबॉर्शन का खतरा

सिगरेट का धुआं प्रेग्नेंट महिला और उसके अजन्मे बच्चे की सेहत के लिए हानिकारक होता है। इससे अबॉर्शन का भी खतरा रहता है। शिशु में कई बीमारियां और विकृतियां भी हो सकती हैं। अगर पैदा होने वाले बच्चे का पिता स्मोक करता है तो हो सकता है कि होने वाले बच्चे के क्रोमोजोम की विकृति हो सकती है। मां स्मोक नहीं करती लेकिन पिता स्मोक करता है तो भी बच्चे को सेहत संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

20 से 15 प्रतिशत तक बढ़ जाता है बीमारी का खतरा

अगर आप स्मोक नहीं करते हैं लेकिन आपके फ्रेंड सर्कल में कोई सिगरेट पीता है या फैमिली मेंबर स्मोक करता है तो आपको हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक और अन्य बीमारियों का खतरा 20 से 15 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। सेकेंड हैंड स्मोकिंग भी उतनी ही खतरनाक है जितना सिगरेट पीना।

पैसिव स्मोकिंग से ऐसे बचें, सावधानी से सुरक्षा

जब आपका फैमिली मेंबर या फ्रेंड स्मोकिंग कर रहा हो तो उससे थोड़ी दूर रहें। हालांकि स्मोकिंग करने वालों को भी यह बात ध्यान में रखनी जरूरी है ताकि आपके करीबी अनजाने में बीमारी का शिकार न हो जाएं।

प्रेग्नेंट है पार्टनर तो दूर रहकर करें स्मोकिंग

अगर आपकी पत्नी मां बनने वाली हैं या कोई फ्रेंड प्रेग्नेंट है तो उसके आस-पास स्मोकिंग न करें। स्मोकिंग का धुंआ गर्भवती महिला के अलावा अजन्मे बच्चे के लिए भी हानिकारक है। अगर आपके घर में या आस-पास कोई छोटा बच्चा रहता है तो उसके सामने भी स्मोकिंग न करें।

स्मोक एरिया में स्मोकिंग से सेकेंड हैंड स्मोकिंग का खतरा टलेगा

अगर आप सर्वाजनिक जगहों पर स्मोकिंग करते हैं तो स्मोक एरिया में जाकर ही स्मोक करें। इससे आपके संपर्क में आने वाले बाकी लोगों को नुकसान नहीं होगा।

पैसिव स्मोकिंग को लेकर फैलाएं जागरुकता

सिगरेट और तंबाकू के सेवन को लेकर जागरूक रहना बहुत जरूरी है। अपने फ्रेंड सर्कल और फैमिली मेंबर्स को सेकेंड हैंड स्मोकिंग के नुकसान के बारे में बताएं ताकि वो भी इससे बच कर रहें।

बच्चों के लिए नुकसानदायक सेकेंड हैंड स्मोकिंग

साइड स्ट्रीम स्मोक बढ़ते बच्चों की सेहत के लिए भी नुकसानदायक है। उनका शरीर विकसित हो रहा होता है, स्मोकिंग से निकलने वाले केमिकल बच्चों के विकास को नकारात्मक तरीके से प्रभावित करते हैं। सेकेंड हैंड स्मोकिंग के कांटेक्ट में आने वाले शिशुओं और बच्चों में सिगरेट के धुएं से होने वाली बीमारियों का खतरा ज्यादा होता है। पैसिव स्मोकिंग की वजह से बच्चों में दमा।

निकोटीन पॉजिटिव हो सकता है पैसिव स्मोकर्स का ब्लड, यूरिन सैंपल

सेकेंड हैंड स्मोकर्स के ब्लड और यूरिन के सैंपल निकोटीन, कार्बन मोनोऑक्साइड और फॉर्मलाडेहाइड हो सकते हैं। आप जितनी देर तक स्मोक करने वालों के डायरेक्ट कांटेक्ट में रहेंगे आपको भी स्मोक से होने वाली बीमारियों का खतरा उतना ही ज्यादा रहेगा।

1300 कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी 'जूम' कंपनी

सीईओ बोले-मंदी के असर से निपटना होगा

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। पूरी दुनिया में मंदी का असर दिखने लगा है। यही वजह है कि दुनियाभर में कई कंपनियां अपने यहां स्टाफ की छंटनी करने में जुटी हैं। अब इस लिस्ट में नया नाम टेक कंपनी जूम का भी जुड़ गया है। बता दें कि जूम ने 1300 कर्मचारियों को निकालने का फैसला किया है। यह कंपनी के कुल कार्यबल का 15 फीसदी है। कंपनी के सीईओ एरिक युआन ने कंपनी की वेबसाइट पर एक ब्लॉग पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। एरिक युआन के इस एलान का असर भी दिखा और मंगलवार को नैस्डेक पर जूम के शेयरों में 8 फीसदी की तेजी आई है। कोरोना महामारी के दौरान कई तकनीकी कंपनियों को गजब की ग्रोथ मिली और जूम भी उनमें से एक थी। कोरोना वायरस संक्रमण के दौरान जब पूरी दुनिया घरों में कैद थी, तब जूम का बिजनेस पर चरम पर था और घरों-ऑफिस वगैरह में जूम का खूब इस्तेमाल हो रहा था। हालांकि अब जब हालात सामान्य हैं तो कंपनी को मंदी का सामना करना पड़ रहा है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सर्विस कंपनी जूम के सीईओ एरिक युआन ने ब्लॉग में लिखा कि 'वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनियमितता और ग्राहकों के इस पर असर के चलते हमें कड़े लेकिन कदम उठाने पड़ रहे हैं।'

युआन ने लिखा कि 'हम लगातार काम कर रहे हैं ताकि जूम को इसके ग्राहकों के लिए और बेहतर बनाया जा सके लेकिन हमसे भी गलतियां हुई हैं।

आरबीआई ने लगातार 6वीं बार बढ़ाई ब्याज दरें

20 साल वाले 30 लाख के लोन पर करीब 1 लाख रु. ज्यादा चुकाने होंगे-लेकिन एफडी पर ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने बुधवार को रेपो रेट में 0.25% का इजाफा किया है। इससे रेपो रेट 6.25% से बढ़कर 6.50% हो गया है। यानी होम लोन से लेकर ऑटो और पर्सनल लोन सब कुछ महंगा हो जाएगा और आपको ज्यादा ईएमआई चुकानी होगी। हालांकि एफडी पर अब ज्यादा ब्याज दरें मिलेंगी। 1 अगस्त 2018 के बाद रेपो रेट की सबसे ऊंची दर है। तब रेपो रेट 6.50% थी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के 1 फरवरी को बजट पेश करने के बाद एमपीसी की यह पहली बैठक है। ब्याज दरों पर फैसले के लिए 6 फरवरी से मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग चल रही थी। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास आज बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में ब्याज दरों से जुड़ी घोषणा की। इससे पहले दिसंबर में हुई मीटिंग में ब्याज दरों को 5.90% से बढ़कर 6.25% किया गया था।

6 बार में 2.50% की बढ़ोतरी

मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग हर दो महीने में होती है। इस वित्त वर्ष की पहली मीटिंग अप्रैल में हुई थी। तब RBI ने रेपो रेट को 4% पर स्थिर रखा था, लेकिन आरबीआई ने 2 और 3 मई को इमरजेंसी मीटिंग बुलाकर रेपो रेट को 0.40% बढ़ाकर 4.40% कर दिया था। 22 मई 2020 के बाद रेपो रेट में ये बदलाव हुआ था। इसके बाद 6 से 8 जून को हुई मीटिंग में रेपो रेट में 0.50% इजाफा किया। इससे रेपो रेट 4.40% से बढ़कर 4.90% हो गई। फिर अगस्त में इसे 0.50% बढ़ाया गया, जिससे ये 5.40% पर पहुंच गई। सितंबर में ब्याज दरें 5.90% हो गई। फिर दिसंबर में ब्याज दरें 6.25% पर पहुंच गई। अब ब्याज दरें 6.50% पर पहुंच गई है।

एक साल में करीब 2988 रुपए बढ़ी ईएमआई

ब्याज दरों के बढ़ने के बाद मई से पहले जो होम लोन आपको 5.65% रेट ऑफ इंटरेस्ट पर मिल रहा था वो अब 8.15% पर पहुंच गया है। यानी 20 साल के लिए 20 लाख के लोन पर आपको हर महीने करीब 2,988 ज्यादा की ईएमआई देनी होगी। मान लीजिए रोहित नाम के एक व्यक्ति ने 7.90% के फिक्स्ड रेट पर 20 साल के लिए 30 लाख का लोन लिया है। उसकी ईएमआई 24,907 रुपए है। 20 साल में उसे इस दर से 29.77 लाख रुपए का ब्याज देना होगा। यानी, उसे 30 लाख के बदले कुल 59.77 लाख रुपए चुकाने होंगे।

रोहित के लोन लेने के बाद आरबीआई रेपो रेट में 0.25% का इजाफा कर देता है। इस कारण बैंक भी 0.25% ब्याज दर बढ़ा देते हैं। अब जब रोहित का एक दोस्त उसी बैंक में लोन लेने के लिए पहुंचता है तो बैंक उसे 7.90% की जगह 8.15% रेट ऑफ इंटरेस्ट बताता है।

रोहित का दोस्त भी 30 लाख का ही लोन 20 साल के लिए लेता है, लेकिन उसकी ईएमआई 25,374 रुपए की बनती है।

यानी रोहित की ईएमआई से 467 रुपए ज्यादा। इस वजह से रोहित के दोस्त को 20 साल में कुल 60.90 लाख रुपए चुकाने होंगे। ये रोहित से 1.13 लाख ज्यादा है। लोन की ब्याज दरें 2 तरह से होती हैं फिक्स्ड और फ्लोटर। फिक्स्ड में आपके लोन कि ब्याज दर शुरू से आखिर तक एक जैसी रहती है। इस पर रेपो रेट में बदलाव का कोई फर्क नहीं पड़ता। वहीं फ्लोटर में रेपो रेट में बदलाव का आपके लोन की ब्याज दर पर भी फर्क पड़ता है। ऐसे में अगर आपने फ्लोटर ब्याज दर पर लोन लिया है तो ईएमआई भी बढ़ जाएगी। आरबीआई के पास रेपो रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है तो, आरबीआई रेपो रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है।

रेपो रेट में बढ़त का आपके होम लोन ईएमआई पर असर

अप्रैल 2022

अवधि	ईएमआई	कुल देय राशि	देय मूलधन	देय ब्याज
10 वर्ष	11,714	14,05,680	10 लाख	4,05,680

फरवरी 2023

अवधि	ईएमआई	कुल देय राशि	देय मूलधन	देय ब्याज
10 वर्ष	13,050	15,66,000	10 लाख	5,66,000

अब 160320 रुपये अधिक चुकाने होंगे

अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर में 23% की तेजी

टोटल गैस और ग्रीन एनर्जी 5% टूटे, सेंसेक्स 378 पाइंट चढ़कर बंद

मुंबई, 8 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में आज यानी 8 फरवरी को तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 378 अंकों की तेजी के साथ 60,664 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 150 अंकों की तेजी के साथ 17,872 के स्तर पर पहुंच गया है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में तेजी रही। वहीं 5 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। एनएसई पर मेटल, फार्मा और आईटी में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली।

अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर में 23% की तेजी

मार्केट में इस तेजी के बीच अडाणी ग्रुप की कंपनियों के कुछ शेयरों में रिकवरी देखने को मिली है। अडाणी एंटरप्राइजेज में 23% की तेजी देखने को मिली। वहीं अडाणी पोर्ट्स का शेयर आज 9% चढ़ा है। 24 जनवरी को आई हिंडरबर्ग रिचर्स की रिपोर्ट के बाद इसके शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली थी। अडाणी विल्मर लिमिटेड ने बुधवार को अपने तीसरी तिमाही (Q3FY23) के रिजल्ट घोषित किए। कंपनी का मुनाफा 16.5% बढ़कर 246 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। एक साल पहले के इसी क्वार्टर में इसका मुनाफा 211 करोड़ रुपए था। ऑपरेशन से कंपनी का रेवेन्यू पिछले साल की समान तिमाही के 14,370.92 करोड़ रुपए से 7% बढ़कर15,438.05 करोड़ हो गया।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	मकर	में	मकर-	04-53	बजे
चंद्र-	कन्या	में	कुंभ -	07-03	बजे
मंगल	वृष	में	मीन...	08-42	बजे
बुध-	मकर	में	मेष--	10-18	बजे
गुरु-	मीन	में	वृष--	12-02	बजे
शुक्र-	कुंभ	में	मिथुन..	14-02	बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	16-15	बजे
राहु-	मेष	में	सिंह...	18-27	बजे
केतु-	तुला	में	कन्या..	20-32	बजे
			तुला	22-39	बजे
			वृश्चिक.	00-49	बजे
			धनु.....	03-03	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् -**1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् -**5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् -**1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् -**2549,**हिजरी सन् -**1443**
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी -**07** -**58** पूर्ण दिनरात तक
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष , गुरूवार **Feb 09**
नक्षत्र -उ.फाल्गुनी - **22** -**26** तक उपरान्त हस्त
योग - सुकर्मा - **16** - **44** - तक उप धृति
करण-बव - **19** - **13** - तक उप- बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - फाल्गुनी चतुर्थी व्रत

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:56 से 15:22 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ.	06:49 - 08:13	शुभ	अमृत	18:11 - 19:48	शुभ
रोग	08:13 - 09:39	अशुभ	चंचल	19:48 - 21:22	शुभ
उत्पात	09:39 - 11:05	अशुभ	रोग	21:22 - 22:56	अशुभ
चंचल	11:05 - 12:30	शुभ	काल	22:56 - 00:30	अशुभ
लाभ	12:30 - 13:56	शुभ	लाभ	00:30 - 02:04	शुभ
अमृत	13:56 - 15:22	शुभ	उत्पात	02:04 - 03:38	अशुभ
काल.	15:22 - 16:48	अशुभ	शुभ	03:38 - 05:12	शुभ
शुभ.	16:48 - 18:11	शुभ	अमृत	05:12 - 06:49	शुभ

सोने और चांदी के रेट्स में उछाल

57542 रुपये पर आ गया है. इसी तरह शुद्धता के आधार पर सोना और चांदी दोनों महंगे हुए हैं।

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय सर्राफा बाजार में आज, 08 फरवरी, 2023 को सोने और चांदी के दाम में तेजी देखने को मिली है. सोने की कीमत 57 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है. वहीं, चांदी का भाव 67 हजार रुपये प्रति किलो से अधिक है. राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 57542 रुपये है. जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी 67363 रुपये है।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, मंगलवार की शाम को 24 कैरेट का शुद्ध सोना 57365 रुपये प्रति 10 ग्राम था जो आज सुबह आज क्या है सोने-चांदी की कीमत?

आधिकारिक वेबसाइट ibjarates.com के मुताबिक, आज सुबह 995 प्योरिटी वाले दस ग्राम सोने के दाम बढ़कर 57312 रुपये पहुंच गए हैं. वहीं, 916 शुद्धता वाला सोना आज 52709 रुपये का हो गया है. इसके अलावा, 750 प्योरिटी वाले सोने के दाम 43157 पर आ गए हैं. वहीं, 585 प्योरिटी वाला गोल्ड आज महंगा होकर 33662 रुपये में आ गया है. इसके अलावा, 999 प्योरिटी वाली एक किलो चांदी आज 67363 रुपये की हो गई है।

अब एटीएम से निकलेंगे सिक्के

> यूपीआई ऐप से क्यूआर कोड स्कैन करके निकाल सकेंगे पैसे
> इसको लेकर पायलट प्रोजेक्ट शुरू करेगा आरबीआई

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। अब आप यूपीआई के जरिए एटीएम से सिक्के निकाल सकेंगे। आरबीआई ने आज मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग के बाद सिक्कों के लिए वेंडिंग मशीन लगाने की घोषणा की। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया कि उसकी योजना क्यूआर कोड पर आधारित कॉइन वेंडिंग मशीन लगाने की है। वो इसके लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहे हैं। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि इसका उद्देश्य सिक्कों की उपलब्धता को बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि रिजर्व बैंक शुरुआती चरण में इसे देश के 12 शहरों में शुरू करने जा रहा है।

यूपीआई के जरिए निकलेंगे सिक्के

क्यूआर कोड बेस्ड वेंडिंग मशीनों का इस्तेमाल यूपीआई के जरिए किया जाएगा और इनसे नोट की जगह सिक्के बाहर निकलेंगे। इन कॉइन वेंडिंग मशीन से कोई भी ग्राहक अपने यूपीआई ऐप के जरिए मशीन के ऊपर लगे क्यूआर कोड स्कैन करके सिक्के निकाल सकेंगे। जितनी कीमत के सिक्के ग्राहक निकालेगा, उसके रजिस्टर्ड बैंक अकाउंट से वो पैसा कट जाएगा।

रेपो रेट में 0.25% का इजाफा

आरबीआई ने मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग खत्म होने के बाद बुधवार को रेपो रेट में 0.25% का इजाफा किया है। इससे रेपो रेट 6.25% से बढ़कर 6.50% हो गया है। यानी होम लोन से लेकर ऑटो और पर्सनल लोन सब कुछ महंगा हो जाएगा और आपको ज्यादा ईएमआई चुकानी होगी। हालांकि एफडी पर अब ज्यादा ब्याज दरें मिलेंगी। 1 अगस्त 2018 के बाद रेपो रेट की सबसे ऊंची दर है। तब रेपो रेट 6.50% थी।

6 बार में 2.50% की बढ़ोतरी

मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग हर दो महीने में होती है। इस वित्त वर्ष की पहली मीटिंग अप्रैल में हुई थी। तब आरबीआई ने रेपो रेट को 4% पर स्थिर रखा था, लेकिन आरबीआई ने 2 और 3 मई को इमरजेंसी मीटिंग बुलाकर रेपो रेट को 0.40% बढ़ाकर 4.40% कर दिया था।

22 मई 2020 के बाद रेपो रेट में ये बदलाव हुआ था। इसके बाद 6 से 8 जून को हुई मीटिंग में रेपो रेट में 0.50% इजाफा किया। इससे रेपो रेट 4.40% से बढ़कर 4.90% हो गई। फिर अगस्त में इसे 0.50% बढ़ाया गया, जिससे ये 5.40% पर पहुंच गई। सितंबर में ब्याज दरें 5.90% हो गई। फिर दिसंबर में ब्याज दरें 6.25% पर पहुंच गई। अब ब्याज दरें 6.50% पर पहुंच गई है।

आपका राशिफल

मेष (धू धे धो ला ली लू ले लो आ): अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है

वृष (ई उ ए जो वा वी वू वे वो): दिन आपके लिए अच्छा रहेगा ,लेकिन ऐसा हो सकता है कि आप छोटी सी बात के बारे में सोच-सोचकर परेशान हों ऐसा सोचना प्राक्रतिक है ,लेकिन इससे आपकी घर और कार्यस्थल की शांति और कार्य की गति प्रभावित होगी यह समय बड़े लक्ष्यों को सोचकर छोटी-मोटी बातों को नजरंदाज कर देने का है जो लोग आपको अपना करीबी समझते हैं।

मिथुन (का की कू घ ड झ के को हा): आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं यह आपके लिए खासी शर्मिंदगी उठाने वाली स्थिति हो सकती है।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़े काम को हाथ में लेंगे समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा कार्यस्थल पर मिलने वाले एक महत्वपूरण सम्बन्ध की सहायता से नया मौका मिलेगा अतीत के फेर से निकलकर आगे की सोचें ।आज आप बहुत अच्छी सेहत का आनंद उठाएंगे।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें आपको आज रिएक्शन और एलर्जी हो सकती है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ट पे पो): आज का दिन आपकी वित्तीय स्थिति एवं करियर में तरक्की का दिन है ,लेकिन इन सबके लालच में अपने परिवार की उपेक्षा ना करें दरअसल आज आप अपने भीतर आध्यात्मिकता का भी अनुभव करेंगे इन दोनों शक्तियों के बीच उलझा हुआ अनुभव भी करेंगे लेकिन अंतत दोनों में संतुलन बना पाने में कामयाब होंगे।

तुला (स री रु रे से ता तू ते): आपने पिछले कुछ दिनों में कुछ अधिक खर्च किया है जिसके आप आदी नहीं हैं । आज सतर्कता की अवस्था आप के अंदर रहेगी । आपके दृष्टिकोण में एक उल्लेखनीय बदलाव आएगा और आप अपने बजट को सख्त बनाने और धन संचय पर अधिक जोर देंगे , हालाँकि आपको अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा की आपका धन बर्बाद और खत्म हो जाएगा ।

वृश्चिक (तो मा मी मू मे मो य यी यू): आज आप अपने आप पर संदेह कर सकते है और अपनी खुद की क्षमता को नजरअंदाज कर सकते हैं। यह सब आपके असुरक्षित व्यवहार की वजह से है जिसे आपको नियंत्रित करना होगा । एक गहरे स्तर पर दूसरों के साथ संदेशो का आदान प्रदान करने का प्रयास करें। इससे न केवल आप उन लोगों के साथ बेहतर सम्बन्ध बना सकोगे बल्कि आप कार्य प्रणाली को भी बेहतर तरीके से समझ पाओगे।

धनु (ये यो भा भी मू धा फा ढा भे): अपने जीवन पर नियंत्रण रखें और और सब के कहने या कुछ करने की कोई भी परवाह ना करें इसके स्थान पर आराम से खुद की इच्छाओं और आवश्यकताओं को समझने की कोशिश करें और उन का विश्लेष्ण करें ताकि किसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंच सकें इस बात का विशेष ध्यान रखें की आपके फैसले से ऐसी किसी व्यक्ति को दुःख न हो जो आप पर भावनात्मक रूप से निर्भर है

मकर (भे जे जी खी खू खो मा मी): आज आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी आप आज तर्क के स्थान पर अपने दिल की आवाज और प्रवृति के आधार पर फैसले कर सकते हैं,लेकिन वे भी वित्त के मामले में लाभकारी ही साबित होंगे आप इन दिनों फैसले लेने में सबसे अधिक महत्ता अपने मन की आवाज को देते हैं ,लेकिन आपको भविष्य की बेहतरी के लिए वर्तमान समय में कुछ आरामों को छोड़ना होगा

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आपको आगे जाने से पहले अपने वित्तीय और कैरियर से संबंधित योजनाओं के अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों नतीजों पर विचार करना होगा । आपको कोई भी निर्णय लेने से पहले अपने कैरियर से संबंधित योजना का एक खाका तैयार करना होगा जिससे आप लाभ और हानि का विश्लेषण कर सके ।दोबारा अपने निर्णय का पुनर्मूल्यांकन करे ।

मीन (ढी दू थ झ ञ दे दो घ घी): ये समय अपनी प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी कमजोरियों के बारे में चिंता न करने का है । यह आप के लिए जीत का युग है! आप अपनी रणनीति के साथ दृढ़ हैं और अपने शब्दों के साथ अत्यंत सटीक रहेंगे । आपको पैतृक संपत्ति से या अपने अतीत के निवेश से कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है , लेकिन मौद्रिक लेनदेन में शामिल किसी पर भी भरोसा न करे और सावधान रहे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

सिर्फ 8 परियोजनाएं समय पर

रेलवे-सड़क जैसे 58% सेंट्रल प्रोजेक्ट डेडलाइन से पिछड़े, लागत 3.20 लाख करोड़ रु. बढ़ गई

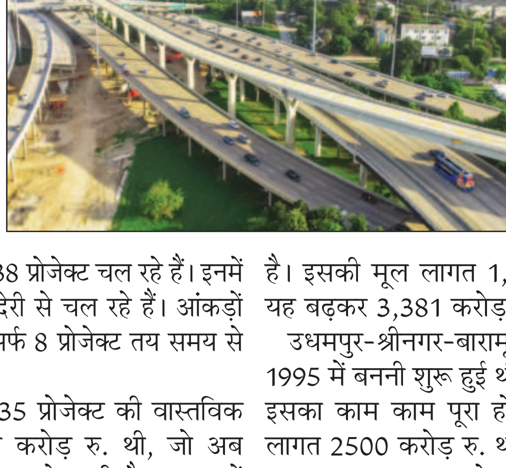

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के 58% प्रोजेक्ट डेडलाइन से पिछड़ गए हैं। इस वजह से इनकी लागत 3.2 लाख करोड़ रु. बढ़ गई है। सांख्यिकी और कार्यान्वयन मंत्रालय के मुताबिक, देश में 150 करोड़ रु. से अधिक लागत के 1,438 प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इनमें से 835 यानी 58% देरी से चल रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, देश में सिर्फ 8 प्रोजेक्ट तय समय से पहले तैयार हो रहे हैं।

देरी से चल रहे 835 प्रोजेक्ट की वास्तविक लागत 10.88 लाख करोड़ रु. थी, जो अब 14.07 लाख करोड़ रु. हो चुकी है। लागत में सबसे अधिक इजाफा रेलवे प्रोजेक्ट में लेटलतीफी की वजह से हुआ है। रेलवे के 173 में से 117 प्रोजेक्ट देरी से चल रहे हैं। इनकी वास्तविक लागत 1.74 लाख करोड़ रु. थी, जो अब 3.17 लाख करोड़ रु. हो चुकी है। चिंता की बात यह है कि आने वाले समय में लागत और बढ़ सकती है। नागर विमानन मंत्रालय के सबसे ज्यादा 92% प्रोजेक्ट डेडलाइन से पिछड़ चुके हैं। तेलंगाना में महबूबनगर-मुनीराबाद रेल प्रोजेक्ट अप्रैल 1997 में शुरू हुआ, मार्च 2000 में पूरा होना था। अब 26 साल होने को हैं, लेकिन काम अधूरा है। इसकी मूल लागत 1,723 करोड़ रु. थी। यह बढ़कर 3,381 करोड़ रु. हो गई है।

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लाइन मार्च 1995 में बननी शुरू हुई थी। नवंबर 2002 तक इसका काम काम पूरा होना था। इसकी मूल लागत 2500 करोड़ रु. थी, जो अब 1,380% बढ़कर 37 हजार करोड़ रु. पहुंच चुकी है। इसकी नई डेडलाइन जून 2023 तय की गई है।

देरी से चल रहे 835 प्रोजेक्ट में से 160 (19%) 1 महीने से 1 साल लेट हैं। 134 (16%) प्रोजेक्ट 13 महीने से 2 साल तक की देरी से चल रहे हैं। 405 (49%) प्रोजेक्ट 2-5 साल लेट हैं। 136 (16%) प्रोजेक्ट 5 साल से भी ज्यादा लेट हैं।

राजधानी के कई इलाकों में भूजल बेहद खराब

सीजीडब्ल्यूबी की रिपोर्ट में दावा-यूरेनियम और नाइट्रेस की मात्रा खतरनाक स्तर के पार

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कई हिस्सों में भूजल खारा है। जबकि उत्तर पूर्वी दिल्ली के भूजल में नाइट्रेट की मात्रा अधिक है। यह बात सेंट्रल ग्राउंड वॉटर बोर्ड की एक रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के लिए मई 2021 में राजधानी के कई हिस्सों से भूजल के नमूने लिए गए थे। इन्हीं नमूमों की जांच में सामने आया है कि राजधानी के कई हिस्सों में भूजल में नाइट्रेट का स्तर तय मानकों में ही है, लेकिन उत्तर पूर्वी दिल्ली में नाइट्रेट का स्तर अधिक है।

सेंट्रल ग्राउंड वॉटर बोर्ड ग्राउंड ईयर बुक 2021-22 को हाल ही में जारी किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार उत्तरी और पश्चिमी दिल्ली के कुछ हिस्सों को छोड़ दें, तो सभी एरिया के भूजल में फ्लोराइड का स्तर भी तय मानकों पर ही है। फ्लोराइड का स्तर 1.5 माइक्रोग्राम प्रति लीटर है।

वहीं दिल्ली के पूर्वी हिस्से खासतौर पर यमुना बाढ़ क्षेत्र और रिज जोन के भूजल स्तर में इलेक्ट्रिकल कंडेक्टिविटी (ईसी) भी तय मानकों पर ही है। ईसी के तय मानक शून्य से 2250 माइक्रोसिमेंस प्रति सेंटीमीटर है, लेकिन बाकी दिल्ली में जैसे दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली, उत्तर-पश्चिमी दिल्ली और पश्चिमी दिल्ली में ईसी का स्तर 3000 माइक्रोसिमेंस प्रति सेंटीमीटर से अधिक पाया गया। वहां क्लोराइड अधिक होता है। सीजीडब्ल्यूबी राज्य इकाई के एक अधिकारी ने कहा ने कहा कि रिज क्षेत्र में ताज़ा पानी उपलब्ध है, क्योंकि रिचार्ज अधिक है। अन्य क्षेत्रों में पानी खारा है जहां मिट्टी जलोढ़ है।

खारापन मिट्टी पर निर्भर करता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अरावली रिज क्षेत्र राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए मुख्य रिचार्ज क्षेत्र है। मई 2021 में एकत्र किए गए नमूनों के लिए भारी धातु विश्लेषण पर रिपोर्ट में कहा गया है कि 77 स्थानों में से जगतपुर में मैंगनीज की उच्चतम सांद्रता दर्ज की गई है। सीजीडब्ल्यूबी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यूरेनियम एक प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला रेडियोधर्मी रासायनिक तत्व है जो प्रकृति में कम सांद्रता में होता है। यह कुछ प्रकार की मिट्टी और चट्टानों, विशेष रूप से ग्रेनाइट में मौजूद है।

तुलसीदास के दलित पड़ोसी बोले- रामचरितमानस में कुछ गलत नहीं

जन्मस्थान पर विवाद, मंदिर से 500 मीटर दूर दलित बस्ती

कासगंज/गोंडा/चित्रकूट (**एक्सक्लूसिव डेस्क**)। तुलसीदास वो कवि हैं, जिन्होंने रामकथा को देश के आम लोगों तक पहुंचाया। हालांकि, रामचरितमानस में स्त्री और दलितों को लेकर कुछ चौपाइयां हैं, जो हमेशा विवादों में रहीं, आज भी हैं। सिर्फ चौपाइयों पर ही नहीं, तुलसीदास का जन्म कहां हुआ, इस पर भी विवाद है। उनके जन्म स्थान को लेकर यूपी के कासगंज, चित्रकूट और गोंडा के अपने-अपने दावे हैं।

चित्रकूट के राजापुर और कासगंज के सोरों में तुलसीदास के मंदिर से सिर्फ कुछ सौ मीटर दूर दलितों की बस्तियां हैं। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के रामचरितमानस में संशोधन की मांग के बाद इस मामले ने फिर तूल पकड़ लिया है। तुलसीदास की तीन चौपाइयों पर सबसे ज्यादा आपत्ति जताई जा रही है। ये सभी रामचरितमानस में अलग-अलग कांड में लिखी गई हैं। इनके अर्थ को लेकर भी विवाद है। आरोप लगाया जा रहा है कि तुलसीदास दलित और महिला विरोधी थे।

सबसे पहले चलते हैं चित्रकूट के राजापुर

लखनऊ से करीब 200 किमी दूर चित्रकूट की तहसील राजापुर है। दावा किया जाता है कि राजापुर में ही तुलसीदास का जन्म हुआ था। यमुना पर बना पुल पार कर राजापुर में दाखिल होते ही पहली नजर तुलसी चौक पर गई। चौक पर लगे लाउडस्पीकर पर रामचरितमानस की चौपाइयां पढ़ी जा रही हैं। शहर के लोग बताते हैं- 'पूरे राजापुर में लाउडस्पीकर लगे हैं। यहां हर समय रामचरितमानस का पाठ चलता रहता है। इससे किसी धर्म, किसी जाति के लोगों को कभी दिक्कत नहीं हुई।' तुलसी चौक से करीब 500 मीटर चलने के बाद एक संकरा रास्ता आता है, यहां पंसारी और सब्जी मंडी है। गंदगी से पटे इस बाजार की एक गली सभी को यमुना किनारे बने तुलसीदास के जन्मस्थल तक पहुंचाती है। सामने एक मंदिर है, भक्तों के लिए टीन शेड लगा है। पुजारियों का दावा है कि रामचरितमानस में इसी जगह को कालिंदी कहा गया है। इसके लिए वह एक चौपाई भी सुनाते हैं, जो इस तरह है:

"पन्द्रह सौ चौवन विसे कालिन्दी के तीर। श्रावण शुक्ला सप्तमी, तुलसी धरयो शरीर।।"

अंदर मंदिर में सामने राम, सीता और लक्ष्मण और दाहिनी तरफ तुलसीदास की मूर्ति है। उसी के नीचे उनकी सदियों पुरानी चरण पादुका रखी है। मंदिर के पुजारी पंडित विष्णुकांत चतुर्वेदी बताते हैं- 'यह मंदिर तुलसीदास के पैतृक मकान की जगह बना हुआ है। जब तुलसी ने जन्म लिया था, तब यहां मिट्टी से बना कच्चा मकान था। कमरे में तुलसीदास की प्रतिमा लगी है।'

मान्यता के मुताबिक, यही कमरा उनकी माता हुलसी देवी का प्रसव कक्ष था। यहीं उनकी नाल भी गड़ी है। तुलसी के सामने ही महादेव की प्रतिमा भी लगाई गई है। विष्णुकांत का दावा है कि यह प्रतिमा बनाई नहीं गई है। यह तुलसीदास की मृत्यु के बाद कालिंदी नदी से मिली है। पंडित विष्णुकांत चतुर्वेदी आगे बताते हैं- 'गोस्वामी की मृत्यु काशी में हुई। उनके सबसे पहले शिष्य गणपत राम दास जी महाराज थे, जिनकी हम 11वीं पीढ़ी हैं। गणपत रामदास जी महाराज तुलसीदास की लिखी रामचरितमानस और उनकी चरण पादुका के साथ राजापुर आ गए। यहां जब लोगों को पता चला कि तुलसीदास नहीं रहे, तो सभी दुखी हो गए। तब तुलसीदास लोगों के सपने में आए और कहा कि मैं महादेव के साथ कालिंदी में पड़ा हूं। आप लोग खोज लीजिए। तब तुलसी और महादेव की यह मूर्तियां कालिंदी से निकलीं। तब से मूर्तियां यहां स्थापित हैं।'

चौपाइयों पर विवाद

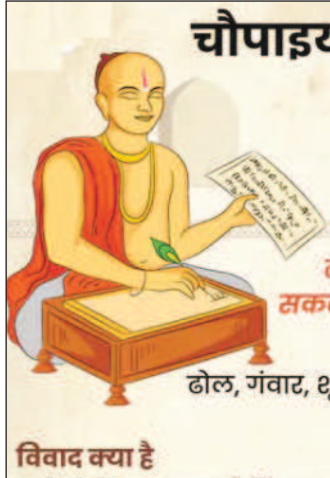

ढोल गवांर सूद्र पसु नारी सकल ताड़ना के अधिकारी।।

अर्थ

ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और नारी- ये सब शिक्षा के अधिकारी हैं।

विवाद क्या है

कई लोगों का मानना है कि ताड़ना शब्द का मतलब प्रताड़ना यानी कष्ट देना है। कुछ लोग ये भी कहते हैं कि ताड़ना शब्द का मतलब देखना, किसी के बारे में पता लगाना या सच पता करना होता है।

अधम जाति मैं बिद्या पाएं। भयउं जथा अहि दूध पिआएं।।

अर्थ

नीच जाति का मैं विद्या पाकर ऐसा हो गया जैसे दूध पिलाने से सांप।

विवाद क्या है

चौपाई का अर्थ निकाला जाता है कि अधम या नीच जाति के लोगों को शिक्षा हासिल करने का अधिकार नहीं।

पूजिअ विप्र सील गुन हीना। शूद्र न गुन गन ग्यान प्रबीना।।

अर्थ

शील और गुण से हीन ब्राह्मण भी पूजनीय है। और गुण-गणों से युक्त और ज्ञान में निपुण शूद्र भी पूजनीय नहीं है।

विवाद क्या है

एक तबके को लगता है कि रामचरितमानस में तुलसीदास ने ब्राह्मणों को श्रेष्ठ बताया है, और दलितों को नीचा दिखाया गया है।

चौपाई सोर्स: रामचरित मानस, गीता प्रेस, गोरखपुर

तिजोरी में रखी है रामचरितमानस

मुख्य मंदिर के बगल में ही मानस मंदिर है। यहां के पुजारियों का दावा है कि तुलसीदास के हाथ से लिखी रामचरितमानस इनके पास मौजूद है। पुजारी रामआश्रय त्रिपाठी एक कमरे की दीवार में जड़ी एक तिजोरी को बड़ी-बड़ी चाबियों से खोलने लगे। तिजोरी खोलकर उन्होंने एक मेज पर 24 मखमली कपड़ों में लिपटी रामचरितमानस रख दी।

रामआश्रय कहते हैं- 'आजकल बहुत कम लोग इसमें लिखे शब्दों को समझ पाएंगें। उस समय अकबर के दिए दस्तावेज भी तिजोरी में सुरक्षित रखे हैं। एक बार रामचरितमानस चोरी हो गई थी। हल्ला मचा तो चोर कालिंदी में फेंककर चला गया। जब निकाला गया तो सिर्फ अयोध्या कांड ही बचा था।'

79 साल के पं. रामाश्रय त्रिपाठी बताते हैं- 'मैं तुलसीदास जी की शिष्य परंपरा की 11वीं पीढ़ी का प्रमुख हूं। तुलसीदास के पहले शिष्य गणपतराम उपाध्याय थे। उनके परिवार के लोग ही इस मंदिर के प्रमुख हैं। यहां के 8वें प्रमुख मुन्नीलाल की कोई संतान नहीं थी। उन्होंने बहन के बेटे ब्रह्मदत्त त्रिपाठी को गोद लिया और उन्हें मंदिर का प्रमुख नियुक्त किया। ब्रह्मदत्त त्रिपाठी की मृत्यु के बाद उनके बेटे रामाश्रय त्रिपाठी 15-16 साल की उम्र से ही इस मंदिर की देखभाल कर रहे हैं।'

बातों-बातों में पता चला कि मंदिर के पास ही एक दलित बस्ती भी है। यहां के ज्यादातर लोग ठेला लगाने, सब्जी बेचने या मजदूरी जैसे काम करते हैं। रामचरितमानस विवाद से जुड़े सवाल लेकर मैं वहां पहुंचा, तो मेरी मुलाकात दिनेश चंद्र सोनकर से हुई। दिनेश फेरी लगाते हैं। विवाद पर दिनेश जवाब देते हैं- 'राजापुर तुलसीदास की जन्मस्थली है। हम लोग तो गर्व महसूस करते हैं कि हमने इस पवित्र धरती पर जन्म लिया है। नेता तो सिर्फ अपने फायदे के लिए भाषणबाजी करते हैं। रामचरितमानस हम बचपन से सुनते आ रहे हैं। हमें कभी न तो मंदिर जाने से रोका गया, न ही हमें रामचरितमानस से कोई दिक्कत है। बातचीत सुनकर अनिल कुमार सोनकर आ गए। वे कहते हैं- 'सुबह उठते ही सबसे पहले तुलसीदास मंदिर जाता हूं। पूजा किए बिना दिन ही नहीं शुरू होता। कभी किसी ने नहीं कहा कि शूद्र हो, इसलिए मंदिर नहीं जा सकते।'

समोखी लाल रिटायर्ड प्रिंसिपल हैं। बोले- 'मैं दलित हूं। गरीबी में परिवार को पाला। आज बेटे पढ़-लिखकर अच्छी नौकरी कर रहे हैं। दलित होने की वजह से मुझसे भेदभाव नहीं किया गया। तुलसीदास के मंदिर जाता हूं। माथा टेकता हूं। रामचरितमानस का पाठ भी करता हूं। मुझे उसमें ऐसा कुछ नहीं दिखाई दिया।' इसी बीच हनुमानगंज वार्ड के सभासद अशोक सोनकर ने कहा, 'रोज सुबह सबसे पहले मंदिर जाते हैं और मंदिर का चंदन माथे पर लगाते हैं। कोई रोकेगा तो क्या, कानून है न। स्वामी प्रसाद मौर्य तो दलबदलू हैं। उनकी बातों पर कौन यकीन करेगा।'

अब कासगंज का सोरों

सोरों, चित्रकूट से करीब 500 किमी दूर है। एक दावा है कि यहीं गोस्वामी तुलसीदास का जन्म हुआ, यहीं उनका पैतृक गांव भी है। सोरों के पंडित हेमंत त्रिगुणायत बताते हैं- 'सोरों वाराह भगवान की वजह से प्रसिद्ध है। गोस्वामी तुलसीदास का बचपन भी यहीं गुजरा। उनका गांव अब रामपुर श्यामपुर के नाम से जाना जाता है।' यहां कुंड के बीच में तुलसीदास की प्रतिमा लगी है। यहां एक पुलिसवाले की तैनाती थी, सवाल किया तो जवाब मिला- 'कुछ महीनों पहले किसी ने यहां तोड़फोड़ की थी, जिसके बाद पुलिस लगा दी गई।'

इस प्रतिमा से भी सिर्फ 500 मीटर की दूरी पर दलित बस्ती है। हालांकि, ये जानकर थोड़ा झटका लगा कि इस बस्ती का नाम 'घटिया वार्ड' है। इस नाम का इतिहास जानना चाहा तो कुछ नहीं मिला, लेकिन मन में सवाल यही था कि इसे बदला क्यों नहीं गया।

इस दलित बस्ती में घुसते ही सामने डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा दिखाई दी। प्रतिमा के पास ही सुरेश खड़े थे। सुरेश से विवाद पर सवाल किया तो बोले- 'कहा तो जाता है कि यहां तुलसीदास का जन्म हुआ है। नेता ने क्या बयान दिया, मुझे मालूम नहीं है। हमें उससे कोई फर्क भी नहीं पड़ता है। हम तो अपने काम-धंधा में व्यस्त रहते हैं। कभी लगा नहीं कि रामचरितमानस में हमारे विरोध में कुछ लिखा है।' सुरेश के बाद मेरी मुलाकात सुखपाल से हुई। सुखपाल भी स्कूल से रिटायर्ड प्रिंसिपल हैं। बताते हैं- 'मैं भी तुलसीदास के मंदिर में रोज जाता हूं। कभी ऐसी बात सामने नहीं आई कि हम दलितों का अपमान किया गया है। पन्नालाल मोहल्ले में बच्चों को ट्यूशन पढ़ाते हैं। कहते हैं- 'सोरों तुलसीदास की जन्मस्थली मानी जाती है। देशभर से लोग तीर्थ करने आते हैं, तो यहां के लोगों को फायदा मिलता है। हम तो बचपन से रामचरितमानस पढ़ते-सुनते आए हैं। हमें ऐसी कोई खामी नजर नहीं आई, लेकिन नेता कुछ बोल रहे हैं तो शायद कुछ होगा ही। कुछ आपत्ति है, तो उसे हटा देना चाहिए।'

मैं लौटने लगता हूं तो राजेश गौतम मिल जाते हैं। राजेश ऑटो चलाते हैं, विवाद पर कहते हैं- 'रामचरितमानस पर सवाल उठने से पहले ही बाबा साहेब ने मनुस्मृति को जला दिया था। उसमें दलितों और महिलाओं के बारे में गलत बातें थीं। अगर रामचरितमानस में भी कुछ आपत्तिजनक है, तो उसे भी हटा देना चाहिए। हमारे लिए तो संविधान ही धर्म ग्रंथ है। उसे ही पढ़ रहे हैं और अपने बच्चों को भी वही पढ़ाएंगे।' हमारी बातें सुनकर तुलसीदेवी भी आ गईं। वे कहती हैं- 'रामचरितमानस तो हर घर में होता है। कभी लगा नहीं कि उसमें कुछ गलत कहा गया। नेता लोग क्यों ऐसे बोल रहे हैं, पता नहीं। सोरों तीरथ है। मंदिर जाते हैं, तो कभी कोई रोक-टोक तो नहीं दिखी।'

गोंडा का पस्का:

कासगंज से करीब 450 किलोमीटर दूर गोंडा से करीब 35 किमी दूर पस्का तहसील है। यहीं राजापुर सूकरखेत गांव है। सरयू किनारे बसे इस गांव के बारे में भी दावा किया जाता है कि तुलसीदास का जन्म यहीं हुआ था। यहां भी तुलसीदास का एक मंदिर बना हुआ है। इसकी देखरेख तुलसी जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष डॉ. स्वामी भगवदाचार्य करते हैं। वे कहते हैं- 'रामचरितमानस अवधी भाषा में हैं, ये अकेला तथ्य साबित करने के लिए काफी है कि तुलसी यहीं पैदा हुए।' हालांकि, राजापुर सूकर गांव में ज्यादातर सरयूपारी ब्राह्मणों की आबादी रहती है। यहां बाकी दो जगहों की तरह आसपास दलित बस्ती नहीं है। स्वामी प्रसाद मौर्य का जिक्र किया, तो भगवदाचार्य बोले- 'उनकी बुद्धि भ्रमित हो गई है। शूद्र तो बचपन में सभी होते हैं, इसकी गलत व्याख्या की जा रही है।'

3 दिन में 3700 मुर्गियों की मौत

बर्ड फ्लू की आशंका, जांच के लिए सैंपल भेजे गए, अब बिक्री पर रोक

बालोद, 8 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बर्ड फ्लू की आशंका मंडराने लगी है। बालोद जिले के दल्लीराजहरा स्थित वार्ड-16 के तिवारी पोल्ट्री फार्म में 3 दिन में 3 हजार 700 मुर्गियों की मौत से लोगों में दहशत है। इसे लेकर वन विभाग भी अलर्ट हो गया है। सूचना मिलते ही पशुपालन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मृत मुर्गियों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। जांच के लिए सैंपल रायपुर भेजे गए हैं।

बड़ी तादाद में मुर्गियों की मौत को लेकर किसी बड़ी बीमारी की आशंका भी जताई जा रही है। वहीं बर्ड फ्लू को लेकर भी विभाग चिंतित नजर आ रहा है। पिछले साल भी बालोद जिले में बर्ड फ्लू ने दस्तक दी थी। कुसुमकसा क्षेत्र के मुर्गी फार्म में सैकड़ों मुर्गियों की मौतें हुई थीं। अब 3700 मुर्गियों की मौत होने के बाद वन विभाग ने यहां मुर्गियों की बिक्री पर रोक लगा दी है। विभाग ने आसपास के क्षेत्रों में भी मुर्गियों पर विशेष ध्यान रखने की बात कही है।

दल्लीराजहरा नगरपालिका क्षेत्र में तिवारी पोल्ट्री फार्म में 3700 मुर्गियों की मौत के बाद बिना पशु विभाग को जानकारी दिए इन्हें दफना दिया गया था। इसकी खबर जैसे ही मीडियाकर्मियों को मिली, तो वे वहां पहुंचे। तब जाकर मामला उजागर हुआ। इसके बाद पोल्ट्री फार्म में पशु विभाग, पुलिस और नगर पालिका की टीम पहुंची। पोल्ट्री फॉर्म से जांच के लिए जिंदा मुर्गियों के ब्लड सैम्पल लिए गए। पशु विभाग के उप संचालक डीके सिहारे ने मुर्गियों की हुई मौत पर लैब रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहने की बात कही है।

पशुपालन विभाग के उपसंचालक डीके सिहारे ने बताया कि जिस तरह से मुर्गियों की एक साथ मौत हुई है, उसे देखते हुए शवों का पोस्टमॉर्टम कराने के साथ ही सैंपल लैब में भी जांच के लिए भेजे गए हैं, ताकि बर्ड फ्लू की पुष्टि हो सके। बालोद जिले में मुर्गियों की मौत के मामले में अंदेशा ये लगाया जा रहा है कि वैक्सीन में कुछ प्रॉब्लम हो सकती है या किसी इन्फेक्शन के कारण भी उनकी जान जा सकती है।

उप संचालक डीके सिहारे ने बताया कि 2 फरवरी को 1500 से ज्यादा मुर्गियों की मौत हुई थी। इसके बाद रविवार को भी करीब 1500 मुर्गियों की मौत हुई। उन्होंने कहा कि मुर्गियों की मौत की जानकारी पोल्ट्री फार्म ने विभाग को नहीं दी थी। वहीं, बिना एनओसी के संचालित पोल्ट्री फार्म और बिना जानकारी दिए मृत मुर्गियों को दफनाने के मामले में पोल्ट्री फार्म के संचालक पर कार्रवाई करने की बात उन्होंने कही है।

दरअसल मुर्गियों के लिए जो वैक्सीन आती है, उसका रखरखाव भी बहुत महत्वपूर्ण होता है। 2 फरवरी से मुर्गियों की मौत का सिलसिला शुरू हुआ है। दल्लीराजहरा के तिवारी पोल्ट्री फार्म और स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि पहले एक-दो मुर्गियों की मौत हुई, इसके बाद मौत का आंकड़ा बढ़ता चला गया। यहां एक साथ 600 मुर्गियों की मौत हुई और आखिर में वहां पर 3,700 की संख्या में रखी गई सारी मुर्गियां मारी गईं।

इधर डौंडीलोहारा एसडीएम योगेंद्र श्रीवास ने कहा कि वेटनरी विभाग को पोल्ट्री फार्म के संचालक से अंडरटेकिंग लेकर मुर्गियों की खरीद-बिक्री नहीं करने की बात कही है। जांच रिपोर्ट के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। क्षेत्र के सभी पोल्ट्री फार्म में मॉनिटरिंग कर निगरानी रखने के लिए वेटनरी विभाग को कहा गया है।

मुर्गियों की मौत के बाद से विभाग सहित पूर्ति संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है। पोल्ट्री फार्म संचालक समिति के सदस्य सुरेंद्र देशमुख ने बताया कि पहले कोरोना काल के समय अफवाहों के कारण मुर्गियों की बिक्री में कमी आई थी और व्यापार पूरी तरह चौपट हो गया था। इसके बाद पिछले साल बर्ड फ्लू ने दस्तक की। अब एक बार फिर सौकड़ों मुर्गियों की मौत ने उनकी परेशानी बढ़ा दी है। अभी वे पिछले घाटे से ही नहीं उबर पाए हैं कि अब फिर से नई परेशानी खड़ी हो गई है।

ईडी के सामने पेश हुए कांग्रेस के बर्खास्त विधायक नमन बिक्सल

रांची, 8 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के बर्खास्त विधायक नमन बिक्सल कोंगारी बुधवार को ईडी के सामने पेश हुए। नमन बिक्सल सुबह करीब 11 बजे ईडी ऑफिस पहुंचे। नमन बिक्सल को बीती 17 जनवरी को ईडी के सामने पेश होना था लेकिन उन्होंने दो हफ्ते का समय मांगा। विधायक ने कहा कि ईडी ने कुछ दस्तावेज मांगे हैं, जिनमें बैंक डिटेल्स भी शामिल हैं। बिक्सल ने कहा कि वह ईडी की जांच में पूरा सहयोग करेंगे। इससे पहले इरफान अंसारी और राजेश कच्छप से भी ईडी पूछताछ कर चुकी है। दोनों नेताओं से जब्त किए गए 49 लाख रुपए को लेकर सवाल किए गए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कच्छप और अंसारी ने ईडी को बताया कि जब्त की गई रकम से आदिवासी महिलाओं को बांटने के लिए साड़ियां खरीदी जानी थीं। इससे पहले झारखंड के बर्खास्त कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप से मंगलवार को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 10 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की।

निरंजन दास को फिर आबकारी में ले आई सरकार

संविदा नियुक्ति के 7 दिन बाद नया आदेश जारी, यहीं से पिछले महीने रिटायर हुए थे आईएएस

रायपुर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार रिटायर्ड आईएएस अधिकारी निरंजन दास को फिर से आबकारी विभाग में ले आई है। उनको आबकारी आयुक्त बनाया गया है। दास 31 जनवरी को इसी पद से रिटायर हुए थे। उसके तुरंत बाद एक फरवरी को उन्हें संविदा नियुक्ति देकर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का सचिव बनाया था।

सामान्य प्रशासन विभाग ने नई नियुक्ति का आदेश जारी किया है। इसके मुताबिक निरंजन दास को आबकारी आयुक्त, नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक, स्टेट बेवरेज कॉर्पोरेशन के एमडी और वाणिज्यिक कर विभाग के सचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है।

एक फरवरी को उनको संविदा नियुक्ति दी जाते समय केवल इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का सचिव बनाया गया था। 31 जनवरी को सेवानिवृत्त होते समय दास के पास छत्तीसगढ़ नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक, वाणिज्यिक कर विभाग के सचिव, आबकारी आयुक्त और बेवरेज कॉर्पोरेशन के एमडी की जिम्मेदारी थी। यह सभी विभाग अब फिर से दास के पास होंगे।

राज्य प्रशासनिक सेवा संवर्ग से प्रमोट होकर आईएएस बने निरंजन दास को 2003 बैच मिला था। उन्होंने गरियाबंद सहित कई जिलों में कलेक्टर की भी जिम्मेदारी निभाई है।

प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद मई 2019 में पहली बार निरंजन दास को आबकारी विभाग का आयुक्त बनाया गया। तबसे वे रिटायरमेंट तक उसी पद पर बने रहे। रिटायरमेंट के एक सप्ताह बाद संविदा अफसर के रूप में फिर से उसी पद की जिम्मेदारी पर लौट आए हैं। उनके रिटायरमेंट के बाद सरकार ने उस पद के लिए किसी नए अफसर को भेजा भी नहीं था।

बाइक को टक्कर मारते हुए पलटी कार, एक की मौत

रिश्तेदार के घर बर्थडे पार्टी मनाने जा रहे थे युवक, रास्ते में हादसा, 3 घायल

बिलासपुर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। बिलासपुर में तेज रफ्तार कार बाइक को टक्कर मारने के बाद पलट गई। इस हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। वहीं, कार सवार समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं, उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि बाइक सवार तीन युवक अपने रिश्तेदार के यहां बर्थडे पार्टी मनाने के लिए जा रहे थे। तभी रास्ते में यह हादसा हो गया। हादसा कोटा थाना क्षेत्र में हुआ है।

जानकारी के अनुसार, कोनी क्षेत्र के ग्राम नीरतू निवासी भूपेंद्र यादव (28) अपने दो दोस्तों के साथ मंगलवार की शाम बिल्लीबंद जा रहा था, जहां उसके रिश्तेदार के घर में बर्थडे मनाया जा रहा था। अभी बाइक सवार तीनों युवक गनियारी के पास पहुंचे थे। तभी कोटा की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार के चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार तीन युवक सड़क से दूर जा गिरे। इस हादसे में बाइक सवार भूपेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में मृतक भूपेंद्र के दो साथी भी गंभीर रूप से घायल हो गए। इधर, बाइक को टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित कार सड़क से उतरकर पलट गई, जिससे कार सवार गंगानगर निवासी आयुष बघेल भी घायल हो गया। बताया जा रहा है कि कार को अभिषेक शर्मा चला रहा था। दुर्घटना के बाद वह कार को छोड़कर भाग गया। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। मंगलवार को ही बिलासपुर के हिर्री थाना क्षेत्र में स्थित धौंराभाठा के पास एक माजदा खड़े हाइवा के पीछे जा टकराया।

इस हादसे में ड्राइवर काफी देर तक स्टेयरिंग के साथ केबिन में फंसा रहा। उसे बड़ी मशक्कत के बाद लोगों ने बाहर निकाला और 108 की मदद से सिम्स भिजवाया। पीड़ित ट्रक ड्राइवर की पहचान 32 वर्षीय बिहार निवासी शत्रुहन साहनी के तौर पर हुई है। उसे दुर्घटना में बुरी तरह चोट लगी है। पुलिस ने बताया कि एक्सीडेंट के बाद वह अपनी ही गाड़ी में बुरी तरह फंस गया। वाहन का शीशा तोड़कर उसे बाहर निकाला गया और फिलहाल सिम्स में उसका इलाज जारी है। नेशनल हाईवे में बीते दो साल के भीतर सड़क हादसों में 383 लोगों की जान जा चुकी है।

आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ का जवान घायल

रांची, 8 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के चाईबासा में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया। हादसे में घायल हुए जवान को उपचार के लिए रांची के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। झारखंड पुलिस की ओर से यह जानकारी दी गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गोइलकेरा थाना क्षेत्र के हाथीबुरू जंगल में सुरक्षा बल नक्सल विरोधी अभियान चला रहे थे, तभी माओवादियों द्वारा लगाए गए आईईडी में विस्फोट हो गया। राज्य पुलिस के महानिरीक्षक अमोल वी होमकर ने कहा कि घायल जवान को रांची ले जाया गया।

नगर निगम और नगरपालिका चुनाव के लिए इंतजार बरकरार

चुनाव में ओबीसी आरक्षण नहीं देने को सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई, मुख्य सचिव ने कहा – कोर्ट के आदेश पर ही होगा चुनाव

रांची, 8 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड में अभी नगरपालिका और नगर निगम चुनाव होने के आसार नहीं दिख रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में इन चुनावों में ओबीसी को आरक्षण नहीं देने को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई चल रही है। यह अवमाननावाद याचिका गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने दायर की है। इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब मांगा था। राज्य के मुख्य सचिव की ओर से सुप्रीम कोर्ट ने जवाब दे दिया गया है। यह जवाब शपथ पत्र के माध्यम से दी गयी है। अपने जवाब में राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट को बताया गया है कि राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के मुताबिक ही चुलाव कराएगी। सुप्रीम कोर्ट में दिए गए जवाब में बताया गया है कि राज्य में निकाय चुनाव की प्रक्रिया शुरू नहीं की गयी है। नगर निगम और नगरपालिकाओं में मेयर और अध्यक्ष पद के आरक्षण को लेकर नगरपालिका अधिनियम में संशोधन किया गया है। विधानसभा से पारित इस संशोधन के अधिसूचित होने के बाद राज्य में निकाय चुनाव कराया जायेगा। मुख्य सचिव ने शपथ-पत्र के माध्यम से जवाब देते हुए अनुरोध किया है कि उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश का कोई उल्लंघन नहीं किया है। ऐसे में राज्य सरकार को अवमाननावाद से मुक्त किया जाये। गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी द्वारा दायर अवमाननावाद मामले में जवाब देते हुए मुख्य सचिव ने बताया है कि ओबीसी आरक्षण को लेकर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा के कृष्णमूर्ति, विकास कृष्ण राव गवली बनाम महाराष्ट्र राज्य व अन्य और राहुल रमेश वाघ बनाम महाराष्ट्र व अन्य मामले में पारित आदेशों के आलोक में ही निकाय चुनाव कराया जायेगा।

पीएम गुणवर्धने बोले- संकट के समय भारत ने निभाई सच्ची दोस्ती

श्रीलंकाई पुलिस ने गोतबाया से की पूछताछ

कोलंबो, 8 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका के प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने ने भारत को संकट के समय श्रीलंका का सबसे बड़ा मित्र बताया है। उधर, अदालत के आदेश पर श्रीलंका पुलिस ने राष्ट्रपति कार्यालय से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में गोतबाया राजपक्षे का बयान दर्ज किया।

कोलंबो में टाटा टिस्कॉन डीलर कन्वेंशन 2023 को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री गुणवर्धने ने भारतीय कंपनियों से श्रीलंका में और निवेश करने का आह्वान किया। श्रीलंका में भारतीय निवेश के बारे में प्रधानमंत्री गुणवर्धन ने कहा कि श्रीलंका में अशोक लेलैंड द्वारा उपयोग किए जाने वाले 90 प्रतिशत घटक स्वदेशी थे। टिस्कॉन डीलर कन्वेंशन 2023 कार्यक्रम में बोलते हुए उच्चायुक्त गोपाल बागले ने कहा कि भारत सरकार और भारतीय कॉर्पोरेट दोनों ऐसे संबंध बनाने के लिए काम कर रहे हैं जो प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की पड़ोस पहले नीति के तहत भारत के भीतर और बाहर के लोगों, विशेष रूप से पड़ोसियों के लिए फायदेमंद हैं। उच्चायुक्त ने कहा कि दोनों सरकारें लोगों से लोगों और व्यापार से व्यापार संबंधों को बढ़ावा दे रही हैं।

दोनों देशों के बीच व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। भारत 2021 में श्रीलंका के लिए सबसे बड़ा निवेशक और सबसे बड़ा निर्यातक भी रहा। इसके अलावा भारतीय कंपनियां आर्थिक गतिविधियों, उत्पादों के अलावा श्रीलंका के नागरिकों के लिए रोजगार के माध्यम से आर्थिक सुधार का समर्थन कर रही हैं। हालांकि, आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका की हरसंभव मदद करने में भारत ने अहम महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पुलिस ने नकदी के मामले में पूर्व राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे से की पूछताछ

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे से उनके कार्यालय से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में पुलिस ने पूछताछ की। पुलिस प्रवक्ता निहाल थलडुवा ने संवाददाताओं से कहा, अदालत के निर्देश पर सोमवार को उनके निजी घर में तीन घंटे तक बयान दर्ज किया गया।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को सौंपी थी नकदी

बता दें कि जुलाई 2022 में आर्थिक संकट से जूझे रहे श्रीलंकाई नागरिकों ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया। प्रदर्शनकारियों ने उस दौरान कहा कि राष्ट्रपति भवन से 17 मिलियन रुपये से अधिक नकदी पूर्व राष्ट्रपति गोतबाया के कार्यालय से मिली थी। जिससे बाद में कोलंबो फोर्ट पुलिस को सौंप दिया गया। बड़ी मात्रा में मिली नकदी की जानकारी पुलिस ने अदालत को दी। इस मामले में अदालत ने पुलिस को राजपक्षे का बयान दर्ज करने का आदेश दिया।

'ईडी मेरी बेटी की स्कूल फीस और रिजल्ट के बारे में करेगी पूछताछ', डीके शिवकुमार का आरोप

बेंगलुरु, 8 फरवरी (एजेंसियां)। कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 22 फरवरी को ईडी के नोटिस पर कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) ने मेरी बेटी की स्कूल फीस और परीक्षा परिणामों के बारे में पूछताछ के लिए एक नोटिस भेजा है। मैंने ईडी द्वारा पहले भेजे गए नोटिस का जवाब दिया है।

अब फिर से, मुझे समन किया गया है, वे केवल विपक्ष को नोटिस भेजते हैं।

अमेरिकी अधिकारियों ने भारतीय नौसेना के अहम अड्डे का किया दौरा

हिंद महासागर में निगरानी होगी मजबूत

वॉशिंगटन, 8 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने आज भारतीय नौसेना के एक अहम नेवल बेस का दौरा किया। अमेरिकी अधिकारियों ने जिस नेवल बेस का दौरा किया, उस पर अमेरिका की कंपनी जनरल एटोमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स द्वारा निर्मित प्रीडेटर ड्रोन्स तैनात हैं, जिन्हें भारत ने लीज पर लिया हुआ है। दौरे के दौरान भारतीय नौसेना के अधिकारियों ने अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों को प्रीडेटर ड्रोन्स की क्षमताओं, सर्विलांस और मेंटिनेंस , लॉजिस्टिक सपोर्ट आदि क्षमताओं के बारे में जानकारी दी।

जनरल एटोमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम के सीईओ विवेक लाल ने एक बयान जारी कर बताया कि अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने भारतीय नेवल बेस पर एमक्यू-9 ऑपरेशन के गवाह बने, जो भारत और अमेरिका के बीच बढते भरोसेमंद रक्षा सहयोग संबंधों को दिखाता है। बता दें कि भारत ने जनरल एटोमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स से एमक्यू-9 रिमोटली पायलेटेड एयरक्राफ्ट सिस्ट्मस (आरपीएएस) को दो साल के लिए लीज पर लिया है। एमक्यू-9 ड्रोन्स कंपनी द्वारा भारत को कंपनी ओनड, कंपनी ऑपरेटिड लीज एग्रीमेंट के तहत दिए गए हैं। हालांकि कितने ड्रोन्स दिए गए हैं, कंपनी द्वारा इसका खुलासा नहीं किया गया है। अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों ने बताया कि हम भारतीय नौसेना और जीए-एएसआई के बीच के सहयोग से प्रभावित हैं। भारतीय नौसेना ने एमक्यू-9 को पूरी क्षमता के साथ तैनात किया हुआ है। बता दें कि भारत और अमेरिका के बीच 3 बिलियन डॉलर की डिफेंस डील भी जल्द अंतिम चरण में पहुंच सकती है। इस डील के तहत भारत को अमेरिका से 30 एमक्यू-9बी प्रीडएटर ड्रोन्स मिलेंगे। इनमें से 10-10 ड्रोन्स तीनों सेनाओं थल सेना, वायुसेना और नौसेना को मिलेंगे। इन ड्रोन्स के आने से हिंद महासागर में चीन की बढ़ती चुनौती से निपटा जा सकेगा।

'फुटपाथ पर ठेले लगाना जनहित के खिलाफ'

हाईकोर्ट ने बीएमसी को लगाई फटकार

मुंबई, 8 फरवरी (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा है कि पैदल चलने वाले लोगों को ट्रैफिक में परेशानी ना हो, इसलिए फुटपाथ बनाए जाते हैं लेकिन अगर उन पर ठेले लगाने की अनुमति दी जाती है तो फिर इससे फुटपाथ बनाने का उद्देश्य ही विफल हो जाता है।

जस्टिस एसबी शुक्रे और जस्टिस एमडब्लू चंदवानी की डिविजन बेंच ने यह एक मामले की सुनवाई के दौरान यह बात कही। साथ ही बेंच ने बृहनमुंबई म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन (बीएमसी) को अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के निर्देश दिए। बता दें कि बीएमसी ने बीते साल वर्ली इलाके में स्थित एक अस्पताल के बाहर 11 स्टॉल मालिकों को फुटपाथ पर ठेला लगाने की अनुमति दी थी।

बीएमसी के इस फैसले के खिलाफ 'द बॉम्बे मदर्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर सोसायटी' नामक एनजीओ ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर दी। याचिका में कहा गया है कि बीएमसी ने अस्पताल, शैक्षित संस्थान और पूजा स्थलों के 100 मीटर के दायरे में घूम-घूमकर सामान बेचने वालों पर प्रतिबंध लगा दिया था। अपने बचाव में बीएमसी ने कहा कि यह प्रतिबंध घूमकर सामान बेचने वालों पर लगाया गया था ठेले वालों पर नहीं। इस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि फुटपाथ लोगों के पैदल चलने के लिए बनाए जाते हैं ना कि व्यापार करने के लिए। अगर कोई सिविक बॉडी फुटपाथ पर ठेले लगाने की अनुमति देती है तो यह जनहित के खिलाफ है और इससे पैदल चलने वाले लोगों को परेशानी होगी। इससे ना सिर्फ पैदल चलने वाले लोगों की जान को खतरा होगा बल्कि सड़क पर चलने वाले वाहनों को भी परेशानी हो सकती है। कोर्ट ने कहा कि हमारे विचार से फुटपाथ पर ठेले लगाने की अनुमति देने से इन्हें बनाने का उद्देश्य ही खत्म हो जाता है। कोर्ट ने बीएमसी को फुटपाथ पर ठेले लगाने की अनुमति देने के फैसले पर पुनर्विचार करने के निर्देश दिए हैं।

भाजपा के पूर्व सांसद का बेटा-बहू गिरफ्तार

कांकेर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर में पुलिस ने भाजपा के पूर्व सांसद स्व. अघन सिंह ठाकुर के बेटे और सरपंच बहू को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों की गिरफ्तारी सरकारी राशन बेचने के आरोप में की गई है। करीब छह साल से इसकी जांच चल रही थी। पुलिस ने पति-पत्नी दोनों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। मामले में एक आरोपी की गिरफ्तारी होना बाकी है। इस मामले में जांच जारी है। नरहरपुर की तत्कालीन फूड इंस्पेक्टर सुनीता देवांगन ने साल 2017 में थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें लारगांव मरकाटोला की सरपंच अन्नपूर्णा ठाकुर और शासकीय उचित मूल्य के दुकान के संचालक उसके पति अल्पेश ठाकुर पर राशन घोटाले का आरोप लगाया गया। शिकायत में कहा गया कि, पंचायत ने अल्पेश ठाकुर को विक्रेता के रूप में नियुक्त नहीं किया था, शिकायत में यह भी कहा गया कि, जांच के दौरान दुकान से 153.17 क्विंटल चावल, 57 क्विंटल गेहूं, 5.04 क्विंटल शक्कर, 9.30 क्विंटल नमक और 7.17 क्विंटल चना कम पाया गया था।

स्पाई बैलून पर बाइडेन की चीन को कड़ी चेतावनी

कहा- हम टकराव नहीं चाहते, लेकिन नुकसान पहुंचाया तो तगड़ा जवाब मिलेगा

वॉशिंगटन, 8 फरवरी (एजेंसियां)। यूएस प्रेसिडेंट जो बाइडेन ने बुधवार को दूसरी बार स्टेट ऑफ द यूनियन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर चीन खतरा पैदा करेगा तो अमेरिका अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएगा।

चीन के साथ बैलून विवाद पर बाइडेन ने कहा- मैं चीन के साथ अमेरिका और दुनिया के हितों के लिए काम करने को तैयार हूं, लेकिन अगर वो हमें नुकसान पहुंचाएंगे तो हम अपनी रक्षा जरूर करेंगे।

'हम किसी भी देश से कॉम्पिटीशन के लिए तैयार'

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- मेरे पद संभालने से पहले चीन अपनी ताकत बढ़ा रहा था और अमेरिका पीछे छूट रहा था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। मैंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत में साफ कर दिया था कि हम कॉन्फिल्क्ट नहीं कॉम्पिटीशन चाहते हैं। हम अमेरिका को और मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं। साथ ही हम अपनी एडवांस्ड टेक्नोलॉजी की रक्षा के लिए साथी देशों के साथ काम कर रहे हैं, जिससे कोई और इसका गलत फायदा न उठा सके। हम चीन या दुनिया के किसी भी देश के साथ कॉम्पिटीशन के लिए सबसे मजबूत स्थिति में हैं।

'रूस-यूक्रेन जंग पूरी दुनिया के लिए परीक्षा'

रूस-यूक्रेन जंग पर बात करते हुए बाइडेन ने व्लादिमिर पुतिन पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि ये जंग आने वाले कई सालों तक पूरी दुनिया के लिए एक परीक्षा है कि क्या हम अपने बुनियादी सिद्धांतों के लिए खड़े होंगे? क्या हम लोगों पर हो रहे जुर्म के खिलाफ आवाज उठाएंगे? और क्या हम लोकतंत्र की रक्षा के लिए आगे आएंगे?

'जनता से सही व्यवहार करें पुलिस अधिकारी'

इसके अलावा बाइडेन ने अपने संबोधन में रिपब्लिकन पार्टी को साथ आकर देश के लिए काम करने को कहा। साथ ही उन्होंने 'मेड इन अमेरिका' को उनकी सरकार की पहली प्रायोरिटी बताया। टायर निकोल्स की मौत के बारे में बात करते हुए बाइडेन ने कहा कि जनता के विश्वास को तोड़ने वाले पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्हें लोगों से कैसे बात करनी है इसके लिए जरूरी ट्रेनिंग भी दी जाएगी।

हाल ही में अमेरिका के फेडरल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन यानी एफबीआई ने प्रेसिडेंट बाइडेन के डेलावेयर के घर की तलाशी ली। ये छानबीन क्लासिफाइड या सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स गायब होने के सिलसिले में की गई। इससे पहले भी एफबीआई ने बाइडेन के इसी घर की तलाशी ली थी। उस वक्त उनके गैरेज और लाइब्रेरी में कुछ सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स मिले थे।

अमेरिका के मोंटाना शहर में चीन का संदिग्ध जासूसी बैलून देखा गया। यहां एयरफोर्स का स्पेशल बेस है, जहां से इंटरकॉन्टिनेंटल मिसाइल ऑपरेट की जाती है। पूरे अमेरिका में ऐसे तीन ही एयरबेस हैं।

इस घटना के बाद अमेरिका और चीन में तनाव बहुत तेजी से बढ़ा। हालांकि, चीन ने माफी मांग ली है, लेकिन अमेरिकी सरकार का रुख सख्त हो गया है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक सेक्टर में नौकरी जाने की बड़ी वजह

एचआर लीडर छंटनी के लिए भी ले रहे सॉफ्टवेयर और एल्गोरिदम का सहारा

बेथ कोविट, 8 फरवरी (एजेंसियां)। दुनियाभर में तेजी से बढ़ते ऑटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के प्रयोग के चलते इनसानी नौकरियां घट रही हैं। लागत घटाने और मंदी की आशंका के नाम पर सबसे ज्यादा छंटनियां टेक्नोलॉजी से जुड़ी कंपनियों में ही हो रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस न केवल इनसानों की जगह ले रहा है, बल्कि छंटनी करने के लिए भी एचआर अधिकारी इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। यह बहुत आश्चर्य की बात नहीं है कि टेक्नोलॉजी सेक्टर में फैसले लेने में आसानी और तेजी के लिए इस्तेमाल होने वाला एआई अब छंटनी के लिए लिस्ट बनाने में भी उपयोग किया जा रहा है। आउटप्लेसमेंट कंपनी चैलेंजर, ग्रे एंड क्रिसमस के मुताबिक बीते महीने अमेरिका में टेक कंपनियों में लगभग 42,000 छंटनियां हुईं जो अभी तक का दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। टेक रिसर्च फर्म गार्टनर की शाखा कैप्टेरा की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सर्वे किए गए 98% एचआर लीडर ने माना कि 2023 में अगर मंदी आती है तो लेबर कॉस्ट में कमी करने के लिए वे किसी न किसी सॉफ्टवेयर और एल्गोरिदम पर निर्भर रहेंगे। दिहाड़ी कामगारों का प्रबंधन एल्गोरिदम के जरिए करना कोई नई बात नहीं है।

2021 में ब्लूमबर्ग न्यूज ने बताया था कि अमेजन अपने फ्लेक्स डिलीवरी ड्राइवर को ट्रैक कर रही थी, जिनमें से कुछ को ऑटोमेटेड ईमेल के जरिए नौकरी से हटाया गया क्योंकि एल्गोरिदम ने तय किया कि वे अपने निर्धारित लक्ष्य को पूरा नहीं कर पा रहे थे।

हालांकि, ऑफिस वर्कर फिलहाल इस तरह की जांच से बच गए हैं क्योंकि उन्हें इसी तरह ट्रैक करने के लिए डेटा मौजूद नहीं है। लेकिन वर्कफोर्स प्रोडक्टिविटी स्कोर की बढ़ती लोकप्रियता के साथ उनकी ट्रैकिंग भी संभव हो रही है। उनके की-बोर्ड के हर स्ट्रोक और माउस की क्लिक पर नजर रखने के लिए एआई सक्रिय हो रहे हैं और उनकी प्रोडक्टिविटी के आधार पर छंटनी की लिस्ट में उन्हें शामिल कर सकते हैं।

विवाद का शिकार हुआ अमेजन का बनाया गया ऑटोमेशन टूल

कुछ एक्सपर्ट के मुताबिक अमेजन ने नौकरी के आवेदकों की छंटनी के लिए एक ऑटोमेटेड टूल बनाया था। सिस्टम को उन लोगों के पुराने डेटा को देखने के लिए प्रशिक्षित किया गया, जिन्होंने अतीत में रिज्यूमे जमा किया था। लेकिन क्योंकि टेक इंडस्ट्री पुरुष-प्रधान है और अधिकांश पिछले उम्मीदवार पुरुष थे, इसलिए आवेदन करने वाली महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि बाद में अमेजन ने इस प्रोग्राम को बंद कर दिया था।

36 दिन बाद दिखे किम जोंग उन

पत्नी–बेटी के साथ सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की, जंग की तैयारी करने का आदेश दिया

प्योंगयांग, 8 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने आर्मड फोर्सेस की स्थापना की 75वीं एनिवर्सरी के मौके पर अपनी पत्नी और बेटी के साथ जनरल-ग्रेड अधिकारियों के बैरक का दौरा किया।

नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन एक बार फिर से सुर्खियों में आ गए हैं। दरअसल, उन्हें बीते 36 दिन से किसी भी पब्लिक इवेंट में नहीं देखा गया था, जिसके बाद उनके बीमार होने की आशंका जताई जा रही थी।

हालांकि, 7 फरवरी को उन्होंने आर्म्ड फोर्सेस की स्थापना की 75वीं सालगिरह के मौके पर अपनी पत्नी और बेटी के साथ जनरल-ग्रेड अधिकारियों के बैरक का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की सेंट्रल मिलिट्री कमीशन की मीटिंग में भी हिस्सा लिया और सीनियर मिलिट्री ऑफिसर्स से मुलाकात की।

जंग की तैयारियां बढ़ाने का आदेश

इंडिपेंडेंट ने कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के हवाले से बताया कि किम की इस मीटिंग में टॉप मिलिट्री अधिकारी शामिल थे। उन्होंने सेना में जरूरी बदलाव करने और मिलिट्री को अंदर से मजबूती देने पर बात की। रिपोर्ट के अनुसार, किम ने अपनी सेना को युद्ध अभ्यास का विस्तार करने और जंग की तैयारियों को मजबूत करने का आदेश भी दिया है।

पहली बार न्यूक्लियर मिसाइल ब्रांच का जिक्र

न्यूज एजेंसी ने बताया कि नॉर्थ कोरिया के न्यूक्लियर मिसाइल टेस्ट्स पर नजर रखने वाले डिपार्टमेंट का नाम 'मिसाइल जनरल ब्यूरो' रख दिया गया है। यह पहली बार है जब पब्लिकली इस मिलिट्री ब्रांच का जिक्र किया गया हो। इसके अलावा, नॉर्थ कोरिया की मिलिट्री के कई डिपार्टमेंट्स के नए झंडे भी लॉन्च किए गए हैं। मिसाइल जनरल ब्यूरो ब्रांच के झंडे में देश की सबसे बड़ी इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल ह्वासान्ग 17 का आइकन है।

मिलिट्री के 75 साल पूरे होने पर होगी परेड

नॉर्थ कोरिया की मिलिट्री 'कोरियन पीपल्स आर्मी' को 75 साल पूरे होने वाले हैं। इस मौके पर बुधवार को परेड ओहगी, जिसमें किम जोंग उन हिस्सा ले सकते हैं। यह परेड राजधानी प्योंगयांग में होगी। तानाशाह नी रविवार को एक जरूरी मीटिंग मिस की थी, जिसके बाद उनकी सेहत को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। गौरतलब है कि 36 दिन का यह ब्रेक किम के लिए दूसरा सबसे बड़ा ब्रेक था। इसके पहले साल 2014 में वे 40 दिन के लिए गायब हो गए थे, जिसके बाद उनकी मौत तक की आशंकाएं जताई गई थीं।

नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन और उनकी बेटी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। नॉर्थ कोरिया की केसीएनए न्यूज एजेंसी के मुताबिक, तस्वीर में किम अपनी बेटी का हाथ पकड़े हुए हैं। व्हाइट कलर की जैकेट पहनी उनकी बेटी और किम एक मिलिट्री फैसिलिटी के बाहर खड़े हैं। अमेरिका ने यूक्रेन को टैंक भेजने का फैसला किया है। इसपर नॉर्थ कोरिया ने विरोध जताया है।

नॉर्थ कोरिया के विदेश मंत्रालय में अमेरिकी मामलों के डायरेक्टर क्वोन चुंग-क्यून ने कहा कि अमेरिका का मकसद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनस्टेबिलिटी को बनाए रखना है। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह रहे किम जोंग इल और सबसे खूबसूरत मानी जाने वाली एक्ट्रेस वू इन की प्रेम कहानी 70 के दशक की है। दोनों ही एक सीक्रेट रिलेशनशिप में थे। वू इन ही को एक रेडियो जॉकी से प्यार हो गया, जिसकी भनक तानाशाह किम जोंग इल को हो गई।

पाकिस्तान ने सिंध के 190 हिंदुओं को भारत आने से रोका

वाघा बॉर्डर पहुंचे कई हिंदू परिवार

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में हिंदुओं की हालत लगातार खराब होती जा रही है। हिंदू बच्चियों को अगवा करके उनके साथ दुष्कर्म करना और जबरन धर्म परिवर्तन कराना पाकिस्तान में अब आम हो गया है। हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की भी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इस बीच, पाकिस्तान सरकार ने भी हिंदुओं के साथ दोहरा रवैया अपनाना शुरू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बड़ी संख्या में पाकिस्तानी हिंदू भारत आना चाहते हैं, लेकिन पाकिस्तान सरकार उन्हें रोक रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 190 हिंदुओं को पाकिस्तान सरकार ने वाघा बॉर्डर पर रोक लिया है। इन्हें भारत आने ही मंजूरी नहीं दी जा रही है।

सिंध से बड़े पैमाने पर भारत आना चाहते हैं हिंदू

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सिंध प्रांत से बड़े पैमाने पर हिंदू भारत आना चाहते हैं, लेकिन पाकिस्तान सरकार इसके लिए इजाजत नहीं दे रही है। कई लोगों को वाघा बॉर्डर पर रोक लिया गया है। पाकिस्तानी अधिकारियों का कहना है कि वीजा के लिए अप्लाई करने वाले लोग भारत जाने का स्पष्ट कारण नहीं बता पा रहे हैं।

पाकिस्तान में 22 लाख से ज्यादा हिंदू

पाकिस्तान में 22 लाख 10 हजार से ज्यादा हिंदू रहते हैं। देश की कुल आबादी के 1.18 प्रतिशत हिस्सेदारी हिंदुओं की है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की स्थिति काफी खराब हो चुकी है।

कोर्ट ने 49 साल के शख्स को सुनाई उम्रकैद की सजा

सौतेली बेटी से किया दुष्कर्म

मेंगलुरु, 8 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के उडुपी में पॉक्सो मामलों की सुनवाई करते हुए जिला अतिरिक्त एवं सत्र अदालत ने 49 वर्षीय एक व्यक्ति को अपनी नाबालिग सौतेली बेटी के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यौन उत्पीड़न मामले में दोषी पाए गए आरोपी का नाम गणेश नायक है।

चार्जशीट के मुताबिक, नायक ने पीड़िता की मां से दूसरी शादी की थी। जिसके बाद से वह उनके साथ रह रहा था। जब उसकी पत्नी काम के सिलसिले में दूसरे शहर गई थी, तब नायक ने अक्टूबर 2021 में नाबालिग सौतेली बेटी के साथ यौन शोषण किया। पीड़िता की मां तीन माह बाद घर लौटी थी। घर लौटने पर उसे बेटी के गर्भवती होने की जानकारी मिली थी। पीड़िता ने आपबीती सुनाई तो जनवरी 2022 में कुंदापुर थाने में एक शिकायत दर्ज कराई गई। तत्कालीन सर्किल इंस्पेक्टर के आर गोपीकृष्णा ने अदालत में चार्जशीट दायर की थी। सुनवाई के दौरान कुल 10 गवाहों का पेश किया गया। आजीवन कारावास के अलावा, न्यायाधीश श्रीनिवास सुवर्णा ने दोषी पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

जुर्माना न भरने पर उसे एक साल की अतिरिक्त कारावास की सजा काटनी होगी। सरकारी वकील वाई टी राघवेंद्र अभियोजन पक्ष के लिए पेश हुए।

संविदा-कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

बोले- कॉन्ट्रैक्चुअल हायरिंग रुल में करें संशोधन, वरना चुनाव में वोट से देंगे जवाब

जयपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही प्रदेश के एक लाख से ज्यादा संविदा कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संयुक्त संविदा मुक्ति मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि कांग्रेस सरकार बने 4 साल से ज्यादा का वक्त बीत गया है। अब तक सरकार ने संविदा कर्मचारियों को परमानेंट नहीं किया है।

जबकि 2018 में कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में संविदाकर्मियों को परमानेंट करने का वादा किया था। वहीं कॉन्ट्रैक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स 2022 लागू कर संविदा कर्मियों के साथ सौतेला व्यवहार किया गया है। जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संयुक्त संविदा मोर्चा के रामस्वरूप टॉक ने कहा- अशोक गहलोत सरकार अपना वादा पूरा नहीं कर पा रही है। इससे प्रदेश के संविदाकर्मी और उनके परिवार में भारी आक्रोश है।

अगर इस बजट में सरकार ने संविदा कर्मियों को राहत देते हुए कांट्रेक्चुअल हायरिंग रूल में संशोधन नहीं किया। तो प्रदेशभर के कर्मचारी सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। इसके साथ ही 2023 के विधानसभा चुनाव में सरकार को वोट की चोट से करारा जवाब देंगे।

टॉक ने कहा कि इससे पहले भारत जोड़ो यात्रा ने हमने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी को भी अपनी समस्या बता चुके हैं। जिन्होंने गोविंद सिंह डोटासरा को हमारी समस्या के समाधान की बात कही थी। लेकिन राहुल गांधी के आदेश का भी प्रदेश कांग्रेस के नेताओं पर कोई असर नहीं हो रहा है। जिससे हजारों कर्मचारियों का भविष्य खतरे में आ गया है।

दरअसल, पिछले दिनों सरकार ने सरकारी विभागों में काम कर रहे 1 लाख 10 हजार से ज्यादा संविदाकर्मियों को नियमित करने का फैसला किया गया था। जिसमें शिक्षाकर्मी, पैराटीचर्स और ग्राम पंचायत सहायक को कॉन्ट्रैक्चुअल सर्विस रूल्स के दायरे में लेने का 21 अक्टूबर को ही फार्मूला तय किया था। जिसके तहत जिन संविदाकर्मियों का पहले का वेतन ज्यादा होगा। तो उन्हें मिलने वाले वेतन में दो सालाना इंक्रीमेंट जोड़कर नया वेतन तय किया करने का प्रावधान है।

वहीं संविदा पर शुरुआती वेतन 10 हजार 400 रुपए हर महीने तय होगा। ऐसे में 9 साल सर्विस पूरी करने पर 18 हजार 500 और 18 साल की सर्विस पूरी होने पर 32 हजार 300 रुपए का वेतन मिलेगा। इसके साथ ही जिन संविदा कर्मचारियों का पहले से मिलने वाला वेतन संरक्षित किया गया है। उनकी 9 और 18 साल की सर्विस की गिनती इन नियमों के आने की तारीख से होगी। पहले की सर्विस 9 और 18 साल की गिनती में शामिल नहीं होगी। जिसको लेकर संविदाकर्मी विरोध कर रहे है।

सरकार ने बीच का रास्ता निकाला

संविदाकर्मी परमानेंट सरकारी नौकरी और उसी हिसाब से पद और वेतन की मांग कर रहे थे। संविदा कर्मचारियों को नियमित करने के मौजूदा फार्मूले में संविदाकर्मी सरकार के परमानेंट कर्मचारी नहीं माने जाएंगे, उन्हें संविदा कर्मचारी माना जाएगा फर्क इतना सा है कि उन्हें अब इंक्रिमेंट मिलता रहेगा और उनकी जॉब सिक्योरिटी हो जाएगी। जब सरकार किसी पद को स्थायी करेगी तब 5 साल से संविदा पर काम कर रहे कर्मचारियों में से स्क्रीनिंग करके उन्हें ही इस पद पर परमानेंट करने का प्रावधान है।

1 लाख 10 हजार 279 संविदाकर्मी होंगे नियमित

राजस्थान में मौजूदा समय में शिक्षा विभाग के शिक्षा कर्मी, पैराटीचर्स, ग्राम पंचायत सहायक, अंग्रेजी माध्यम टीचर सहित कुल 41 हजार 423 संविदाकर्मी नियमित होंगे। इसी तरह ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग के राजीविका और मनरेगा के कुल 18 हजार 326 संविदाकर्मी, अल्पसंख्यक विभाग के 5 हजार 697 मदरसा पैरा टीचर्स, हेल्थ डिपार्टमेंट के 44 हजार 833 संविदाकर्मियों सहित कुल 1 लाख 10 हजार 279 संविदाकर्मी नियमित होंगे।

रोडवेज कर्मियों को राज्य कर्मचारी का दर्जा देने की मांग

खाचरियावास और बृजेन्द्र ने दिया आश्वासन

जयपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान रोडवेज कर्मचारियों ने चुनावी बजट से पहले एक बार फिर धरना देकर रोडवेज कर्मचारियों को राज्य सरकार के कर्मचारी का दर्जा देने की मांग गहलोत सरकार से की है। धरने पर पहुंचे मंत्री खाचरियावास ने रोडवेज कर्मियों को आश्वासन देकर कहा मुख्यमंत्री को फिर से मांग याद दिलाई जाएगी।

राजस्थान परिवहन निगम मंत्रालयिक और अधीनस्थ कर्मचारी संघ की ओर से रोडवेज कर्मचारियों ने जयपुर में परिवहन मार्ग मुख्यालय पर धरना दिया। इसमें मुख्य रूप से रोडवेज कर्मचारियों को राज्य कर्मचारी का दर्जा देने की मांग उठाई गई, ताकि रोडवेज की सभी समस्याओं का स्थाई समाधान हो सके। राजस्थान परिवहन निगम मंत्रालयिक और अधीनस्थ कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष सर्वेश्वर कुमार शर्मा के नेतृत्व में यह धरना दिया गया। शर्मा ने धरने पर पहुंचे कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास से कहा कि अगर आगामी बजट में रोडवेज कर्मचारियों को राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाता है, तो ओल्ड पेंशन स्कीम के बाद यह राजस्थान सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम होगा। साथ ही जहां अन्य सरकारों की ओर से उद्योगों का निजीकरण किया जा रहा है और सरकारी उपक्रमों को बेचा जा रहा है, उसके विपरीत कांग्रेस सरकार रोडवेज कर्मचारियों को राज्य कर्मचारी का दर्जा देने की घोषणा करेगी, तो पूरे भारत में यह एक मील का पत्थर साबित होगा। धरना स्थल पर पहुंचे खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम ज्ञापन दिया गया। साथ ही परिवहन राज्य मंत्री बृजेंद्र सिंह ओला को उनके आवास पर प्रतिनिधि मंडल ने जाकर ज्ञापन दिया, जिस पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दोनों ही मंत्रियों ने दिया।

खेलते-खेलते 3 बच्चे जिंदा जले, मौत

मरने वालों में सगे भाई-बहन भी, घर से महज 500 मीटर दूर बनी झोपड़ी में लगी आग

बाड़मेर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। साथ में खेलते-खेलते 3 बच्चे जिंदा जल गए। घर से महज 500 मीटर की दूरी पर बनी झोपड़ी में सगे भाई-बहन सहित 3 बच्चे खेल रहे थे। तभी झोपड़ी में आग लग गई। गांव वाले जब तक पहुंचते, 3 मासूमों की जान चली गई। मामला बाड़मेर के नागाणा स्थित बांदरा गांव का है।

देखते-देखते राख हुई झोपड़ी

नागाणा के थानाधिकारी नरपतदान ने बताया- बुधवार दोपहर करीब तीन बजे खेत में बने झोपड़ी में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते लपटें उठने लगीं। गांव वाले मौके पर पहुंचे। तब तक बहुत देर हो चुकी थी। देखते ही देखते झोपड़ी राख हो गई। झोपड़ी में खेल रहे सरूपी (4) पुत्र हाकम सिंह निवासी सांसियो की बस्ती बांदरा, अशोक सिंह (2) पुत्र हिंगोल सिंह निवासी मिठड़ा, रुकमा (7) पुत्री हिंगोल सिंह निवासी मिठड़ा की मौत हो गई। अशोक सिंह और रुकमा सगे भाई-बहन हैं।

सरूपी के दादा रिडमल सिंह ने बताया- मैं मेरे भाई का परिवार साथ में ही रहते हैं। मेरे भाई हिंगौल की 4 साल पहले डेथ हो गई थी। हम लोग पड़ोस के गांव में शादी समारोह में गए हुए थे। पीछे मेरे भाई की पत्नी मेरा पोता और भतीजा-भतीजी घर पर थे। दोपहर करीब 3:00 झोपड़ी में आग लग गई।

दोनों बहन-भाई के पिता नहीं रुकमा और अशोक बहन-भाई थे। दोनों मां के साथ रहते थे। दोनों का एक भाई जुझार सिंह ननिहाल मिठड़ा में रहता है। पूरा परिवार खेती पर निर्भर है।

झोपड़ी के गेट की तरफ लगी आग

प्रत्यक्षदर्शी नगसिंह ने बताया- झोपड़ी में धुआं निकलता देख वहां से गुजर रहे बच्चे चिल्लाने लगे। ग्रामीण भागकर मौके पर पहुंचे। झोपड़ी के गेट की तरफ आग लगने की वजह से बच्चे बाहर निकल नहीं पाए। रेत व पानी की बाल्टियां लाकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया, परंतु देर हो चुकी थी। तीनों बच्चों का शव डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल की मोर्च्युरी में रखवाया गया है। आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

दूसरी पार्टी से आए नेता कांग्रेस में नहीं बनेंगे जिलाध्यक्ष

रंधावा बोले- पार्टी का ही होना जरूरी; दो हफ्ते में आएगी लिस्ट

जयपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने सबसे पहले 100 ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्ति किए। तब से अब तक 5 लिस्ट जारी कर कांग्रेस 339 ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त कर चुकी है।

राजस्थान में कांग्रेस अब जल्द ही जिलाध्यक्षों की नियुक्ति करेगी। राजस्थान से कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि अगले 2 दिन में इस पर फाइनल एक्सरसाइज शुरू हो जाएगी।

इसके बाद कांग्रेस के रायपुर में होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन से पहले ही जिलाध्यक्षों की नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। रायपुर में 24 से 26 फरवरी तक कांग्रेस का अधिवेशन होना है।

रंधावा फिलहाल राजस्थान में कोटा के दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि अधिवेशन से पहले जिलाध्यक्षों की लिस्ट आएगी।

एमएलए की तरह बाहर का व्यक्ति नहीं बनेगा

रंधावा ने कहा कि जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के लिए कई आधार पर एक्सरसाइज हो रही है। उन्होंने कहा कि अभी लिस्ट तैयार नहीं है और नामों की घोषणा बाकी है। रंधावा ने कहा कि नामों पर एक्सरसाइज अलग से चल रही है। इसे लेकर यह तय है कि किसी भी बाहरी व्यक्ति को जिलाध्यक्ष नहीं बनाया जाएगा।

जातिगत समीकरण भी साधेगी कांग्रेस

रंधावा ने कहा कि जिलाध्यक्ष बनाते समय हम ये देखेंगे कि व्यक्ति का डीएनए कम से कम कांग्रेस का होना चाहिए। संगठन बनाते समय हम इन बातों का ध्यान रखेंगे।

रंधावा ने साफ तौर पर कहा कि दूसरी पार्टी से आकर बाहरी व्यक्ति विधायक बन सकता है। मगर संगठन में हम कांग्रेस के ही पुराने लोगों को मौका देंगे।

जातिगत समीकरण भी हमें साधना होगा

रंधावा ने कहा कि जिलाध्यक्षों के नाम तय करने को लेकर हम जातिगत समीकरण को भी ध्यान में रख रहे हैं। रंधावा ने बताया कि राजस्थान में जातिगत समीकरण काफी मायने रखता है, इसलिए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति जातिगत फैक्टर को देखते हुए होगी। इसके लिए हम अलग से कवायद करेंगे।

रंधावा ने कहा कि जातिगत फैक्टर और कांग्रेस का डीएनए हमारे लिए सबसे बड़ा फैक्टर होगा।

42 जिलाध्यक्ष बनाएगी कांग्रेस

रंधावा कह चुके हैं कि रायपुर अधिवेशन शुरू होने से पहले नियुक्तियां कर दी जाएगी। कांग्रेस राजस्थान में 42 जिलाध्यक्ष घोषित करने वाली है। इसमें से लगभग 35 जिलाध्यक्ष कांग्रेस नए नियुक्त कर सकती है। कांग्रेस ने उदयपुर में हुए चिंतन शिविर में यह तय किया था कि 180 दिनों के भीतर तमाम नियुक्तियां होंगी।

मगर, राजस्थान में यह मियाद पूरी हो गई। ऐसे में कांग्रेस कोशिश करेगी कि रायपुर अधिवेशन से पहले कम से कम जिलाध्यक्षों की एक लिस्ट बाहर आ जाए।

61 ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति बाकी

राजस्थान में कांग्रेस ने संगठनात्मक नियुक्तियों की शुरुआत 4 जनवरी से कर दी थी। कांग्रेस ने सबसे पहले 100 ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किए थे।

तब से अब तक 5 लिस्ट जारी कर कांग्रेस 339 ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त कर चुकी है। अब जो 61 ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त होना बाकी हैं, ये वो ब्लॉक हैं जहां गुटबाजी, खींचतान सहित कई समीकरणों के चलते नामों पर विवाद है।

कांग्रेस को सियासी बवाल का खतरा

राजस्थान में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति कांग्रेस के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। राजस्थान में खींचतान और गुटबाजी चरम पर है।

सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट एक-दूसरे पर अप्रत्यक्ष रूप से हमलावर हैं। ऐसे में इन नियुक्तियों में भी इस खींचतान के चलते सियासी बवाल होने की संभावना है।

यही वजह है कि कांग्रेस ने लंबे समय से ये नियुक्तियां पूरी नहीं की हैं। जबकि 2.5 साल से ज्यादा समय से निवर्तमान पदाधिकारियों के बूते ही कांग्रेस चल रही है।

जुलाई 2020 में भंग हो गई थी कार्यकारिणी

जुलाई 2020 में पायलट खेमा सरकार से बगावत कर मानेसर चला गया था। उसके ठीक बाद कांग्रेस ने राजस्थान में पूरी कार्यकारिणी को भंग कर दिया था। उसके बाद सिर्फ पीसीसी अध्यक्ष और कुछ पदाधिकारी नियुक्त किए गए।

वहीं जिलास्तर पर पुरानी टीमें ही काम करती रही। दिसम्बर 2021 में जरूर कांग्रेस ने 13 जिलाध्यक्ष नियुक्त किए थे। मगर इनमें से भी 5 लोगों से इस्तीफे ले लिए गए। ऐसे में राजस्थान कांग्रेस कार्यकर्ता संगठन में नए बदलाव के इंतजार में हैं।

कांग्रेस नहीं, बीजेपी नेताओं में खींचतान

डोटासरा बोले- गहलोत-पायलट और सब नेता एकजुट, प्रदेश में रिपीट करेंगे सरकार

टोंक, 8 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा और पीसीसी चीफ डोटासरा का टोंक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस में कोई खींचतान नहीं है। खींचतान तो बीजेपी में है। बीजेपी वालों से पूछो कि क्यों कभी वसुंधराजी के फोटो पोस्टर से हटा रहे हो, क्यों कभी फोटो जोड़ रहे रहो हो, उनमें खींचतान है। राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के लिए क्या कह रहे हैं, सतीश पूनिया किरोड़ी लाल मीणा के लिए क्या कह रहे हैं। बीजेपी के विधायक राजेंद्र राठौड़ केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के लिए क्या कह रहे हैं। वो विपक्ष की भूमिका निभा नहीं पा रहे हैं। हम गुड गवर्नेंस दे रहे हैं। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मंगलवार को प्रदेश प्रभारी सुखविंदर रंधावा के साथ कोटा जाते समय टोंक में मीडिया से यह बात कही।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा और पीसीसी चीफ डोटासरा का टोंक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया

डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस में सब ठीक है। सचिन पायलट, अशोक गहलोत, रघु शर्मा, सीपी जोशी, डोटासरा सब एक हैं। हमारे प्रति कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं है। आने वाले विधानसभा चुनाव में हम सरकार रिपीट करेंगे। कांग्रेस सरकार राजस्थान में अच्छा काम कर रही है। राहुल गांधी ने 4 हजार किलोमीटर की यात्रा कर पूरे देश को मैसेज दिया है। अब हम भी लोगों कर बीच जा रहे है। इस मौके पर प्रदेश प्रभारी रंधावा ने कहा कि कांग्रेस में कोई गुटबाजी नहीं है। ये तो मीडिया को लगता है। उन्होंने कहा कि संगठन में नियुक्तियां की जा है। इससे पहले निवाई MLA प्रशांत बैरवा समेत कई कांग्रेसियों ने रंधावा और डोटासरा का स्वागत किया।

बिजली कंपनी के तीन इंजीनियर, एक दलाल रिश्वत लेते-देते गिरफ्तार

जयपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम में पदोन्नत हुए अधिकारियों को मनचाही जगह पर पोस्टिंग दिलाने के बदले दलाल के जरिए रिश्वत लेने वाले एक्सईएन को एसीबी ने 1.25 लाख रुपए लेते समय रंगे हाथ पकड़ लिया। उसके बाद एसीबी की उदयपुर टीम ने पोस्टिंग के लिए रिश्वत देने वाले एक्सईएन और मध्यस्थता कराने वाले जेन को भी पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी एक्सईएन राजस्थान विधुत प्रसारण निगम कुंज बिहारी गुप्ता श्योपुर रोड प्रताप नगर, दलाल ठेकेदार कल्पन व्यास भीलवाड़ा के सुभाष नगर, एक्सईएन उदयपुर जीनन जैन व जेईएन विपिन कुमार चौहान उदयपुर के रहने वाले है।

दृश्यम मूवी देखकर गर्लफ्रेंड के टुकड़े-टुकड़े किए

मर्डर से लेकर बॉडी छुपाने तक की प्लानिंग; पत्नी से बोला- मारकर गाड़ दिया

नागौर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। आरोपी अनोपा राम को 11 फरवरी तक रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही बॉडी को ढूंढ लिया जाएगा। शादीशुदा गर्लफ्रेंड की जिद से परेशान होकर प्रेमी ने उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। हत्या से पहले कई दिनों तक आरोपी ने दृश्यम मूवी और दूसरी कई क्राइम सीरीज देखी। पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद भी हत्यारा लगातार अधिकारियों को गुमराह कर रहा है और जुर्म कबूल करने के 6 दिन बीतने के बाद भी महिला की डेडबॉडी नहीं मिली है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी से सच्चाई उगलवाने के लिए उसका नार्को टेस्ट करवाया जाएगा। दरअसल, नागौर के रीको एरिया में 2 फरवरी को एक महिला के कुछ कपड़े और बॉडी पाट्‌र्स मिले थे। पुलिस ने जब जांच शुरू की तो सामने आया कि ये कपड़े और शरीर के हिस्से 22 जनवरी को गायब हुई मुंडासर गांव की रहने वाली गुड्‌डी (30) के हैं।

महिला के परिवार ने 24 जनवरी को इस संबंध में एक शिकायत दी थी, लेकिन परिवार का आरोप है कि पुलिस ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। हालांकि, बाद में डेरवा गांव (नागौर) से गुड्‌डी के प्रेमी अनोपा राम जाट को हिरासत में ले लिया गया।

3 फरवरी शुक्रवार को श्रीबालाजी पुलिस की कस्टडी में अनोपा राम ने कबूल किया कि- 22 जनवरी को सुबह 10 बजे भदवासी बस स्टैंड से मैं गुड्‌डी को बाइक पर नागौर शहर की तरफ लेकर गया। मैंने केंद्रीय विद्यालय के पीछे ले जाकर औजार से उसका मर्डर कर झाड़ियों में फेंक दिया। उसने बताया कि गुड्‌डी उस पर शादी का दबाव बना रही थी इसलिए मार डाला।

जेद्दाह से दिल्ली आ रहे विमान की जोधपुर में आपात लैंडिंग

महिला यात्री की मौत

जोधपुर, 8 जनवरी (एजेंसियां)। इस मामले में इंडिगो ने कहा कि विमान में मौजूद एक डॉक्टर ने यात्री को तत्काल प्राथमिक उपचार प्रदान करने में चालक दल की मदद की। दुर्भाग्यवश अस्पताल ले जाते समय रास्ते में यात्री की मौत हो गई। जेद्दाह से दिल्ली आ रहे इंडिगो के एक विमान में मंगलवार को महिला यात्री की तबीयत अचानक बिगड़ गई। विमान की जोधपुर एयरपोर्ट पर आपात लैंडिंग करानी पड़ी। आनन-फानन महिला को जोधपुर के गोयल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यात्री की पहचान जम्मू-कश्मीर के हजारीबाग की मित्रा बानो के रूप में हुई है। उसका बेटा भी उसके साथ था। इस मामले में इंडिगो ने कहा कि विमान में मौजूद एक डॉक्टर ने यात्री को तत्काल प्राथमिक उपचार प्रदान करने में चालक दल की मदद की। दुर्भाग्यवश अस्पताल ले जाते समय रास्ते में यात्री की मौत हो गई।

कोटा में नाबालिग की शादी रुकवाई

रेस्क्यू टीम के सामने शादी करवाने को लेकर अड़ी मां, नाबालिग को करवाया शेल्टर

कोटा, 8 जनवरी (एजेंसियां)। कोटा के कुन्हाड़ी इलाके में एक नाबालिग की शादी रुकवाई गई। शादी की सूचना के बाद मंगलवार शाम को कार्रवाई के लिए पहुंची रेस्क्यू टीम के सामने ही बालिका की मां शादी करवाने की बात को लेकर अड़ गई। इसके बाद बड़ी मुश्किल से समझाया गया। बालिका को शेल्टर करवाया गया।

बाल कल्याण समिति सदस्य विमल चंद जैन ने बताया कि बाल संरक्षण इकाई को कुन्हाड़ी इलाके में भील बस्ती के पास एक नाबालिग लड़की की शादी होने की सूचना मिली थी। इसके बाद बाल संरक्षण इकाई और चिल्ड्रन फाउंडेशन के जरिए इस सूचना को पुख्ता करवाया गया। सामने आया कि इलाके में नाबालिग की शादी उसकी बड़ी बहन के साथ ही करवाई जा रही है। जिसके बाद कुन्हाड़ी थाना पुलिस को इस मामले में जानकारी दी गई और टीम मौके पर पहुंची।

मौके पर 17 साल की नाबालिग की शादी उसकी बड़ी बहन के साथ करवाने की तैयारी थी। घर पर टीम को देख हड़कंप मच गया। जानकारी करने पर सामने आया कि बालिका 11वीं क्लास में पढ़ती है। उसके पिता की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। घरवालों को समझाने की कोशिश की गई की बालिका की शादी अभी नहीं करवाई जाए और उसकी बहन की ही शादी करवाई जाए। बालिका की मां उसकी शादी करवाने को लेकर अड़ गई। वह बार-बार यही कहती रही वह बड़ी बहन के साथ ही उसकी शादी करवाएगी।

परिवार की आर्थिक स्थिति सही नहीं है ऐसे में बच्ची को पढ़ाने लिखाने का खर्च भी नहीं उठाया जा सकता। बाल कल्याण समिति ने मां को आश्वासन दिया कि बच्चे के पढ़ाई के खर्च भी उठाया जाएगा लेकिन उसकी शादी नहीं करवाई जाए लेकिन मान नहीं मानी जिसके बाद बालिका को अस्थाई रूप से बालिका गृह में आश्रय देने के निर्देश दिए गए ताकि टीम के जाने के बाद उसकी शादी नहीं करवाई जा सके।

श्री आई माताजी मंदिर (बडेर) संगारेड्डी की प्राण प्रतिष्ठा का प्रथम वार्षिक महोत्सव संपन्न

जय-जयकारों से गूंज उठा मां आई जी का धाम

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी श्री आई माताजी मंदिर (बडेर) प्राण प्रतिष्ठा का प्रथम वर्षगाठ व ध्वजारोहण महोत्सव सीरवी समाज बंधुओं के सानिध्य में मनाया गया। प्रेम प्रजापति द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष रूगारामजी परिहारिया सचिव घीसारामजी काग ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा का प्रथम वर्षगांठ पर तीन दिवसीय का कार्यक्रम आयोजन किया गया, जिसमें 6 फरवरी से 8 फरवरी तक युधिष्ठिरजी शास्त्री एवं उनके कृपापात्र व्यास हेमंत तिवारी के श्रीमुख से मंत्र उच्चारण के साथ प्रतिदिन (दो पारियों) में नौ कुंडिया महायज्ञ का आयोजन जिसमे मुख्य यजमान लाभार्थी परिवार के अतिरिक्त 108 जोड़ों ने महायज्ञ का लाभ लिया। दिनभर विभिन्न बोलियों के लाभार्थियों का स्वागत किया और लाभार्थी परिवार द्वारा विविध रूप से पूजा अर्चना कराई गई। दूसरे दिन 7 फरवरी को एक शाम माताजी के नाम का भव्य विशाल जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें गणेश वंदना के साथ जुगल किशोर परिहार व रविंद्रसिंह राजपुरोहित ने भजनों का शुभारंभ कर मरुधरा की गायिका नीता नायक ने अपनी सुरीली आवाज मे देर रात तक राजस्थानी अंदाज में आई माताजी के भजन प्रस्तुत किये। कार्यक्रम मेपधारे हुए बत्तीस मुख्य अतिथि विधायक जग्गा रेड्डी, सम्मानित अतिथि परबत सोलंकी, प्रेम प्रजापति, समाज की संस्थाओं के पदाधिकारियों व अतिथियों का अध्यक्ष रुगाराम परिहारिया, सचिव घीसाराम काग एवं पदाधिकारियो ने सम्मान किया। बुधवार 8 फरवरी प्रातः वेला में लाभार्थी परिवार द्वारा पट्टद्वार का पूजन कर पट्टद्वार खोला गया। मंदिर को फूलों से सजाकर माताजी का भव्य रूप से श्रृंगार किया गया। श्री आई माताजी के ध्वजा लाभार्थी अध्यक्ष रुगाराम परिहारिया संगारेड्डी, श्री सोनाराम खेतलाजी की ध्वजा पीताराम चोयल सदाशिवपेट, श्री राधाकृष्णाजी की ध्वजा सुरेश परिहारिया संगारेड्डी, शीतला माताजी की ध्वजा प्रकाश राठौड़ संगारेड्डी द्वारा मंदिर के मुख्य द्वार से गाजे-बाजे के साथ नाचते- गाते हुए ध्वजा व ज्योत श्री आईमाताजी मंदिर में लाई गई। लाभार्थी परिवार द्वारा ध्वजा चढ़ाई गई पुजारी गोपाराम काग (लिलाम्बा) द्वारा पूजा-अर्चना व महाआरती की गई। अवसर पर अध्यक्ष रूगाराम परिहारिया व सचिव घीसाराम काग ने समाज बंधुओं को प्राण प्रतिष्ठा का प्रथम वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दी। अवसर पर महिला मण्डल अध्यक्षा श्रीमती हंजा देवी परिहारिया व सचिव श्रीमती पोकरी देवी सोलंकी ने भी समाज बंधुओं को प्रथम वर्ष की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष रूगाराम परिहारिया, घीसाराम काग, केसाराम परिहार, मोहन लाल चोयल, लिखमाराम सानपुरा, मल्लाराम बर्फा, जयमल परिहारिया, अमराराम राठौर, मोहनलाल सेंणचा, कुन्नाराम परिहार, हंसाराम काग, चेन्नाराम काग, भूराराम हम्बाड, ओमप्रकाश हम्बाड, मोतीलाल सोलंकी, चंदाराम परिहारिया, ढ़गलाराम गहलोत, मल्लाराम सेंणचा, रतनलाल लेरचा, सुरेश परिहारिया, हीरालाल भायल, जसाराम मूलेवा, पूनाराम सानपुर, रमेश परिहार, सोहनलाल चोयल, रमेश लेरचा, कानाराम लेरचा, राजेंद्र प्रसाद परिहारिया, पुखाराम परिहारिया, रामलाल सेंणचा, प्रभुराम हम्बाड, जीवाराम चोयल, भीकाराम परिहारिया, सुखलाल परिहारिया, चुन्नीलाल चोयल, मांगीलाल परिहारिया, प्रभुराम काग, कालूराम काग, पन्नालाल चोयल एवं अन्य उपस्थित रहे। मंच का संचालन पीताराम चोयल व मोहनलाल चोयल ने किया। अध्यक्ष रुगाराम परिहारिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

हमें संघ से ऊंचा संघ का नाम करना है : साध्वी डॉ. मंगलप्रज्ञा

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महासभा अध्यक्ष एवं आंध्रप्रदेश तेलंगाना प्रभारी ने किए साध्वीश्री डॉ. मंगल प्रज्ञाजी के दर्शन-वंदन के बाद उनके साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। गुरु निर्देशानुसार सिकंदराबाद, हैदराबाद चातुर्मास हेतु साध्वी डॉ मंगलप्रज्ञाजी ने विजयवाड़ा से प्रस्थान किया। प्रथम पड़ाव किलेश पुरम हुआ, जहां तेरापंथ महासभा अध्यक्ष मनसुख सेठिया एवं आंध्रप्रदेश तेलंगाना के प्रभारी नरेन्द्र नाहटा ने साध्वी श्री जी के दर्शन किए। साध्वी श्री मंगलप्रज्ञा जी ने कहा कि हम सौभाग्यशाली है ऐसी भैक्षव शासन की शीतल छांव और विकासमयी आचार्य परम्परा को पाकर। वर्तमान में आचार्य श्री महाश्रमण जी का सानिध्य हमें निश्चिंतता एवं आनन्द प्रदान करने वाला है। साध्वी श्री जी ने जैन समाज में अन्तर्जातीय विवाह और धर्म परिवर्तन की विषम चिन्तनीय विषय पर वार्ता की परिस्थितियों पर चिन्ता व्यक्त की। इस अवसर पर तेरापंथ सभा सिकन्दराबाद के परामर्शक, महासभा कार्यसमिति सदस्य लक्ष्मीपत बैद एवं श्रावक नारायण कोठारी भी उपस्थित रहे। साध्वी श्री का मंगल आशीर्वाद लेकर महासभा अध्यक्ष एवं आंध्रप्रदेश तेलंगाना के प्रभारी ने अग्रिम यात्रा हेतु विजयवाड़ा की ओर प्रस्थान किया।

पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाता मंदिर में आयोजित डायटोन कार्यक्रम में भाग लेते हुए समाजसेवी मांगीलाल-जतनाबाई बरपा, महेंद्र-नीतू बरपा, पार्थ बरपा, सीरवी समाज के अध्यक्ष जेसी चालाराम हांबड, कोषाध्यक्ष जसवंत देवड़ा, गणेशराम बर्फा, भीकाराम, पुसाराम, देवाराम व अन्य।

दमरे ने कृष्णा-मगनूर के बीच नई ब्रॉड गेज लाइन चालू की

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कृष्णा-मगनूर स्टेशनों के बीच नई ब्रॉड गेज गैर-विद्युतीकृत मुख्य लाइन 12.7 किलोमीटर की दूरी को पूरा कर लिया गया है और महबूबनगर-मुनीराबाद नई लाइन परियोजना के हिस्से के रूप में चालू कर दिया गया है। यह महत्वपूर्ण खंड तेलंगाना और कर्नाटक राज्यों का सीमावर्ती क्षेत्र है। महबूबनगर-देवरकद्रा के बीच का खंड सिकंदराबाद-कुरनूल खंड में पहले से मौजूद लाइन है और नई लाइन देवरकद्रा से शुरू होती है। मगनूर-कृष्णा के बीच अंतिम खंड के पूरा होने के साथ, महबूबनगर-मुनीराबाद नई लाइन परियोजना का पूरा दक्षिण मध्य रेलवे हिस्सा यानी देवरकाद्रा-कृष्णा 66 किलोमीटर की दूरी के लिए पूरा हो गया है और चालू हो गया है। 3543 करोड़ रुपये की नवीनतम अनुमानित लागत के साथ 243.5 किलोमीटर लंबी महबूबनगर-मुनीराबाद नई लाइन परियोजना को मंजूरी दी गई है। दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा 943 करोड़ रुपये की संशोधित अनुमानित लागत पर 66 किलोमीटर की दूरी के लिए देवरकद्र-कृष्णा के बीच के खंड का निर्माण किया गया है। देवरकाद्रा-जकलेयर के बीच 28.3 किलोमीटर का खंड मार्च 2017 में पूरा हो गया है, जकलेयर-मकथल के बीच का खंड अगस्त 2020 में 11.5 किलोमीटर के लिए और मकथल-मगानूर के बीच 13.3 किलोमीटर के बीच का खंड मार्च 2022 में पूरा हो गया है। अब मगनूर के बीच अंतिम खंड - कृष्णा 12.7 किलोमीटर के लिए पूरा हो गया है और इसके साथ, संपूर्ण एससीआर भाग पूरा हो गया है। देवरकद्र और कृष्णा के बीच का खंड अब हैदराबाद से रायचूर, गुंतकल, बेल्लारी, हुबली, गोवा जैसे दक्षिणी राज्यों के कई महत्वपूर्ण शहरों के लिए सबसे सुलभ मार्ग बन जाएगा। लौह अयस्क और अन्य थोक वस्तुएं जैसे सीमेंट, स्टील आदि, जिन्हें अब अन्य मार्गों से ले जाया जा रहा है, अब इस वैकल्पिक मार्ग से ले जाया जा सकता है। यह परियोजना हैदराबाद और कर्नाटक के खनन क्षेत्र के बीच रेल नेटवर्क का विस्तार करने में मदद करेगी, जिससे यात्री और माल यातायात दोनों को लाभ होगा। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने तेलंगाना क्षेत्र की इस महत्वपूर्ण परियोजना के पूरा होने पर निर्माण विभाग और हैदराबाद मंडल के अधिकारियों और कर्मचारियों की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने से नए क्षेत्रों को जोड़ने का मार्ग प्रशस्त हुआ है और मालगाड़ियों के संचालन के साथ-साथ अधिक संख्या में यात्री ट्रेनें शुरू करने में मदद मिली है।

उस्मानिया यूनिवर्सिटी के नवनियुक्त एकाडमिक ऑडिट सेल के डायरेक्टर प्रो. नागेश का सम्मान करते हुए हिंदी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल, उपप्राचार्य डॉ. श्रीदेवी, डॉ. सुदीप एवं डॉ अंजय्या।

अकबरुद्दीन ने तेलंगाना को धन जारी करने में विफल रहने के लिए केंद्र की आलोचना की

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वर्ष 2023-24 के लिए तेलंगाना सरकार के वार्षिक बजट के लिए पूर्ण समर्थन का विस्तार करते हुए, एआईएमआईएम के नेता अकबरुद्दीन ओवैसी ने तेलंगाना की परियोजनाओ के लिए केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को धन जारी करने और आवंटित करने में विफल रहने पर आलोचना की। बुधवार को विधानसभा में वार्षिक बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए, एआईएमआईएम फ्लोर नेता ने कहा कि केंद्र आंध्र प्रदेश को केवल 2/3 राशि और तेलंगाना को 1/3 राशि संबंधित राज्यों से एकत्र किए गए करों से दे रहा है और इसके अलावा केंद्र तेलंगाना राज्य के विकास के लिए कोई मदद नहीं कर रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम का सम्मान नहीं कर रही है और इसने अधिनियम के तहत उल्लिखित एक भी वादा पूरा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी की शुरुआत के बाद राज्यों को राजस्व में भारी गिरावट आई है। अकबरुद्दीन ओवैसी ने तेलंगाना के भाजपा नेताओं को बीआरएस सरकार की आलोचना करने के बजाय तेलंगाना में धन लाने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की सलाह दी। यह याद दिलाते हुए कि केंद्र ने अल्पसंख्यक छात्रों के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति की सुविधा को समाप्त कर दिया है। उन्होंने राज्य सरकार से तेलंगाना में एक समान योजना शुरू करने पर विचार करने का आग्रह किया ताकि अल्पसंख्यक छात्रों को उनकी शिक्षा के दौरान वित्तीय सहायता मिलती रहे। उन्होंने राज्य सरकार से अल्पसंख्यक समुदाय और छात्रों से संबंधित सभी बकाया जारी करने और राज्य भर के विश्वविद्यालयों में खाली पड़े सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों को भरने के लिए भी कहा है।

हैदराबाद विश्वविद्यालय का एक केन्द्र बने करीमनगर में

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बी. विनोद कुमार ने छात्रों से प्राप्त एक प्रतिनिधित्व केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अग्रेषित किया है, जिसमें उनसे हैदराबाद विश्वविद्यालय का एक और परिसर स्थापित करने का अनुरोध किया गया है। ग्रामीण तेलंगाना में उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार के लिए करीमनगर/वारंगल में ऑल इंडिया ओबीसी स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईओबीसीएसए), हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों सहित विभिन्न छात्र संगठनों से हाशिए पर पड़े लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए करीमनगर या वारंगल में हैदराबाद विश्वविद्यालय के एक परिसर की स्थापना के संबंध में प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ था। विनोद कुमार ने कहा कि सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े समुदायों को कई सदियों से शिक्षा तक पहुंच से वंचित रखा गया है।

पोस्टमास्टर ने लोगों से की आधार केंद्र का लाभ लेने की अपील

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कैंटोनमेंट न्यू बोइनपल्ली पोस्ट ऑफिस में पोस्टमास्टर बालय्या के निर्देशन में आधार केंद्र का उद्घाटन किया गया। यह बोइनपल्ली प्ले ग्राउंड कार्यालय में दो दिनों तक जारी रहेगा। इसमें छावनी बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और आज आधार केंद्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर जम्पाना प्रताप ने कहा कि आधार केंद्र पर नए आधार का पंजीकरण, नाम और पता बदलने जैसी सेवाएं उपलब्ध हैं जो आज और कल जारी रहेंगी। पोस्टमास्टर बलय्या ने बताया कि आधार सेवाओं के साथ-साथ डाक विभाग के तत्वावधान में चलाई जा रही योजनाओं को जनता को समझाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में वरप्रसाद, शाकिब, महेन्द्र, गणेश, मुकेश यादव, ताजुद्दीन आदि शामिल हुए।

फार्मा में भीषण आग लगने से कर्मचारी झुलसा

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी के गड्डापोथरम गांव स्थित ली फार्मा लिमिटेड में भीषण आग लग गयी। सूत्रों ने बताया कि आग तब लगी जब कर्मचारी सॉल्वैंट से भरे एक टैंकर को उतार रहे थे। सॉल्वेंट ने आग पकड़ ली और विस्फोट हो गया, जिससे भीषण आग लग गई। इसी दौरान एक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे अस्पताल ले जाना पड़ा। दमकलकर्मी और कर्मचारी आग बुझाने के लिए अथक प्रयास कर आग पर काबू पा लिया। सैकड़ों अन्य दवा कंपनियां इसके आसपास ही स्थित हैं। अचानक आग लगने से कर्मचारियों व स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया।

केबीआर पार्क में बुधवार को गणेश पूजा कार्यक्रम में भाग लेते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, अशोक लखोटिया, आदिनारायण, डॉ राधाकृष्ण, रामराजू, योगिता, श्रीमती अनीता, पुष्पलता, समाजसेवी गोपाल बल्देव, विजय कुमार, अनिल, पी. सुदर्शन, मोहनलाल मित्तल, राहुल सिंघल व अन्य।

एक शाम गौमाता के नाम भव्य जागरण 11 को

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद पालमाकुल स्थित गुरुदेव वासुदेवजी महाराज की असीम कृपा से ॐ शिव मंदिर गौशाला मे अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच बालानगर शाखा गौभक्तों के सान्निध्य में 'एक शाम गौमाता के नाम' गौसेवार्थ भव्य जागरण 11 फरवरी रात्रि 8:30 बजे से आयोजित किया जाएगा। जिसमें गौरत्न राष्ट्रवादी कॉमेडियन भजन गायक ओम मुंडेल डिगरना गौमाता के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। जारी प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक केसाराम जाट ने बताया कि भजन कार्यक्रम में सहयोगी कलाकार भंवर लेगा एवं लक्की उड़ान भी कार्यक्रम मे उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम मे 36 कोम गौभक्तों एवं तेलंगाना में बसे विभिन्न संस्थाओं के अध्यक्ष व सम्मानित अतिथि उपस्थित रहेंगे। इनका राजस्थानी परम्परा से सम्मान किया जाएगा। पधारे गौभक्तों के लिए शाम 7:30 बजे से भोजन-प्रसादी की व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम स्थल पर ब्लड़ डोनेशन कैम्प का भी आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच बालानगर शाखा के सोहनलाल, केसाराम जाट, मोतीलाल देवासी, राजसीरवी, शंकर चौधरी, राजु पंडार व बहुत से कार्यकर्ता प्रमुखरुप से पधारे गौ भक्तों के सेवार्थ राजस्थानी वेश-भूषा मे अपनी सेवाएँ देंगे।

'जयशंकर प्रसाद : महानता के आयाम पर' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी भवन भोपाल द्वारा प्रख्यात आलोचक करुणाशंकर उपाध्याय के आलोचना ग्रंथ जयशंकर प्रसाद महानता के आयाम पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का अयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के महामंत्री डॉ.कैलाशचंद पन्त ने अतिथियों का स्वागत किया और संगोष्ठी की प्रस्तावना रखते हुए इसे एक सर्वांगपूर्ण आलोचना ग्रंथ कहते हुए प्रसाद की मूल्यांकन परंपरा में मील का पत्थर बताया। इस अवसर पर अपना वक्तव्य देते हुए प्रो.आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने जयशंकर प्रसाद महानता के आयाम ग्रंथ की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि यह ग्रंथ प्रसाद की आलोचना परंपरा का मानदंड ही नहीं है, अपितु वर्तमान पीढ़ी के आलोचकों एवं शोधार्थियों के लिए एक मार्गदर्शक ग्रंथ है। दूसरे वक्ता डॉ.सुधीर शर्मा ने इसे प्रसाद साहित्य की तलस्पर्शिनी व्याख्या करने वाला ग्रंथ बताया। कवि आनंद सिंह ने कहा कि यह ग्रंथ प्रोफेसर उपाध्याय के प्रदीर्घ साधना का प्रतिफल है। इसी क्रम में प्रख्यात राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. रामेश्वर मिश्र पंकज ने कहा कि प्रोफेसर उपाध्याय ने प्रसाद के साहित्य रूपी सहस्र- दल कमल की अधिकांश पंखुड़ियों को उन्मीलित कर दिया है। कार्यक्रम के अध्यक्ष पूर्व वरिष्ठ आई.ए.एस.अधिकारी डॉ. मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि यह सब जानते हैं कि कामायनी गीतांजलि से बड़ी कलाकृति है लेकिन कोई कहने का साहस नहीं कर पाता था। उपाध्याय जी ने अत्यंत साहस के साथ यह सिद्ध किया है और साथ ही प्रसाद के नाटकों की 206 गीतियों को ही विषय एवं प्रभाव के आधार पर गीतांजलि की 106 गीतियों पर भारी बताया है। डॉ.जया केतकी ने संगोष्ठी का सुंदर संचालन किया। इस अवसर पर अशोक महेश्वरी, डॉ. विजय दत्त श्रीधर, प्रतिष्ठित कथाकार डॉ. उर्मिला शिरीष, लेखिका डॉ. इंदिरा दांगी समेत भारी संख्या में साहित्य-प्रेमी उपस्थित थे।

विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल, सिकंदराबाद के महानिरीक्षक राजाराम का सम्मान करते हुए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश बंग।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

ईडी ने विपक्ष ...

इससे उनकी क्षमता, योग्यता और समझ का पता लगता है।

इससे पता चलता है कि किसका क्या इरादा है, देश भी इसका मूल्यांकन करता है।

देश में हर स्तर पर, हर क्षेत्र में, हर सोच में आशा ही आशा नजर आ रही है। एक विश्वास से भरा हुआ देश है। सपने और संकल्प वाला देश है, लेकिन यहां कुछ लोग ऐसी निराशा में डूबे हैं। काका हाथरसी ने कहा था- आगा पीछा देखकर क्यों होते गमगीन, जैसी जिसकी भावना वैसा दिखे सीन। बीते वर्षों में हार्वर्ड में स्टडी हुई है। उसका टॉपिक था- द राइज एंड डिक्लाइन ऑफ इंडियाज कांग्रेस पार्टी। मुझे भरोसा है कि भविष्य में कांग्रेस की बर्बादी पर हार्वर्ड ही नहीं, बड़ी-बड़ी यूनिवर्सिटी में अध्ययन होना ही है। इस प्रकार के लोगों के लिए दुष्यंत कुमार ने बढ़िया बात कही है- तुम्हारे पांव के नीचे कोई जमीन नहीं, कमाल ये है कि फिर भी तुम्हें यकीन नहीं।

रेड कॉर्नर नोटिस ...

हनीफा पर अत्याधुनिक हथियारों से दंगा करने और हत्या के प्रयास के आरोप है। तिरुवनंतपुरम के कीझाटिंगल के सुधीन कुमार श्रीधरन (56) पर हत्या का आरोप है। अलप्पुझा के चेंगन्नूर के सुकुमारन शिवराम कुरुप (74) पर हत्या और साक्ष्य नष्ट करने का आरोप है। वहीं, कासरगोड के नयनमारमूला के चेरियावीट्टिल सद्दीक (44) पर आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा कन्नूर के कोचुपेडिकायिल साबिर (42) पर विस्फोटक लगाने और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। एर्नाकुलम के चनमपरम्बिल मोहम्मद बशीर (61) पर भी आतंकी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। इसके अलावा कासरगोड के कोलांजना मोहम्मद रफीक (34) पर हत्या और कन्नूर के डॉ एदादी ओमाना (69) पर अपहरण, हत्या और सबूत नष्ट करने का आरोप लगा है।

चंडीगढ़ में घुसने ...

पुलिसकर्मियों के जख्मी होने का पता चलते ही चंडीगढ़ के डीजीपी प्रवीर रंजन भी अस्पताल रवाना हो गए हैं। डीजीपी ने बताया कि कई प्रदर्शनकारियों के पास हथियार और डंडे, राड थे। कई अन्य खतरनाक हथियार इनके पास थे। प्रदर्शनकारियों ने रोके जाने पर पुलिसकर्मियों पर हमला किया। कई पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। कुछ प्रदर्शनकारी घोड़ों पर सवार होकर आए जिनमें निहंगों के दल भी थे। उनके पास भी हथियार थे। तलवारों से पुलिसकर्मियों पर हमला किया गया। कुछ पुलिसकर्मियों को गंभीर चोटें आई हैं। पंजाब डीजीपी ने साफ कर दिया है कि पंजाब पुलिस ने सुरक्षा का आश्वासन दिया था, मगर किस तरह प्रदर्शनकारी चंडीगढ़ बार्डर तक हथियारों समेत यहां तक पहुंचे यह विचार का विषय है। इस घटना के पीछे डीजीपी ने कौमी इंसाफ मोर्चा को जिम्मेदार बताया। डीजीपी ने कहा कि पुलिस के पास पर्याप्त सबूत हैं और आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।

6 साल बाद भारत में टेस्ट खेलेगा ऑस्ट्रेलिया: नागपुर में पहला मुकाबला आज से

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

नागपुर,, 8 फरवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया 2023 का पहला टेस्ट मैच कल से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। नागपुर में ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला गुरुवार सुबह 9:30 बजे से शुरू होगा। दोनों टीमों के लिए यह महत्वपूर्ण होने वाला है। एक तरफ भारत पर टेस्ट रैंकिंग में पहले स्थान पर आने का दबाव है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया भी 19 साल बाद भारत में सीरीज जीतना चाहेगा।

आगे बढ़ने से पहले देखें दोनों टीमों के अब तक खेले गए मैचों के नतीजे...

28 नवंबर 1948 को दोनों टीमों के बीच पहली बार टेस्ट मैच खेला गया। तब से लेकर अब तक ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच कुल 102 टेस्ट मैच हुए। ऑस्ट्रेलिया ने 43, जबकि भारत ने 30 मैच जीते। ओवरऑल ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड बेहतर है, लेकिन अपने घर में भारतीय ने ऑस्ट्रेलिया को पूरी तरह डॉमिनेट किया है।

अगले ग्राफिक में देखिए भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच भारत में हेड टु हेड

भारत में भारत की ताकत स्पिन

भारतीय टीम की ताकत स्पिन है। टीम का स्पिन अटैक रविचंद्रन अश्विन संभालेंगे। उनके साथ रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव या अक्षर पटेल में से एक होंगे। टीम के पास स्पिन में विकल्प की कमी नहीं है। इस वजह से नागपुर में स्पिन ट्रैक देखने को मिलेगा।

4 पेसर्स भी मौजूद

पेस बॉलिंग में टीम के पास मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव और जयदेव उनादकट हैं। जिनमें से किन्हीं 2 को ही पहले टेस्ट में मौका मिलने की संभावना है। अगर विकेट स्पिन के लिए मददगार रहा तो टीम इंडिया एक ही स्पिनर के साथ भी जा सकती है। पिछले प्रदर्शन पर नजर डालें तो शमी और सिराज ही पहले टेस्ट में खेलते नजर आएंगे।

पुजारा पर निर्भर बैटिंग

बैटिंग की ओर देखें तो टीम के दोनों प्रमुख के कप्तान रोहित शर्मा पिछले 2 साल में फॉर्म और इंजरी से जूझते नजर आए हैं। वहीं, विराट कोहली ने अपना आखिरी टेस्ट शतक नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ जमाया था। इसके बाद उनके बल्ले से 6 हाफ सेंचुरी आईं, लेकिन शतक नहीं। रोहित चोट के चलते ज्यादातर समय टीम से बाहर रहे, उन्होंने पिछले 10 में से भारत के लिए 2 ही खेले। चेतेश्वर पुजारा अच्छे फॉर्म में हैं, वे टीम को मजबूती देंगे।

विकेटकीपिंग में ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में स्क्वॉड में पहली बार शामिल हुए ईशान किशन या डेढ़ साल से बेंच पर बैठे केएस भरत को मौका मिल सकता है। इनके अलावा टी-20 के आक्रामक बैटर सूर्यकुमार यादव के भी डेब्यू करने की संभावना है। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सरप्राइज एलिमेंट हो सकते हैं।

अब ग्राफिक में देखिए टीम इंडिया के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घर में टॉप बैटर और बॉलर

ऑस्ट्रेलिया के लिए चुनौतियों से भरा भारत दौरा

ऑस्ट्रेलिया के लिए भारतीय परिस्थितियों में खेलना चुनौतीपूर्ण रहा है है। यहां के स्पिन ट्रैक में SENA (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) देशों को खेलने में परेशानी होती है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आखिरी बार 2004 में भारत में 2-1 से टेस्ट सीरीज पर जीती था। इसके बाद से ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए यहां टेस्ट सीरीज जीतना एक सपना ही है।

पिछले दिनों टीम के उप कप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा था कि भारत में टेस्ट सीरीज जीतना इंग्लैंड में एशेज जीतने से भी बड़ा है।

बैटर्स को भारत का अनुभव नहीं

बल्लेबाजी में डेविड वार्नर, स्टीव स्मिथ और मैट रैनशॉ के अलावा टीम में सभी बल्लेबाज पहली बार भारत में बल्लेबाजी करेंगे। टीम के स्टार बैटर मार्नस लाबुशेन के लिए भारत में बल्लेबाजी करना एक बड़ा चैलेंज होगा। स्टीव स्मिथ ने भारत में 60 की औसत से 660 रन बनाए हैं। 6 मैचों में उन्होंने 3 शतक और एक अर्धशतक भी बनाया है। वे भारतीय टीम के लिए कठिनाई पैदा कर सकते हैं।

गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया का स्पिन अटैक नाथन लायन और फिंगर स्पिनर एश्टन एगर संभालेंगे। लायन बहुत अनुभवी गेंदबाज हैं। भारत में वे ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज हैं। इसके अलावा मैच में स्टीव स्मिथ भी गेंदबाजी कर सकते हैं। बेंगलुरु के अलुर में प्रैक्टिस के दौरान उन्हें गेंदबाजी करते हुए देखा गया था।

अब ग्राफिक में देखिए भारत में ऑस्ट्रेलिया के टॉप बॉलर

वेदर कंडीशन

नागपुर में गुरुवार को धूप खिली रहेगी। अधिकतम तापमान 33 डिग्री तक रहेगा। बारिश आने की सम्भावना नहीं है। पांचों दिन लगभग एक जैसा मौसम देखने को मिलेगा। सुबह 9:30 बजे से आधे घंटे के लिए हल्का कोहरा देखने को मिल सकता है।

पिच

इस बार टर्निंग ट्रैक की उम्मीद की जा रही है। यानी ऐसी पिच जहां पहले दिन से स्पिनर्स को मदद मिल सकती है। दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट जामथा स्टेडियम में खेला जाएगा। यहां 2008 से टेस्ट क्रिकेट खेला जा रहा है। अब तक हुए 6 टेस्ट में पहले बैटिंग करने वाली टीम को 3 बार जीत मिली। 2 बार पहले बॉलिंग करने वाली टीम को जीत मिली। वहीं, एक टेस्ट मैच ड्रॉ रहा।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग इलेवन...

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, शुभमन गिल/सूर्यकुमार यादव, केएस भरत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव/अक्षर पटेल, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज।

ऑस्ट्रेलिया : पैट कमिंस (कप्तान), डेविड वॉर्नर, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), एश्टन अगर, नाथन लायन, मिचेल स्वेप्सन और स्कॉट बोलैंड।

दोनों टीमों का स्क्वॉड

भारतः रोहित शर्मा, केएल राहुल (उप-कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, केएस भरत/ इशान किशन (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, कुलदीप यादव, मो. शमी, मो. सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट, सूर्यकुमार यादव।

ऑस्ट्रेलियाः पैट कमिंस (कप्तान), एश्टन एगर, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स केरी, कैमरन ग्रीन, पीटर हैंड्सकॉम्ब, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायोन, लांस मॉरिस, टॉड मर्फी, मैथ्यू रेनशॉ, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मिचेल स्वेप्सन और डेविड वॉर्नर।

टेस्ट वाली पिच की तस्वीर चर्चा में

विकेट का एक हिस्सा सूखा यानी लेफ्ट हैंड बल्लेबाज को मुश्किल होगी, राइट हैंड फायदे में रहेंगे

नागपुर, 8 फरवरी (एजेंसियां)। नागपुर के जामथा स्टेडियम में 9 फरवरी से इंडिया-ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट खेला जाएगा। एक दिन पहले पिच की यह तस्वीर सामने आई है।

क्रिकेट में पिच की जब भी बात होती है तो अमूमन यही कहा जाता है कि यह बल्लेबाजों के लिए मददगार होगी या फिर गेंदबाजों के लिए। कभी आपने ऐसा सुना है कि कोई पिच दाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए अच्छी होगी, लेकिन बाएं हाथ के बल्लेबाजों को लिए काफी मुश्किल?

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नागपुर में कल से शुरू होने वाले पहले टेस्ट में बिल्कुल ऐसी ही पिच देखने को मिल सकती है। इस पर विराट कोहली, स्टीव स्मिथ जैसे राइट हैंडर्स तो खूब रन बना सकेंगे लेकिन, डेविड वार्नर, उस्मान ख्वाजा जैसे खब्बू बल्लेबाजों की हालत खराब हो सकती है।

अब कुछ सवालों से समझिए इस पिच को, पहला सवाल- पिच में अनोखा क्या है?

नागपुर टेस्ट की पिच देखने पर साफ हो जाता है कि दोनों ओर लेफ्ट हैंडर बल्लेबाजों के ऑफ स्टंप के एरिया को बिल्कुल सूखा छोड़ा गया है। इस पर रोलिंग भी नहीं की गई है। इसके उलट राइट हैंडर बल्लेबाजों के ऑफ स्टंप एरिया में पानी भी डाला गया और और इसकी रोलिंग भी की गई है।

ऐसी पिच का असर क्या होगा?

पिच का जो इलाका ड्राई है, वह जल्द टूट जाएगा। यानी लेफ्ट हैंडर बल्लेबाजों के लिए इस मैच में रन बनाना मुश्किल हो सकता है। वहीं राइट हैंड बल्लेबाजों को रन बनाने में उतनी मुश्किल नहीं आएगी, क्योंकि उनके लिए ऑफ साइड रोल भी है और पानी भी डाला गया है। यानी गेंद और बल्ले का संपर्क अच्छा होगा।

पिच को ऐसा क्यों बनाया गया?

ऑस्ट्रेलिया की बैटिंग लाइनअप में टॉप-8 में से 6 बल्लेबाज लेफ्ट हैंडर हो सकते हैं। भारतीय टीम के टॉप-8 में 1 या 2 बल्लेबाज ही लेफ्ट हैंडर होने वाले हैं। इस रणनीति से नागपुर की पिच पर ऑस्ट्रेलिया के लिए बल्लेबाजी मुश्किल हो जाएगी।

इंडिया के कौन से स्पिनर्स फायदा उठा सकते हैं?

लेफ्ट हैंड स्पिनर्स रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल। दोनों ऑस्ट्रेलिया के लिए मुसीबत बन सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के लेफ्ट हैंडर्स के खिलाफ ड्राई पैच पर जडेजा और अक्षर आसानी से स्पिन करा पाएंगे। जिस रफ्तार से दोनों गेंद फेंकते हैं, उस पर टर्न मिलना शुरू हुआ तो ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ी मुश्किल खड़ी हो जाएगी।

टीम मैनेजमेंट के कहने पर बदली पिच

विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन ने जो पिच तैयार करवाई थी वह भारतीय टीम मैनेजमेंट को पसंद नहीं आई।

वीसीए से जुड़े सूत्रों के मुताबिक इसके बाद मुकाबले के लिए दूसरी पिच को तैयार किया गया। पिच चेंज किए जाने से वीसीए को आनन-फानन में कई बदलाव करने पड़े थे।

बाल-बाल बचा तुर्किये के क्लब के लिए खेलने वाला घाना का फुटबॉलर

मलबे से सुरक्षित निकाला गया

खेल डेस्क, 8 फरवरी (एजेंसियां)। चेल्सी और न्यूकैसल की अग्रिम पंक्ति के पूर्व खिलाड़ी क्रिस्टियन अतसू को तुर्किये में आए भयानक भूकंप के बाद मलबे के ढेर से सुरक्षित निकाल लिया गया है। घाना फुटबाल संघ ने ट्विटर पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। वह तुर्किये के क्लब हैतिसपोर के लिए खेलते हैं।

एक दिन पहले क्लब के प्रवक्ता ने कहा था कि संभवतः अतसू उस आवासीय इमारत में थे, जो 7.8 स्तर के भूकंप के बाद भरभराकर गिर गई थी। घाना फुटबाल संघ के ट्वीट से पहले अतसू की कोई खैर खबर नहीं मिल रही थी। बाद में घाना फुटबाल संघ ने कहा कि हमें कुछ सकारात्मक खबर मिली है कि अतसु को सुरक्षित मलबे से बाहर निकाल लिया गया है।

उनका इलाज चल रहा है लेकिन अभी यह पता नहीं चला कि उनके कितनी चोट आई है। 31 साल के खिलाड़ी अतसू पिछले साल हैतिसपोर क्लब में शामिल हुए थे।

ये भूकंप इतना भयानक था कि तुर्किये में छह हजार से ज्यादा इमारतें गिर गईं और कड़ाके की सर्दी के बीच राहतकर्मी मलबे के ढेर से लोगों को बचाने में जुटे हुए हैं।

विनेश, साक्षी और सिंधु साल की श्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के अवॉर्ड की होड़ में

खेल डेस्क, 8 फरवरी (एजेंसियां)। पहलवान विनेश फोगाट और साक्षी मलिक सहित पांच महिला खिलाड़ी बीबीसी के साल की श्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के पुरस्कार की होड़ में शामिल हैं। इसके अलावा ओलंपिक रजत पदक विजेता महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू, बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और मुक्केबाज निकहत जरीन नामितों में हैं।

पत्रकारों और लेखकों की जूरी ने उपलब्धियों के आधार पर इन खिलाड़ियों का चयन किया है। सोमवार से खेल प्रेमी अपने पसंदीदा खिलाड़ी को ऑनलाइन वोट कर सकते हैं। वोट के लिए 20 फरवरी मध्यरात्रि की समय सीमा रहेगी। विजेता खिलाड़ी की घोषणा पांच मार्च को की जाएगी।

इस बार भारत की पैरा महिला खिलाड़ियों के लिए भी अलग से पुरस्कार की श्रेणी रखी गई है। वर्ष 2018 में पैरा एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता रहीं एकता भयान ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि पैरा खिलाड़ियों के लिए स्टेडियमों को और अनुकूल बनाए जाने की जरूरत है। हमें मानसिक अवरोध हटाने होंगे। अभी भी 60 से 70 प्रतिशत दिव्यांग घरों तक सीमित हैं। जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत है।

बीजिंग 2008 में मुक्केबाजी में पहला ओलंपिक पदक दिलाने वाले विजेंदर सिंह ने कहा कि महिला खिलाड़ियों को ज्यादा सम्मान की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय मुक्केबाजी महासंघ उन जैसे मुक्केबाजों से संपर्क में ही नहीं है।

हरभजन सिंह ने भी चुनी पहले टेस्ट के लिए टीम इंडिया, इस धाकड़ खिलाड़ी को दिया मौका

खेल डेस्क, 8 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुरु होने जा रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट के लिए अब 24 घंटे से भी कम का समय बचा है। पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया के किन-किन खिलाड़ियों को मौका मिलेगा। इसको लेकर कयास जारी है। टीम इंडिया के कई पूर्व खिलाड़ी पहले टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 चुन चुके हैं। जबकि अब हरभजन सिंह ने भी अपनी टीम चुनी है।

हरभजन सिंह ने सूर्या को दिया मौका

हरभजन सिंह ने भी पहले टेस्ट के लिए जो प्लेइंग 11 चुनी है, उसके हिसाब से पहले टेस्ट में सूर्यकुमार यादव को जगह मिलती दिख रही है। यानि पहले टेस्ट में सूर्या टेस्ट डेब्यू कर सकते हैं। इसके अलावा हरभजन ने ओपनिंग की जिम्मेदारी कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल को दी है। यानि केएल राहुल हरभजन सिंह की टीम में फिट नहीं बैठ रहे हैं।

हरभजन सिंह ने चुनी प्लेइंग-11

कप्तान-रोहित शर्मा, शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जडेजा, केएस भरत, रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी

तीन स्पिनर खिलाएगी टीम इंडिया

खास बात यह है कि अब तक जिन लोगों ने पहले टीम के लिए प्लेइंग 11 चुनी है। उनमें ज्यादातर ने पहले टेस्ट के लिए तीन स्पिनरों को चुना है।

हरभजन सिंह ने भी पहले टेस्ट के लिए रवि अश्विन और रवींद्र जडेजा के साथ-साथ अक्षर पटेल को भी चुना है। यानि टीम इंडिया के पहले टेस्ट में तीन स्पिनर खेलने के पूरे चांस बन रहे हैं। दिनेश कार्तिक ने पहले टेस्ट के लिए तीन स्पिनरों को चुना है।

इंग्लैंड में खेला जाएगा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल

भारत को पहुंचने के लिए करना होगा ये काम

खेल डेस्क, 8 फरवरी (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशीप के फाइनल की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। आईसीसी द्वारा बताया गया है कि दूसरा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशीप फाइनल 7 से 11 जून 2023 के बीच लंदन के ओवल स्टेडियम में खेला जाएगा। इस फाइनल के लिए इस बार एक रिजर्व डे भी रखा गया है जो कि 12 जून 2023 है। फिलहाल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशीप की टेबल में भारत और ऑस्ट्रेलिया टॉप दो टीमें हैं हालांकि ये टॉप पर रहेगी कि नही ये बॉर्डर गावस्कर सीरीज और न्यूजीलैंड और श्रीलंका की सीरीज पर निर्भर करेगा।

भारतीय टीम ऐसे बना सकती है जगह

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जाने वाली बॉर्डर-गावस्कर सीरीज ही भारत के इस फाइनल में खेलने के चांस तय करेगी। बिना किसी परेशानी के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया पर 4-0 से सीरीज जीत दर्ज करनी होगी। भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में तब भी पहुंच सकता है, जब मेजबान टीम 3-0 से जीत या 3-1 से जीत दर्ज करने में सफल हो जाए तो।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी हारने पर भी ऐसे कर सकती है क्वालिफाई

अगर भारत 3-0 से सीरीज जीतने में नाकाम रहता है तो भारतीय टीम के लिए मुश्किल बढ़ जाएगी, क्योंकि उन्हें वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाने के लिए श्रीलंका बनाम न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज के परिणाम पर निर्भर रहना होगा। अगर न्यूजीलैंड श्रीलंका के खिलाफ एक टेस्ट जीतता है या एक टेस्ट ड्रॉ कराता है तो भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच जाएगा।

120% गारंटी है पाकिस्तान यहां आएगा

आकाश चोपड़ा ने किया बड़ा दावा

नई दिल्ली, 8 फरवरी (एजेंसियां)। एशिया कप के आयोजन को लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। बहरीन में एशियन क्रिकेट काउंसिल की बैठक में जय शाह और पीसीबी अध्यक्ष नजम सेठी का आमना-सामना होने के बाद फिलहाल ये फैसला टाल दिया गया है कि एशिया कप पाकिस्तान में होगा या नहीं, लेकिन इस बीच दोनों ओर से बयानबाजी चरम पर है। हाल ही पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज जावेद मियांदाद ने विवादित बयान देकर इस विवाद को बढ़ाने का काम किया। मियांदाद ने कहा कि वे न आएं तो भाड़ में जाएं, हमें क्या पड़ी है। इसके बाद मियांदाद लगातार निशाने पर हैं। इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि अगर उसने भारत में होने वाले 2023 विश्व कप का बहिष्कार किया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा- "पाकिस्तान के लोग कह रहे हैं कि अगर हम एशिया कप के लिए वहां नहीं जाते हैं, तो वे हमारे घर भी विश्व कप खेलने नहीं आएंगे, क्या ऐसा हो सकता है?" मैं आपको लिखित में दे सकता हूं कि एशिया कप हो या न हो, इस बात की 120% गारंटी है कि पाकिस्तान यहां आएगा और विश्व कप भी खेलेगा। अगर पाकिस्तान विश्व कप का बहिष्कार करता है, तो नतीजे गंभीर होंगे। यह मेरी राय है।"

केंद्र पर तेलंगाना का 1.25 लाख करोड़ रुपये बकाया : हरीश राव

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने फंड जारी करने में तेलंगाना के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैया दिखाने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की। बुधवार को यहां विधानसभा में तेलंगाना राज्य के बजट पर बहस में हिस्सा लेते हुए मंत्री हरीश राव ने कहा कि भले ही केंद्रीय वित्त आयोग ने केंद्र सरकार से सिफारिश की थी कि तेलंगाना को 5375 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी जानी चाहिए, लेकिन मोदी सरकार ने सिफारिश को नजरअंदाज किया और जानबूझकर तेलंगाना को धन जारी करने में बाधा डाली।

मंत्री ने दावा किया है कि लंबित धन, अनुदान और मुआवजे के रूप में केंद्र सरकार पर तेलंगाना का 1.25 लाख करोड़ रुपये बकाया है। भाजपा विधायक इटेला राजेंदर के बयान का जवाब देते हुए हरीश राव ने कहा कि राज्य सरकार बजट में झूठे आंकड़े दिखाकर लोगों, विशेष रूप से पिछड़े वर्गों को धोखा दे रही है। उन्होंने भाजपा में शामिल होने के बाद झूठ बोलना शुरू कर दिया है।

आरोपों से इनकार करते हुए कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव अलौकिक शक्तियों को प्राप्त करने की दृष्टि से अपने फार्महाउस पर जादू-टोना कर रहे थे, हरीश राव ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री को इस तरह की प्रथाओं में लिप्त होने की कोई आवश्यकता नहीं है और कहा कि भाजपा नेताओं को मनोगत प्रथाओं का प्रमाण दिखाने के लिए फार्म हाउस आना चाहिए। बीआरएस पार्टी उन लोगों को असीमित शक्ति प्रदान कर रही है, जिन्होंने बदले में राज्य पर शासन करने के लिए गुलाबी पार्टी को सत्ता दी है। हरीश राव ने कहा कि जब कांग्रेस राज्य पर शासन कर रही थी, तो उसने लोगों को बिजली अवकाश दिया था, जिसने बदले में स्थायी अवकाश (इसके खिलाफ वोट डालने) दिया है।

कोंडागट्टू अंजनेय स्वामी मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए 100 करोड़ रुपये जारी

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने जगतियाल जिले में कोंडागट्टू अंजनेय स्वामी के मंदिर के विकास के लिए आज 100 करोड़ रुपये जारी किए। इसके लिए राज्य योजना आयोग ने विशेष विकास कोष से राशि जारी की। उल्लेखनीय है कि पिछले साल दिसंबर में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने जगतियाल जिले के अपने दौरे के दौरान मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित करने की घोषणा की थी। यह बताते हुए कि कोंडागट्टू मंदिर में हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं, मुख्यमंत्री केसीआर ने मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए 100 करोड़ रुपये मंजूर करने की घोषणा की थी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया था कि देश के विशेषज्ञ पुजारी मंदिर का दौरा करेंगे और आगम शास्त्रों के अनुसार जल्द से जल्द मंदिर का जीर्णोद्धार करेंगे। मुख्यमंत्री ने मंदिर जीर्णोद्धार के लिए 100 करोड़ रुपये मंजूर कर अपना वादा पूरा किया।

अव्यावहारिक और काल्पनिक है टीएस बजट : गुडूर

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता गुडुर नारायण रेड्डी ने बुधवार को राज्य के बजट को अजीब बताया, क्योंकि यह अव्यावहारिक और काल्पनिक है। एक मीडिया बयान में उन्होंने कहा कि राज्य के वित्त मंत्री टी. हरीश राव द्वारा 6 फरवरी को विधानसभा में पेश किया जा रहा बजट केवल संख्याओं का खेल था। उन्होंने कहा कि सरकार बजट में जिन संख्याओं का उल्लेख करती है, उन्हें उचित नहीं ठहरा सकती क्योंकि वे काल्पनिक है।

भाजपा नेता ने कहा कि राज्य सरकार का वार्षिक वित्त विवरण, जिसका बहुत महत्व है, राज्य में किसी को उत्साहित करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार ने बजट पेश करने को महज एक अनिवार्य रस्म समझा और बेपरवाही से इसे पूरा कर दिया। उन्होंने कहा कि बजट राज्य को हो रहे राज्य के रूप में पेश करने में विफल रहा और निवेशकों के बीच आशावाद की आभा पैदा करने में भी विफल रहा। बजट में ऐसा कुछ भी नहीं है जो राज्य की अर्थव्यवस्था की प्रगति सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने काल्पनिक संख्या के साथ बजट को बढ़ाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि वार्षिक वित्त विवरण में कोई दम नहीं है।

उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार के पिछले 9 वर्षों के बजट के आंकड़ों को ध्यान में रखा जाए, तो सरकार कभी भी अनुमानित राजस्व या अनुमानित व्यय को छोड़कर कभी भी पूरी नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि सरकार खुले बाजार से कर्ज लेकर और गैर कर राजस्व के जरिये राज्य को चलाना चाहती है. उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सीधे या निगमों के माध्यम से कुल 4.86 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में ब्याज मूलधन के भुगतान के लिए 35,013 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं और याद दिलाया गया है कि निगमों के ऋणों के ब्याज और मूलधन के भुगतान को इस आंकड़े में

जोड़ा जाना है। उन्होंने कहा कि अगर ब्याज और मूल भुगतान और वेतन और अन्य के रूप में सामान्य व्यय को जोड़ दिया जाए तो यह बजट का लगभग 60 प्रतिशत होगा और केवल 40 प्रतिशत लोगों तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र को के चंद्रशेखर राव को परियोजनाओं के निर्माण के माध्यम से उनके द्वारा लिए गए कमीशन को खत्म करने के लिए कदम उठाने चाहिए और यह राशि ब्याज और मूलधन के भुगतान का ख्याल रखेगी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में करों के माध्यम से सरकार का अपना राजस्व 1.31 लाख करोड़ रुपये अनुमानित किया गया है जबकि खर्च 2.90 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया गया है और भगवान जाने कि सरकार 1.59 लाख करोड़ रुपये के अंतर को कैसे भरेगी। नारायण रेड्डी ने कहा कि हालांकि सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 2.56 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया है, लेकिन खर्च 2.37 लाख करोड़ रुपये को पार नहीं कर सकता है। खर्च 19000 करोड़ रुपये से कम हो सकता है। इसी तरह वित्त वर्ष 2023-24 में घोषित किए जा रहे पूरे बजट को सरकार खर्च नहीं कर पाई। दूसरी ओर राज्य सरकार यह कहकर राज्य के विकास में कमी के लिए केंद्र को दोष देने की पुरजोर कोशिश कर रही है कि केंद्र फंड नहीं दे रहा है। यह हास्यास्पद है कि राज्य सरकार उन बाधाओं के बावजूद केंद्र से हजारों करोड़ रुपये मांग रही है जिनके तहत केंद्र काम करता है।

तेलंगाना के शहीदों को नहीं मिला सम्मान : रेवंत रेड्डी

अपनी पदयात्रा के दौरान महबूबाबाद जिले में लोगों से मुलाकात करते हुए टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी।

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस के प्रमुख और मलकाजगिरी के सांसद रेवंत रेड्डी ने हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा के दौरान प्रगति भवन पर अपनी टिप्पणियों के बाद उनके खिलाफ दायर मुकदमों के बारे में बात की। वारंगल में मीडिया को दिए एक बयान में, उन्होंने कहा कि वह मामलों से भयभीत नहीं हैं और ये उनके लिए यह नए नहीं हैं। रेवंत रेड्डी ने मंत्री येर्राबेल्ली कई आरोप लगाते हुए कहा कि सीएम केसीआर ने तेलंगाना को नापसंद करने वाले व्यक्तियों को प्रगति भवन का हिस्सा बनने की अनुमति दी, लेकिन तेलंगाना के शहीदों के परिवारों को अनुमति देने से इनकार कर दिया। सांसद रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि श्रीनिवास यादव, मल्लारेड्डी, दयाकर राव और अन्य सहित तेलंगाना का विरोध करने वाले सरकार में मंत्री बन गए। उन्होंने कहा कि 90 प्रतिशत मंत्री तेलंगाना के गद्दार हैं।

मुकदमों से नहीं डरता : टीपीसीसी अध्यक्ष

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नवनिर्मित राज्य सचिवालय पर उनकी टिप्पणियों के लिए सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के नेताओं द्वारा उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग का उल्लेख करते हुए, टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने आज स्पष्ट किया कि किसी भी तरह के मामले वह डरे हुए नहीं हैं और कहा कि मामले उनके लिए नए नहीं हैं।

महबूबबाद जिले में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अपने अत्याचारी शासन को जारी रखने से रोकने के लिए उन्हें हिरासत में लेने की आवश्यकता है। सत्तारूढ़ दल के नेताओं की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, उन्होंने कहा कि तेलंगाना जेएसी का गठन उनकी पार्टी के नेता के. जना रेड्डी के आवास पर किया गया था और प्रोफेसर कोदंडाराम को जेएसी का अध्यक्ष बनाया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने उन लोगों को पद दिए हैं, जिन्हें तेलंगाना शब्द से भी नफरत है।

उन्होंने बीआरएस पार्टी के विधायक रसमयी बालकिशन को शिक्षित नेता बताते हुए सीएम केसीआर से पूछा कि उन्हें मंत्री क्यों नहीं बनाया गया? उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री येर्राबेली दयाकर रेड्डी को एक अशिक्षित नेता होने के बावजूद उनकी जाति देखकर राज्य मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि कृषि ऋण माफी के अपने चुनावी वादे को पूरा करने में मुख्यमंत्री की विफलता के कारण कई कर्ज में डूबे किसानों ने आत्महत्या कर ली है।

दिल्ली आबकारी नीति घोटाल : एमएलसी कविता के पूर्व सीए गिरफ्तार

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में एक बड़ी गिरफ्तारी की है। एजेंसी ने बीआरएस एमएलसी कविता के पूर्व चार्टर्ड अकाउंटेंट बुचिबाबू गोरंतला को गिरफ्तार किया है। सीबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, गोरंटला को दिल्ली आबकारी नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में उनकी संदिग्ध संलिप्तता के लिए हिरासत में लिया गया था।

माना जा रहा है कि उसने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान दिल्ली में थोक और खुदरा लाइसेंसधारियों और उनके मालिकों को अनुचित लाभ पहुंचाया। गोरंटला को अदालत में पेश किया जाएगा। सीबीआई चल रही जांच में उनकी हिरासत का अनुरोध करने का इरादा रख रही है। एजेंसी इस मामले में पहले ही एक चार्जशीट दाखिल कर चुकी है, जिसमें आरोपियों के खिलाफ सबूतों को मजबूत करने के लिए एक सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर करने की योजना है।

संसद में उठा आंप्र में एक से अधिक राजधानी का मुद्दा

एक से अधिक राजधानी मामले में आंप्र सरकार ने केन्द्र से परामर्श नहीं किया : गृह राज्यमंत्री

नई दिल्ली/हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्र सरकार ने आज स्पष्ट करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार ने राज्य में तीन राजधानी बनाने वाले कानून को बनाते उससे परामर्श नहीं किया। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में वाईएसआर कांग्रेस के वी. विजयसाई रेड्डी के सवाल का लिखित जवाब देते हुये कहा कि आंध्र प्रदेश पुनर्गठन कानून 2014 की धारा 5 और 6 के तहत केन्द्र ने आंध्र प्रदेश राज्य के लिए एक नई राजधानी के विकल्पों का अध्ययन करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था और उसकी रिपोर्ट आंध्र प्रदेश सरकार को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए भेजा। उन्होंने बताया कि आंध्र प्रदेश सरकार ने 23 अप्रैल 2015 को अमरावती को राजधानी बनाने के फैसले को अधिसूचित करते हुए एक आदेश जारी किया। श्री राय ने कहा कि इसके बाद राज्य सरकार ने एपी कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी : रिपील एक्ट 2020 और एपी डेसेंट्रलाइजेशन एण्ड इंक्लूसिव डेवलपमेंट ऑफ आल रीजन एक्ट 2020 बनाया, जिसमें आंध्र प्रदेश राज्य में शासन की तीन सीट अमरावती विधायी राजधानी के रूप में, विशाखपत्तनम कार्यकारी राजधानी के रूप में और कुर्नूल न्यायिक राजधानी के रूप में होगी, का प्रावधान किया गया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने इन कानूनों को बनाते समय केन्द्र सरकार से कोई परामर्श नहीं किया गया था। गृह राजय मंत्री ने बताया कि इसके बाद आंध्र प्रदेश सरकार ने आंध्र प्रदेश डेसेंट्रलाइजेशन एण्ड इंक्लूसिव डेवलपमेंट ऑफ आल रीजन रिपील एक्ट 2021 अधिनियमित किया और एपी कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी : रिपील: एक्ट 2020 और एपी डेसेंट्रलाइजेशन एण्ड इंक्लूसिव डेवलपमेंट ऑफ आल रीजन एक्ट 2020 को निरस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि अब आंध्र प्रदेश सरकार ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के निर्णय के खिलाफ इस मामले में स्पेशल लीव टू अपील : सिविल दायर की है। इस समय यह मामला न्यायालय में है।

विधायक चंद्रशेखर रेड्डी को दिल का दौरा पड़ा

अमरावती, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उदयगिरि के विधायक मेकापति चंद्रशेखर रेड्डी को दिल का दौरा पड़ने के लक्षणों के बाद नेल्लोर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जांच करने पर, डॉक्टरों ने पुष्टि की कि उनके दिल के दो वाल्व ब्लॉक हो गए हैं। इसके बावजूद, उन्होंने घोषणा की कि उनके स्वास्थ्य को तत्काल कोई खतरा नहीं है और उन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

एहतियाती उपाय के रूप में, मेडिकल टीम मेकापति को आगे के इलाज और निगरानी के लिए चेन्नई के एक विशेष अस्पताल में स्थानांतरित करने की व्यवस्था कर रही है।

डॉक्टर जल्द ही एक व्यापक स्वास्थ्य बुलेटिन जारी करेंगे, जिसमें उनके इलाज और ठीक होने के बारे में अधिक जानकारी दी जाएगी।

गरीब छात्रों की मदद के लिए आगे आएं : कलेक्टर

छात्राओं में बांटी गई साइकिलें

यादाद्री-भोंगिर, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर पामेला सत्पथी ने बुधवार को लोगों और संगठनों से प्रजा हित कार्यक्रम के तहत जिले में गरीब छात्रों की मदद के लिए आगे आने को कहा। बसवापुर के सरकारी प्राथमिक विद्यालय की छात्राओं को साइकिलें वितरित करते हुए, जिसे एक एनआरआई से वित्तीय सहायता के साथ लिया गया था, उन्होंने कहा कि सात छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं, जो अब तक पास के गांवों में अपने घरों से सरकारी स्कूल जा रही हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर (स्थानीय अधिकारी) दीपक तिवारी और जिला शिक्षा अधिकारी नारायण रेड्डी उपस्थित थे।

निरूपाय होकर कंधे पर पत्नी की लाश ले चला पति

सूचना पाकर घटनास्थल पहुंचे पुलिस अधिकारी ने विक्षिप्त की मदद की

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक गरीब पति की हृदयविदारक स्थिति देख सभी की आंखें नम हो गई। घटना विजयनगरम और ओडिशा की सीमा की है। एक गरीब व्यक्ति अपनी पत्नी के अधिक बीमार हो जाने पर निरुपाय होकर एक ऑटो में विजयनगरम आ रहा था कि रास्ते में उसकी पत्नी एडे गुरु की मृत्यु हो गई।

इसके साथ ही ऑटो चालक ने उन्हें चेल्लुरु रिंग रोड पर उतार दिया और चला गया। गरीब ने रास्ते पर आने-जाने वालों की मदद मांगी, लेकिन कोई आगे नहीं आया। सड़क पर चलने वाले लोगों ने परवाह नहीं की, क्योंकि वह व्यक्ति कोई भी भाषा नहीं समझता था और लोगों को विक्षिप्त सा मालूम पड़ रहा था। इसके बाद विक्षिप्त पति सामुलू ने अपनी पत्नी की लाश को कंधे पर उठा लिया और पैदल ही निकल गया। पत्नी की मृत्यु का दु:ख उसके हृदय में बैठ गया और वह शव को कंधे पर उठा कर ओड़िशा की ओर चल पड़ा। हालाँकि न जाने उसे क्या हो गया था, बहुत देर बाद उसे समझ नहीं आया कि उसने उड़िया में क्या कहा। इस पर स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। ग्रामीण सीआई टीवी तिरुपति राव, गैंट्याडा एसआई किरण कुमार के साथ मामले की जानकारी होने पर चेल्लुरु रिंग रोड पहुंच गये।

सामुलू को अपनी पत्नी की लाश को कंधे पर रखकर सड़क पर चलते देखा गया। सामुलू को रोककर उसके मामले की जानकारी ली और ओडिशा में उसके परिजनों से फोन पर बात की। उनके अनुरोध के अनुसार, ग्रामीण सीआई टीवी तिरुपति राव ने ओडिशा राज्य के सुंकी के लिए एक एम्बुलेंस की व्यवस्था की और उसे भेजा। अंत में, सामुलू ने पुलिस द्वारा प्रदान की गई मदद के लिए धन्यवाद दिया।

विधायक खरीद-फरोख्त मामला : हाईकोर्ट ने अंतरिम याचिका पर सुनवाई से किया इंकार

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बुधवार को तेलंगाना सरकार द्वारा विधायकों के खरीद-फरोख्त मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित करने के एकल न्यायाधीश के आदेश को निलंबित करने की मांग वाली एक अंतरिम याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। राज्य सरकार ने 26 दिसंबर, 2022 के आदेश पर तीन सप्ताह के लिए रोक लगाने की मांग की थी, जिससे उसे उच्चतम न्यायालय का रुख करने की सुविधा मिल सके। मुख्य न्यायाधीश उज्जल भुइयां ने स्पष्ट किया कि चूंकि मामले की सुनवाई और निस्तारण खंडपीठ द्वारा किया गया था, इसलिए इसे अदालत द्वारा फिर से नहीं लिया जा सकता है और इस आदेश को केवल उच्चतम न्यायालय में ही चुनौती दी जा सकती है। महाधिवक्ता बी.एस. प्रसाद ने प्रधान न्यायाधीश के संज्ञान में लाया कि सीबीआई केस फाइल के लिए दबाव बना रही है। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने मामले की फाइल के लिए मंगलवार को मुख्य सचिव को फिर से लिखा। महाधिवक्ता ने अनुमति के लिए मुख्य न्यायाधीश से संपर्क किया, जिसके एक दिन बाद न्यायमूर्ति बी. विजयसेन रेड्डी ने सुझाव दिया जब मंगलवार को अंतरिम याचिका उनके सामने आई।

26 दिसंबर को विजयसेन रेड्डी ने मामले को सीबीआई को सौंपने का अपना आदेश सुनाया था। उन्होंने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के चार विधायकों की कथित खरीद-फरोख्त के मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन के सरकारी आदेश (जीओ) को भी रद्द कर दिया था। एकल न्यायाधीश ने आरोपी पुजारी रामचंद्र भारती, पुजारी सिम्हायाजी और रेस्टोरेंट मालिक नंदू कुमार की याचिकाओं पर यह आदेश सुनाया था कि उन्हें एसआईटी जांच पर भरोसा नहीं है। जज ने यह भी कहा था कि मीडिया को जांच सामग्री तक पहुंच नहीं दी जानी चाहिए थी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने इस सवाल का जवाब नहीं दिया है कि मुख्यमंत्री को खोजी सामग्री किसने मुहैया कराई। मुख्य न्यायाधीश उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति एन तुकारामजी की खंडपीठ ने 6 फरवरी को एकल न्यायाधीश के मामले को सीबीआई को स्थानांतरित करने के आदेश को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की याचिका को खारिज कर दिया।

खंडपीठ ने फैसला सुनाया कि एकल न्यायाधीश की पीठ के आदेश को गलत नहीं ठहराया जा सकता और इसमें हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। तीनों आरोपियों को साइबराबाद पुलिस ने 26 अक्टूबर, 2022 की रात को हैदराबाद के पास मोइनाबाद के एक फार्महाउस से गिरफ्तार किया था, जब वे कथित रूप से भारी धन की पेशकश के साथ बीआरएस के चार विधायकों को लुभाने की कोशिश कर रहे थे। साइबराबाद पुलिस ने एक विधायक पायलट रोहित रेड्डी की गुप्त सूचना पर छापा मारा। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उन्हें 100 करोड़ रुपये और तीन अन्य को 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की ताकि उन्हें "भाजपा में दोष" बनाया जा सके। राज्य सरकार ने बाद में मामले की जांच के लिए हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद की अध्यक्षता में एसआईटी का गठन किया था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सीपी ने मौलालि का दौरा कर ली व्यवस्था की जानकारी

मल्काजगिरी थाने का भी किया निरीक्षण

हैदराबाद, 8 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुरूवार को मौलालि में हज़रत अली की जयंती मनाने, उर्स समारोह और अन्य धार्मिक आयोजनों के मद्देनजर राचकोंडा सीपी डीएस चौहान ने मौलालि का दौरा किया और पुलिस अधिकारियों को व्यवस्था, सुरक्षा आदि के बारे में निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम होना चाहिए। पुलिस टीम को समारोह स्थल पर बारीकी से निगरानी करनी होगा। इस दौरान ट्रैफिक डीसीपी अभिषेक महंती, मल्काजगिरी डीसीपी जानकी, एसीपी मल्काजगिरी नरेश रेड्डी और मल्काजगिरी इंस्पेक्टर जगदीश सीपी के साथ थे। इसी क्रम में राचकोंडा सीपी डीएस चौहान ने कुशाईगुड़ा थाना अंतर्गत राधिका चौरास्ता, कुशाईगुड़ा क्षेत्रों में ट्रैफिक जंक्शन और पैदल पथ के अतिक्रमण का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने देखा कि फुटपाथ पर अतिक्रमण के कारण राहगीरों व वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि राधिका और ईसीआईएल जंक्शन जल्द ही जीएचएमसी के अधिकारियों के

समन्वय से विकसित किए जाएंगे। ट्रैफिक डीसीपी अभिषेक महंती, डीसीपी मल्काजगिरी जानकी धारावत, कुशाईगुड़ा एसीपी, ट्रैफिक एसीपी, कुशाईगुड़ा ट्रैफिक इंस्पेक्टर, कुशाईगुड़ा इंस्पेक्टर समेत अन्य सीपी के साथ थे। इसी क्रम में सीपी मलकाजगिरी पुलिस स्टेशन का दौरा किया। इसके बाद थाने का निरीक्षण किया।

सीपी के साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी व मलकाजगिरी इंस्पेक्टर जगदीश उपस्थित रहे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.